नवबिहार टाइम्स

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

बोकारो जिले के पेटरवार प्रखंड अंतर्गत पतकी स्थित पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय का स्थलीय निरीक्षण करते झारखंड सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की संयुक्त सचिव समीरा एस

• बोकारो, गुरुवार 3 सितम्बर 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 109 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

संक्षिप्त समाचार

एसीबी ने ड्राफ्ट मैन को किया गिरफ्तार

हजारीबाग(नबिटा ब्यूरो)। एंटी करप्शन ब्यूरो हजारीबाग की टीम ने कृष्णा सिंह नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। वह ड्राफ्टमैन है। उसके खिलाफ अदालत में नन बेलेवल गिरफ्तारी वारंट जारी कर रखा था। एसीबी की टीम ने बुधवार को उसके घर पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान वह घर पर नहीं मिले जिसके बाद एसीबी की टीम ने सेटलमेंट कार्यालय में जाकर तालाश की। वहां कृष्णा सिंह मिल गये और उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

ब्राउन शुगर व गांजा के साथ युवक धराया

रांची(नबिटा ब्यूरो)। लोअर बाजार थाना क्षेत्र के डोम टोली तालाब पट्टी इलाके में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के पास से गांजा और उसके सफारी वाहन से ब्राउन शुगर बरामद किया है। जानकारी के अनुसार वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर लगातार मिल रही सूचना का सत्यापन किया गया। सूचना के बाद डोम टोली निवासी मो. अनस कुरैशी को ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है।

जंगली हाथी ने युवक पर किया हमला

चाईबासा(नबिटा ब्यूरो)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के टोंटो थाना क्षेत्र के चालगी गांव में मंगलवार देर शाम जंगली हाथी के हमले में युवक गुड्डू गोप घायल हो गया। घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया और ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। हाथी के हमले में घायल गुड्डू गोप को वन विभाग की टीम इलाज के लिए चाईबासा सदर अस्पताल लेकर गई। चिकित्सकों के अनुसार युवक को मामूली चोटें आई हैं।

बरसाती नाले में बहा वनरक्षक, मौत

चतरा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के मयूरहंड प्रखंड में जंगल की देखरेख के दौरान बरसाती नाले में बहने से 45 वर्षीय वनरक्षक राजकुमार भुइयां की मौत हो गई। उनका शव आज सुबह बन्हा चेकडैम के समीप बरामद किया गया। मृतक की पहचान हुसिया पंचायत के करकरा गांव निवासी राजकुमार भुइयां के रूप में हुई है। राजकुमार पचमु जंगल में वनरक्षक के तौर पर तैनात थे।

बारिश से कच्चा मकान ढहा, गर्भवती की मौत

जामताड़ा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के नारायणपुर थाना क्षेत्र के पंदनी गांव में देर रात लगातार हो रही बारिश के बीच एक कच्चा मकान अचानक ढह गया। हादसे के समय परिवार के सभी सदस्य घर में सो रहे थे। मकान गिरने से कारण शंकर राय की 32 वर्षीय पत्नी ललिता देवी मलबे में दब गई। वह सात माह की गर्भवती थीं। अचानक हुए हादसे से परिवार में चीख-पुकार मच गई।

झारखंड में अभियंताओं की पदोन्नति पर सुप्रीम कोर्ट ने लगायी अंतरिम रोक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राज्य अभियंत्रण सेवा में कार्यपालक अभियंता से अधीक्षण अभियंता एवं उच्चतर पदों पर पदोन्नति के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड सरकार को नोटिस जारी किया है। साथ ही अभियंत्रण सेवा संवर्ग के सभी पदों पर पदोन्नति पर अंतरिम रोक लगा दी गई है। मामले की अगली सुनवाई 26 अक्टूबर 2026 को निर्धारित की गई है। मामला कार्यपालक अभियंता वर्ग-1 सेवा नियमावली 1939 में निर्धारित वरीयता तथा 31 मार्च 2003 के कार्मिक विभागीय संकल्प के आधार पर अनुसूचित जनजाति कोटि के अभियंताओं को परिणामी वरीयता का लाभ देने से जुड़ा है। इस संबंध में प्रदीप कुमार एवं अन्य वादियों ने झारखंड हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने प्रथम दृष्टया दावे को सही मानते हुए झारखंड सरकार समेत अन्य पक्षकारों को नोटिस जारी किया है। न्यायालय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अभियंत्रण सेवा संवर्ग की सभी पदोन्नतियों पर रोक लगाई है। इस आदेश से झारखंड अभियंत्रण सेवा नियमावली 2016 एवं 2025 के

प्रावधानों के क्रियान्वयन का रास्ता फिलहाल प्रभावित हुआ है। वहीं राज्य के आदिवासी अभियंताओं ने सुप्रीम कोर्ट के प्रति आभार जताया है। इधर, झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के अधीन संचालित सीजीएल प्रतियोगिता परीक्षा में कथित पेपर लीक मामले की जांच कर रही सीआईडी ने अब तक 26 आरोपितों को सलाखों तक पहुंचा दिया है। सीआईडी के अधीन गठित 17 सदस्यीय एसआईटी ने इस परीक्षा में अनियमितता से जुड़े 200 संदिग्धों, अभ्यर्थियों का बयान भी ले लिया है। लगातार छानबीन चल रही है। सीआईडी कथित पेपर लीक से जुड़े सिंडिकेट के सदस्यों की जानकारी जुटा रही है। जिन 200 संदिग्धों का एसआईटी ने बयान लिया है उनमें 90 प्रतिशत जेएसएससी सीजीएल परीक्षा के सफल अभ्यर्थी हैं, शेष संदिग्ध हैं और परीक्षा संचालन एजेंसी से जुड़े, एजेंट्स आदि हैं। इधर, जेएसएससी सीजीएल परीक्षा संचालन से जुड़ी एजेंसी आईसीएन के दिल्ली से गिरफ्तार दो कर्मी सोमांश प्रकाश व राहुल कुमार की रिमांड अवधि तीन दिन और बढ़ा दी गई है। दोनों कर्मी पहले पांच दिनों की रिमांड पर थे। अब तीन दिनों की रिमांड बुधवार से शुरू हो गई है। अब तक की छानबीन में यह भी स्पष्ट हो चुका है कि जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा संचालन का कार्य वेबेल एजेंसी को मिला था। वेबेल एजेंसी ने पेटी कांट्रैक्टर जैसा काम अपनी सहयोगी एजेंसी आईसीएन को दिया था। आईसीएन का निदेशक मिथिलेश सिंह वसूली एजेंट की भूमिका में था। प्रारंभिक जांच में यह पता चला है कि अभ्यर्थियों से मिथिलेश सिंह ही रुपये वसूलता था।

बिना लाइसेंस चल रहे 18 कोचिंग संस्थानों पर निगम का शिकंजा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। नगर निगम ने बिना म्युनिसिपल ट्रेड लाइसेंस संचालित किए जा रहे कोचिंग संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। निगम की विशेष जांच टीम ने शहर के अलग-अलग वार्डों में संचालित 70 कोचिंग संस्थानों के लाइसेंस की जांच की। जांच में 18 संस्थान ऐसे मिले जो बिना वैध म्युनिसिपल ट्रेड लाइसेंस के संचालित हो रहे थे। नोटिस के बावजूद लाइसेंस नहीं लेने पर अब इन संस्थानों को सील करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। निगम के अनुसार कोचिंग संस्थानों और लाइब्रेरी की वैधानिक स्थिति की जांच के लिए लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत 70 संस्थानों की जांच की गई। इनमें 18 संस्थानों में ट्रेड लाइसेंस नहीं पाया गया। निगम ने पहले ही संबंधित संस्थानों को नोटिस जारी कर तीन दिनों के भीतर म्युनिसिपल ट्रेड लाइसेंस प्राप्त करने और नियमानुसार संस्थान संचालित करने का निर्देश दिया था। निर्धारित अवधि बीतने के बाद भी संबंधित संस्थानों की ओर से आवश्यक अनुपालन नहीं किया गया। इसके बाद निगम ने झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011 के तहत कार्रवाई शुरू की है। निगम के मुताबिक आवासीय या व्यावसायिक परिसर में बिना म्युनिसिपल ट्रेड लाइसेंस के किसी तरह की व्यावसायिक गतिविधि संचालित करना नियमों का उल्लंघन है। जांच में संबंधित 18 संस्थानों पर झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011 की धारा 455 और 600 तथा झारखंड म्युनिसिपल ट्रेड लाइसेंस रूल्स, 2017 के कंडिका 19 और 20 के उल्लंघन का मामला सामने आया है। निगम की ओर से अब इन संस्थानों के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए सीलिंग की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। रांची नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि बिना वैध म्यूनिसिपल ट्रेड लाइसेंस संचालित किसी भी व्यावसायिक प्रतिष्ठान के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। निगम ने सभी कोचिंग संस्थानों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से आवश्यक लाइसेंस एवं अनुमतियां प्राप्त कर ही संचालन करने की अपील की है।

दिनदहाड़े ज्वेलरी दुकान में लूट, लाखों के गहने लेकर अपराधी फरार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पाकुड़। अमड़ापाड़ा मुख्य बाजार स्थित किशुन वर्मा ज्वेलर्स में बुधवार को दिनदहाड़े अपराधियों ने डकैती की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। दुकान में घुसे अपराधी सोने और चांदी के लाखों रुपये मूल्य के आभूषण लेकर फरार हो गए। मुख्य बाजार में दिनदहाड़े हुई वारदात की सूचना फैलते ही दुकानदारों और स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही अमड़ापाड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेने के साथ दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगालना शुरू किया है। बताया जा रहा है कि पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। फुटेज के आधार पर पुलिस अपराधियों की पहचान करने में जुटी है। मुख्य बाजार में दिनदहाड़े ज्वेलर्स दुकान को निशाना बनाए जाने से आसपास के व्यापारियों में दहशत का माहौल है। घटना के बाद बाजार में लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस से अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। लोगों का कहना है कि व्यस्त बाजार में इस तरह की वारदात से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार अपराधी दुकान से सोने और चांदी के आभूषण लेकर फरार हुए हैं। हालांकि चोरी गए जेवरात की वास्तविक कीमत और कुल मात्रा का आकलन पुलिस एवं दुकान संचालक की ओर से मिलान के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पुलिस दुकान और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर अपराधियों की गतिविधियों और पहचान से जुड़े सुराग जुटा रही है।

मतदाता पंजीकरण एवं सूची विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ में मतदाता पंजीकरण एवं मतदाता पंजी विषय पर बुधवार से दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की शुरुआत हुई। उद्घाटन सत्र में भारत निर्वाचन आयोग के प्रधान सचिव अरविंद आनंद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार, केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड के कुलपति प्रो. सारंग मेधेकर, एनयूएसआरएल के कुलपति प्रो. (डॉ.) अशोक आर. पाटिल तथा सेंट जेवियर्स कॉलेज, रांची के प्राचार्य डॉ. फादर रॉबर्ट प्रदीप कुजूर सहित कई शिक्षाविद्, शोधकर्ता एवं विषय विशेषज्ञ उपस्थित थे। इस अवसर पर सम्मेलन पुस्तक एवं स्मारिका का भी विमोचन किया गया। इस मौके पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा कि मतदाता

पंजीकरण एवं मतदाता सूची विषय पर आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्देश्य वर्तमान में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण से आगे बढ़कर मतदाता पंजीकरण के विषय पर व्यापक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में विमर्श करना है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन के लिए 800 से अधिक विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों से संपर्क किया गया,जिसके फलस्वरूप 230 सार प्राप्त हुए। स्वतंत्र अकादमिक विशेषज्ञ समिति द्वारा इनमें से 80 सार को शॉर्टलिस्ट किया गया तथा अंततः 58 शोध-पत्रों का प्रकाशन एवं विचार-विमर्श के लिए चयन किया गया। वैश्विक व्यवस्थाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि विभिन्न देशों में सक्रिय, स्वचालित एवं हाइब्रिड मतदाता पंजीकरण प्रणालियां प्रचलित हैं तथा जनसंख्या डेटाबेस, सिविल रजिस्ट्री, बायोमेट्रिक्स एवं सतत अद्यतनीकरण जैसी व्यवस्थाओं का उपयोग बढ़ रहा है। भारत में मजबूत संवैधानिक एवं कानूनी ढांचा, व्यापक क्षेत्रीय सत्यापन तथा राजनीतिक दलों की सक्रिय भागीदारी की व्यवस्था है। इसका मूल उद्देश्य ऐसी शुद्ध और पारदर्शी मतदाता सूची सुनिश्चित करना है जिसमें प्रत्येक पात्र नागरिक शामिल हो और कोई अपात्र व्यक्ति सम्मिलित न रहे। के रवि कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि भारत मतदाता सूची प्रबंधन को अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए तकनीक, डेटाबेस आधारित सत्यापन एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का क्रमिक रूप से उपयोग कर रहा है ताकि विसंगतियों की पहचान कर मतदाता अभिलेखों की शुद्धता में सुधार किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन विद्वानों, शोधकर्ताओं एवं निर्वाचन से जुड़े व्यावहारिक विशेषज्ञों को मतदाता पंजीकरण प्रणालियों का आलोचनात्मक अध्ययन करने तथा अंतरराष्ट्रीय अनुभवों से सीखने के लिए एक खुला अकादमिक मंच प्रदान करता है।

एल ख्यांग्ते की जमानत पर फैसला 5 सितंबर को

रांची(नबिटा ब्यूरो)। जेपीएससी परीक्षा में कथित गड़बड़ी के मामले में जेल में बंद झारखंड के पूर्व मुख्य सचिव और जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांग्ते की जमानत याचिका पर बुधवार को सीआइडी की विशेष अदालत में सुनवाई हुई। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद विशेष न्यायाधीश योगेश कुमार की अदालत ने जमानत याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। अब अदालत 5 सितंबर को इस मामले में फैसला सुनाएगी। सिविल कोर्ट के अधिवक्ता संजय कुमार के मुताबिक सुनवाई के दौरान एल ख्यांग्ते की ओर से वरीय अधिवक्ता अनिल कुमार और अधिवक्ता चंदना कुमारी ने कोर्ट के सामने अपना पक्ष रखा है। अधिवक्ता ने कहा कि जांच के दौरान की गई छापामारी में भी उनके खिलाफ कोई आपत्तिजनक साक्ष्य बरामद नहीं हुआ है।

दूसरे राज्यों के विशेषज्ञ डॉक्टर अब झारखंड में देंगे सेवा : मंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमशेदपुर। झारखंड सरकार में स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने अस्पतालों में इलाज की समस्या को लेकर विभाग पर ही सवाल खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य में सरकारी चिकित्सक अच्छी सैलरी देने के बाद भी अस्पताल में नहीं आ रहे थे। अगर कोई डॉक्टर आ भी जाता था तो कुछ समस्या की वजह से भाग जा रहे थे। इसलिए सरकार ने बैंगलुरु, तमिलनाडु और केरलम से विशेषज्ञ डॉक्टरों को लाने का फैसला लिया है ताकि राज्य के प्रखंड और पंचायत स्तर पर स्वास्थ्य सेवा को बेहतर किया जा सके। मंत्री ने कहा कि इसके लिए कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है। इसके तहत स्वास्थ्य विभाग की टीम उन प्रदेशों में जाकर डॉक्टरों से बात करेगी और लगभग दो हजार चिकित्सकों को झारखंड में सेवा देने के लिए आमंत्रित करेंगे। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग की टीमें संबंधित राज्यों में जाकर डॉक्टरों से संपर्क कर रही है। अब सवाल है कि आखिर झारखंड के चिकित्सकों की क्या समस्या है कि सरकारी अस्पतालों में सेवा देने के लिए आगे नहीं आ रहे हैं। साथ ही सरकार द्वारा राज्य की जगह दूसरे प्रदेशों से विशेषज्ञ डॉक्टरों को नौकरी के लिए क्यों बुलाई जा रही है। पूर्वी सिंहभूम जिला के दौरे पर पहुंचे झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी जमशेदपुर में राज्य की चिकित्सा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए किए जा रहे प्रयास की जानकारी दी। बिस्टुपुर स्थित सर्किट हॉउस मे मंत्री ने बताया कि जमशेदपुर का एमजीएम अस्पताल की समस्या को दूर करने के लिए कई निर्णय लिए गए हैं। अस्पताल में मरीज के अलावा अब अन्य लोगों का प्रवेश नहीं होगा। उन्होंने कहा कि निजी अस्पताल में कई खामियां होती है, घटनाए घटती है, लेकिन सुर्खियों में सिर्फ सरकारी अस्पताल ही रहता है। उन्होंने बताया कि चिकित्सा व्यवस्था बेहतर हो, इसके लिए केवल अस्पतालों के भवन और अत्याधुनिक मशीनें ही नहीं बल्कि विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता, मेडिकल शिक्षा का विस्तार, आधुनिक जांच सुविधाएं, डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था और मरीजों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने पर एक साथ काम किया जा रहा है। मंत्री ने बताया कि एमजीएम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के विस्तार के लिए लगभग 600 करोड़ रुपये की योजना बनाई गई है जिसमें 400 करोड़ रुपए जारी किए जा चुके हैं। मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि विस्तार योजना पूरी होने के बाद एमजीएम अस्पताल में पीजी की सीटों की संख्या बढ़ाकर 150 और एमबीबीएस की सीटें 250 तक करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि रिम्स रांची के साथ-साथ राज्य के अन्य मेडिकल कॉलेजों में भी सीटें बढ़ाने की दिशा में काम किया जा रहा है। मेडिकल शिक्षा के विस्तार से आने वाले वर्षों में राज्य में विशेषज्ञ डॉक्टरों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। मंत्री ने बताया कि डिजिटल हेल्थ सिस्टम में एआई के इस्तेमाल पर जोर दिया जा रहा है। राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ने की दिशा में भी तेजी से काम कर रही है।

विधायक जयराम की गिरफ्तारी पर अड़ा पुलिस एसोसिएशन

रांची(नबिटा ब्यूरो)। डुमरी विधायक जयराम महतो और झारखंड पुलिस एसोसिएशन के बीच तनातनी जारी है। अब विधायक जयराम के खिलाफ पुलिस एसोसिएशन आर-पार की लड़ाई के मूड में है। एसोसिएशन अब विधायक जयराम की गिरफ्तारी पर अड़ी हुई है। इसी को लेकर झारखंड पुलिस एसोसिएशन ने विधायक की गिरफ्तारी समेत 9 सूत्री मांगों को लेकर आर-पार की लड़ाई का ऐलान किया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष राहुल मुर्मू और महामंत्री संजीव कुमार ने सीएम को पत्र भेजकर 8 सितंबर से 10 अक्टूबर तक चलने वाले चार चरणों के आंदोलन की घोषणा की। इनमें 5 से 10 अक्टूबर तक की हड़ताल भी शामिल है। वहीं विधायक जयराम महतो ने कहा कि उनकी लड़ाई किसी पुलिस अफसर या पुलिसकर्मी से व्यक्तिगत नहीं है बल्कि उस पुलिसिया सिस्टम के खिलाफ है जिसमें आमलोगों का शोषण होता है। एक गरीब दलित युवक के पक्ष में उन्होंने बरवाअड्डा थाना प्रभारी से सिर्फ इतना कहा था कि बिना वजह किसी को प्रताड़ित नहीं करें। थाना प्रभारी ने निजी बातचीत को सार्वजनिक कर दिया। इसके लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए।

प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर सियासी घमासान तेज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर सियासी घमासान तेज होता जा रहा है। जेपीएससी और जेएसएससी की कई परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ अब भाजपा ने सरकार के सामने तीन बड़ी मांगें रखी हैं। भाजपा ने इन मांगों पर कार्रवाई के लिए राज्य सरकार को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। पार्टी ने चेतावनी दी है कि तय समय में मांगें पूरी नहीं हुईं तो प्रदेश भाजपा सरकार के खिलाफ आंदोलन शुरू करेगी। इसको लेकर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदित्य साहू और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में पार्टी के सांसदों और विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रोजेक्ट भवन में मुख्य सचिव अविनाश कुमार से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा है। मुख्य सचिव से मुलाकात के बाद भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने मीडिया के सामने ज्ञापन देने की वजह बताई। उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव के मार्ग पर राज्य सरकार के सामने तीन मांग रखी गई हैं। पहली

मांग है कि जेपीएससी और जेएसएससी की अलग-अलग परीक्षाओं में सामने आई कथित अनियमितताओं की जांच सीबीआइ से कराई जाए। पार्टी का कहना है कि पूरे मामले की निष्पक्ष और व्यापक जांच जरूरी है ताकि परीक्षा प्रक्रिया में गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान हो सके। दूसरी बड़ी मांग छात्रों के खिलाफ अलग-अलग थानों में दर्ज एफआइआर को तत्काल रद्द करने की है। भाजपा के मुताबिक परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी के विरोध में छात्रों ने करीब एक महीने तक शांतिपूर्ण आंदोलन किया था। पार्टी का आरोप है कि छात्रों की आवाज दबाने के लिए उनके खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए।। ज्ञापन में सुप्रीम कोर्ट के उन आदेशों का भी हवाला दिया गया है जिनमें विभिन्न राज्यों में छात्र आंदोलनों के दौरान दर्ज एफआइआर को रद्द करने की व्यवस्था की गई है। भाजपा ने इसी आधार पर झारखंड में भी छात्रों के खिलाफ दर्ज मुकदमों को खत्म करने की मांग की है। भाजपा की तीसरी मांग जेपीएससी से जुड़े मामले में कार्रवाई को लेकर है। पार्टी ने कहा है कि जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष की गिरफ्तारी के बाद मामले में समान रूप से दोषी माने जा रहे अन्य तीनों पूर्व सदस्यों को भी गिरफ्तार किया जाना चाहिए। भाजपा का तर्क है कि अगर जांच में सभी की भूमिका सामने आती है तो कार्रवाई भी समान रूप से होनी चाहिए। मुख्य सचिव से मुलाकात के बाद प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदित्य साहू ने सरकार को स्पष्ट चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि सरकार के पास इन तीन मांगों पर कार्रवाई करने के लिए 48 घंटे का समय है। अगर इस अवधि में मांगें पूरी नहीं की गईं तो प्रदेश भाजपा हेमंत सोरेन सरकार के खिलाफ आंदोलन करेगी।

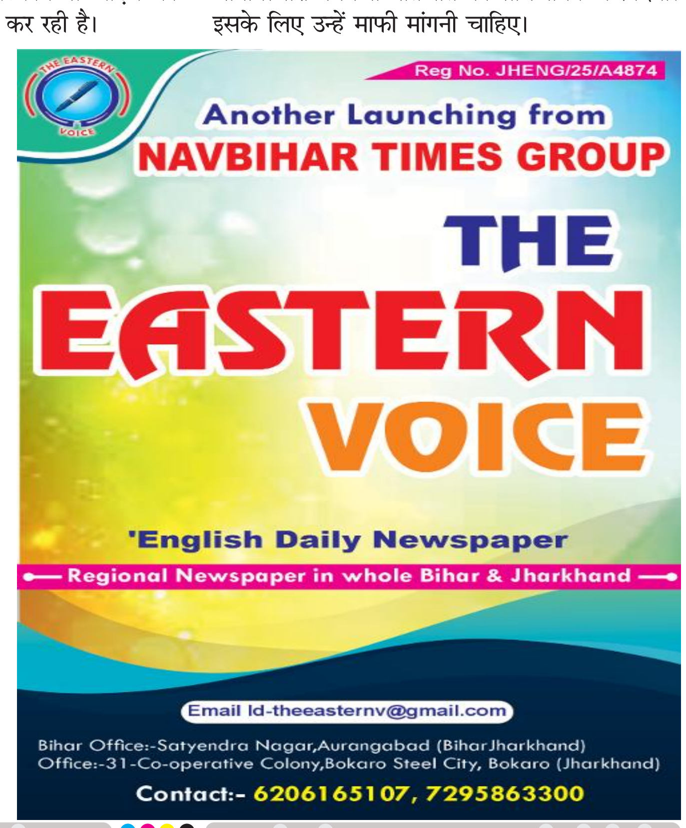

CMYK

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय लोजपा के प्रदेश अध्यक्ष राज कुमार राज का छह दिवसीय झारखंड दौरा

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददात)। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष राज कुमार राज छह दिवसीय दौरे पर संताल परगना के विभिन्न जिलों में कार्यकताओं और संगठन पदाधिकारियों से मुलाकात करेंगे। पार्टी की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार दौरे की शुरूआत 3 सितंबर से देवघर से होगी। 3 सितंबर को देवघर के होटल सिद्धार्थ में कार्यकर्ता बैठक आयोजित होगी। इसके बाद 4 सितंबर को साहेबगंज में जिला सम्मेलन, 5 सितंबर को पाकुड़, 6 सितंबर को गोड्डा और 7 सितंबर को जामताड़ा में कार्यकर्ता बैठक होगी। दौरे के अंतिम दिन 8 सितंबर को दुमका में पत्रकार सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। पार्टी नेतृत्व के इस दौरे को संगठन को मजबूत करने और कार्यकताओं से सीधा संवाद स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष विभिन्न जिलों में संगठन की गतिविधियों की समीक्षा करने के साथ कार्यकताओं को आगामी कार्यक्रमों को लेकर दिशा-निर्देश देंगे। उल्लेखनीय है कि राज कुमार राज को राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी का झारखंड प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था।

7 सितंबर को रांची में कांग्रेस का महा-धरना, गिरिडीह से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता होंगे शामिल

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददात)। झारखंड के प्राकृतिक संसाधनों पर राज्य के अधिकार, वित्तीय स्वायत्तता, संघीय ढांचे की मजबूती तथा श्रीराम जन्मभूमि मंदिर से जुड़े चंदे में पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग को लेकर कांग्रेस 7 सितंबर को रांची स्थित लोकभवन के समक्ष प्रदेशस्तरीय महा-धरना देगी। गिरिडीह जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सह प्रदेश सचिव धनंजय सिंह ने कहा कि महा-धरना में गिरिडीह जिले से बड़ी संख्या में कांग्रेसजन शामिल होंगे। धनंजय सिंह ने कहा कि संशोधन विधेयक, 2026 के प्रावधानों से झारखंड के खनिज संसाधनों और उससे मिलने वाले राजस्व पर राज्य के अधिकार प्रभावित होने की आशंका है। उन्होंने कहा कि खनिज संपदा के साथ-साथ खनन से होने वाले सामाजिक और पर्यावरणीय प्रभावों का भार भी झारखंड को उठाना पड़ता है, इसलिए प्राकृतिक संसाधनों से प्राप्त राजस्व पर राज्य का उचित अधिकार होना चाहिए। उन्होंने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर से जुड़े चंदे में पारदर्शिता की भी मांग की। कहा कि करोड़ों श्रद्धालुओं ने आस्था के साथ मंदिर निर्माण में योगदान दिया है, इसलिए चंदे के प्रत्येक आर्थिक लेन-देन का पारदर्शी और सार्वजनिक लेखा-जोखा होना चाहिए। अनियमितता मिलने पर जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

सूचना आयोग पर गरजी सिविल सोसाइटी पूछा- जनता के पैसे का हिसाब कहां है?

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददात)। झारखंड राज्य सूचना आयोग के कामकाज और लंबित मामलों को लेकर सिविल सोसाइटी गिरिडीह ने सरकार व आयोग पर सवालों की बौछार कर दी है। संस्था के अध्यक्ष निर्मल झुनझुनवाला ने कहा कि जनता के पैसे से चलने वाली संस्था का हिसाब भी जनता के सामने होना चाहिए। सिविल सोसाइटी ने चार नवनियुक्त सूचना आयुक्तों के कामकाज का आंकड़ा सार्वजनिक करने की मांग की है। संस्था ने पूछा है कि 1 जुलाई 2026 को शपथ ग्रहण के बाद अब तक कितने मामलों की सुनवाई हुई, कितने मामलों का निष्पादन हुआ और वर्तमान में कितने द्वितीय अपील व शिकायत वाद लंबित हैं। ह्लसालों से फाइलें अटकी हैं तो आर टी आई का क्या मतलब?ह्वसंस्था ने 6 माह, एक वर्ष, दो वर्ष और उससे अधिक समय से लंबित मामलों का अलग लिए अलग आंकड़ा सार्वजनिक करने की मांग की है। साथ ही मामलों के निपटारे में देरी के कारण और लंबित मामलों को जल्द खत्म करने की समयबद्ध कार्ययोजना बताने को कहा है।वेतन सुविधाओं पर भी मांगा हिसाब सिविल सोसाइटी ने सूचना आयुक्तों के वेतन, भत्ते, वाहन, आवास, चिकित्सा और अन्य सुविधाओं पर 1 जुलाई से अब तक हुए सार्वजनिक खर्च का ब्यौरा भी मांगा है। अध्यक्ष निर्मल झुनझुनवाला ने कहा कि ह्लयह किसी व्यक्ति के खिलाफ आरोप नहीं, बल्कि व्यवस्था की जवाबदेही का सवाल है। जनता को सिर्फ नियुक्ति नहीं, परिणाम चाहिए। सिविल सोसाइटी ने आयोग से अपनी वेबसाइट पर लंबित मामलों, सुनवाई, निष्पादन और सार्वजनिक खर्च का नियमित रिपोर्ट कार्ड जारी करने की मांग की है।

मानदेय समेत कई मांगों को लेकर आजीविका कैडरों ने सौंपा ज्ञापन

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददात)। झारखंड राज्य आजीविका ऑल कैडर संघ से जुड़े कैडरों ने बुधवार को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर नगर विकास मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। कैडरों ने उचित मानदेय के साथ 10 लाख रुपये का जीवन दुर्घटना एवं स्वास्थ्य बीमा, मेडिकल सुविधा, मातृत्व अवकाश तथा लोकोस कार्य के लिए स्मार्टफोन व टैबलेट उपलब्ध कराने की मांग की।

कैडरों ने कहा कि वे लंबे समय से ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को आजीविका से जोड़ने और सरकारी योजनाओं को धरातल तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें पर्याप्त मानदेय और जरूरी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं।संघ ने सरकार से मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की। साथ ही चेतावनी दी कि मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो सभी कैडर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने को मजबूर होंगे। सरकार मानदेय बढ़ाने के साथ स्वास्थ्य बीमा, मेडिकल सुविधा और मातृत्व अवकाश जैसी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराए। मांगें पूरी नहीं हुई तो अनिश्चितकालीन हड़ताल का रास्ता अपनाएंगे।

दनुआ घाटी में हादसों पर लगेगा ब्रेक, 4.5 किमी लंबे दो फ्लाईओवर की तैयारी तेज

चौपारण/हजारीबाग (नवबिहार टाइम्स संवाददात)। चौपारण की दनुआ घाटी में लगातार हो रहे सड़क हादसों को रोकने की दिशा में अब बड़ी पहल सामने आई है। घाटी के खतरनाक मोड़ों और दुर्घटना संभावित क्षेत्रों को देखते हुए करीब 4.5 किलोमीटर की दूरी में दो फ्लाईओवर बनाने की योजना पर काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। इससे दनुआ घाटी में आवागमन को सुरक्षित बनाने और हादसों पर प्रभावी अंकुश लगाने की उम्मीद जगी है। बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने बताया कि उन्होंने कुछ माह पूर्व दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर दनुआ घाटी की भौगोलिक परिस्थितियों और यहां लगातार हो रही दुर्घटनाओं की जानकारी दी थी। उन्होंने घाटी की समस्या के स्थायी समाधान के लिए फ्लाईओवर निर्माण की मांग केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखी थी। विधायक के अनुसार, केंद्रीय मंत्री के निर्देश के बाद एनएचएआई ने दनुआ घाटी में तकनीकी जांच और टेस्टिंग की प्रक्रिया शुरू की। अब टेस्टिंग से संबंधित प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और रिपोर्ट को भी मंजूरी मिल गई है। प्रस्तावित योजना के तहत पहला फ्लाईओवर करीब दो किलोमीटर और दूसरा करीब 2.5 किलोमीटर लंबा होगा। विधायक ने बताया कि योजना की डीपीआर तैयार कर आगे भेज दी गई है। फिलहाल वन विभाग और वन्यजीव विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। आवश्यक प्रशासनिक और पर्यावरणीय स्वीकृतियां मिलने के बाद निर्माण कार्य शुरू करने की दिशा में आगे की कार्रवाई की जाएगी। दनुआ घाटी में फ्लाईओवर बनने से तीखे मोड़ों और ढलान वाले हिस्सों में भारी वाहनों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं में कमी आने की उम्मीद है। लंबे समय से दुर्घटनाओं के कारण बदनाम रही यह घाटी आने वाले दिनों में सुरक्षित यातायात क्षेत्र के रूप में विकसित हो सकती है। विधायक मनोज कुमार यादव ने इस योजना को आगे बढ़ाने में हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल के योगदान की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों के सामूहिक प्रयास से दनुआ घाटी को दुर्घटनामुक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। चाहें तो मैं इसे और ज्यादा धारदार/ग्राउंड रिपोर्ट वाली शैली में भी बना सकता हूं, जिसमें दनुआ घाटी के लगातार हादसों और स्थानीय लोगों की परेशानी को प्रमुखता दी जाए।

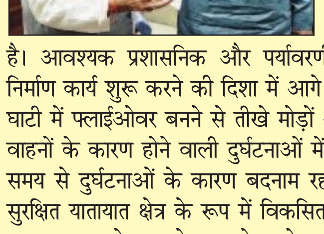

122 मतदान केंद्रों पर एक भी नया मतदाता आवेदन नहीं, डीसी ने जताई गंभीर चिंता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह-उपायुक्त रामनिवास यादव ने 31-गांडेय और 32-गिरिडीह विधानसभा क्षेत्र के बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर के साथ समीक्षा बैठक की। समीक्षा में सामने आया कि 5 अगस्त से 31 अगस्त तक दोनों विधानसभा क्षेत्रों से कुल 5,076 प्रपत्र-6 प्राप्त हुए हैं। गांडेय विधानसभा क्षेत्र से 2,225 और गिरिडीह से 2,851 आवेदन मिले। वहीं, 122 मतदान केंद्रों पर अब तक एक भी प्रपत्र-6 प्राप्त नहीं हुआ है। इनमें गांडेय के 100 और गिरिडीह के 22 मतदान केंद्र शामिल हैं। डीसी ने इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित बीएलओ को इन केंद्रों पर विशेष अभियान चलाकर पात्र मतदाताओं की पहचान करने का निर्देश दिया। डीसी ने खास तौर पर 1 अक्टूबर 2026 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने पर जोर दिया। इसके अलावा छूटे पात्र नागरिकों, नवविवाहित महिलाओं और नए निवासियों से भी आवेदन लेने का निर्देश दिया गया। उन्होंने नाम, जन्मतिथि, पता और फोटो में सुधार तथा पता बदलने वाले मतदाताओं से प्रपत्र-8 लेकर बीएलओ ऐप्प के माध्यम से समयबद्ध ऑनलाइन प्रविष्टि सुनिश्चित करने को कहा। अधिकारियों को मतदाता सूची को अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने के लिए दावों एवं आपत्तियों का निर्धारित प्रावधानों के तहत निष्पादन करने का निर्देश दिया गया।

ट्रक चोरी का झूठा केस दर्ज कराने की साजिश का खुलासा, दो गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो। पदमा ओपी क्षेत्र में ट्रक चोरी का झूठा मामला दर्ज कराने की साजिश का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने इस मामले में ट्रक मालिक समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों ने ट्रक को गायब कर चोरी की झूठी कहानी गढ़ी और बीमा की रकम आपस में बांटने की योजना बनाई थी। पुलिस अधीक्षक कार्यालय, हजारीबाग की ओर से बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, एक सितंबर 2026 को हरिहर प्रसाद मेहता (49), पिता स्व. पियास महतो, ग्राम जीहु, थाना पदमा ओपी ने पुलिस को आवेदन देकर बताया था कि दाउजी नगर स्थित अपने घर के सामने से उनका 12 चक्का ट्रक खल02व-1555 चोरी हो गया है।

आवेदन मिलने के बाद पदमा ओपी प्रभारी सह पुलिस अवर निरीक्षक श्रवण कुमार के नेतृत्व में एसआईटी का गठन कर घटनास्थल और आसपास के इलाकों में जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस को ट्रक चोरी की कहानी संदिग्ध लगी। पुलिस के अनुसार, जांच में सामने आया कि ट्रक को चोरी नहीं किया गया था, बल्कि उसे मो. माज उर्फ आर्यन खान (30), पिता अनवर हुसैन, ग्राम कमलवार, थाना चौपारण को कथित रूप से 2.90 लाख रुपये में दिया गया था। पुलिस का आरोप है कि लेन-देन के साक्ष्य को छिपाने और पुलिस को गुमराह करने के उद्देश्य से रकम हरिहर प्रसाद के दामाद के पिता के खाते में स्थानांतरित कराई गई। इसके बाद हरिहर प्रसाद और मो. माज ने मिलकर ट्रक को गायब कर चोरी का झूठा मामला दर्ज कराने तथा बीमा की रकम आपस में बांटने की साजिश रची। जांच के दौरान पुलिस ने ट्रक को दुमका जिले के जामा थाना क्षेत्र से बरामद कर लिया। इसके अलावा एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया। मामले में बरही (पदमा) थाना कांड संख्या 309/2026, दिनांक 02 सितंबर 2026, संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने दोनों को न्यायिक हिरासत में भेजने की कार्रवाई की है। गिरफ्तार आरोपी हरिहर प्रसाद मेहता (49), ग्राम जीहु, थाना पदमा ओपी, हजारीबाग। मो. माज उर्फ आर्यन खान (30), ग्राम कमलवार, थाना चौपारण, हजारीबाग। बरामदगी : 12 चक्का ट्रक, एक मोबाइल फोन।

एसपी ने किया चौपारण थाना का निरीक्षण, दिए निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण हजारीबाग। हजारीबाग के पुलिस अधीक्षक ने बुधवार, 2 सितंबर को चौपारण थाना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बरही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राधा प्रेम किशोर, बरही अंचल के पुलिस निरीक्षक अनिल कुमार, चौपारण थाना प्रभारी पंकज कुमार सहित थाना के अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। निरीक्षण के क्रम में पुलिस अधीक्षक ने थाना में अपराध नियंत्रण एवं विधि-व्यवस्था से संबंधित संचिकाओं का जायजा लिया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने लंबित कांडों, वारंट एवं कुर्की के मामलों की समीक्षा करते हुए इनके शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया। साथ ही थाना क्षेत्र में फरार चल रहे अभियुक्तों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने को कहा। एसपी ने अवैध मादक पदार्थ से जुड़े लंबित मामलों में अभियुक्तों की गिरफ्तारी में तेजी लाने तथा नशे के खिलाफ आम लोगों के बीच व्यापक जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने अफीम की खेती पर पूर्णतः रोक लगाने के लिए भी थाना प्रभारी एवं संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। एनएच पर लगातार पेट्रोलिंग करने का निर्देश देते हुए एसपी ने कहा कि लूट, चोरी, डकैती सहित अन्य आपराधिक घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुलिस की सक्रियता जरूरी है। साथ ही सड़क जाम की समस्या को लेकर भी आम लोगों को परेशानी न हो, इसका ध्यान रखने का निर्देश दिया। इसके अलावा अवैध बालू, कोयला, पशु एवं अन्य प्रकार की तस्करी पर रोक लगाने के लिए कड़ी कार्रवाई करने, थाना क्षेत्र में शांतिपूर्ण विधि-व्यवस्था बनाए रखने तथा आमजनों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया गया। एसपी ने अनुसंधान के लिए लंबित सभी कांडों की समीक्षा कर उनका शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

धनवार में मतदाता पुनरीक्षण की धीमी रफ्तार पर सख्ती, 30 आवेदनों का लक्ष्य

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के तहत 28-धनवार विधानसभा क्षेत्र में दावा-आपत्ति अवधि में प्राप्त प्रपत्र-6 और प्रपत्र-8 की प्रगति की समीक्षा की गई। खोरीमहुआ अनुमंडल सभागार में उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी की अध्यक्षता में हुई बैठक में सभी 48 बीएलओ पर्यवेक्षकों को जरूरी निर्देश दिए गए। समीक्षा में बताया गया कि 5 अगस्त से 31 अगस्त तक धनवार विधानसभा क्षेत्र में 3,496 प्रपत्र-6 प्राप्त हुए हैं। डीडीसी ने निर्देश दिया कि 1 अक्टूबर 2026 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं के साथ छूटे पात्र नागरिकों, नवविवाहित महिलाओं और नए निवासियों की पहचान कर उनका नाम मतदाता सूची में जोड़ा जाए। 5 सितंबर तक हर मतदान केंद्र से कम से कम 30 प्रपत्र-6 प्राप्त कर बीएलओ ऐप्प पर ऑनलाइन दर्ज करने का लक्ष्य दिया गया है। कम या शून्य आवेदन वाले केंद्रों पर घर-घर संपर्क कर पात्र मतदाताओं की पहचान करने का निर्देश दिया गया। लापरवाही पर कार्रवाई निर्वाचन कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर गावां के पंचायत सचिव कार्तिक विश्वकर्मा का वेतन स्थगित कर स्पष्टीकरण मांगा गया।

गणित-विज्ञान मेले में दिखी बच्चों की प्रतिभा, चयनित मॉडल होंगे प्रदर्शित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बरगंडा में बुधवार को विद्यालय स्तरीय गणित-विज्ञान मेले का आयोजन किया गया। मेले में विद्यार्थियों ने जल संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण और दैनिक जीवन में गणित के उपयोग जैसे विषयों पर आकर्षक व नवाचारी मॉडल प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष अर्जुन मिष्टकार, प्रभारी प्रधानाचार्य अजित मिश्र व कार्यक्रम प्रमुख राजीव सिन्हा समेत अन्य आचार्यों ने पूजा अर्चना, दीप प्रज्वलन एवं आर्यभट्ट और होमी जहांगीर भाभा के चित्र पर पुष्पार्चन के साथ किया। निर्णायक मंडली में कालूराम इंटर कॉलेज के प्राचार्य एनके शाही, बीएनएस डीएवी स्कूल के शिक्षक रंजीत सिंह व मंटू सिंह तथा दिल्ली पब्लिक स्कूल के शिक्षक शिवम तिवारी व मोनिकेश बनर्जी शामिल रहे। विद्यालय अध्यक्ष ने सभी निर्णायकों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित कियाक प्रधानाचार्य अजित मिश्र ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, गणितीय क्षमता और मौलिक चिंतन विकसित करते हैं। वहीं अर्जुन मिष्टकार ने कहा कि विज्ञान और गणित के प्रयोग ही भविष्य के भारत को नई दिशा देंगे। उन्होंने प्रांतीय स्तर के लिए चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। गणित एवं विज्ञान प्रदर्शनी में विभिन्न वर्गों के प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों का चयन प्रांतीय गणित-विज्ञान मेले के लिए किया गया है। सभी सफल प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय के सभी आचार्य दीदी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अंत में वंदे मातरम के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

'मेरा युवा भारत' के तहत युवा समूह गठित, लिया संकल्प

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। देवरी प्रखंड की खरीयोडीह पंचायत में मेरा युवा भारत के तहत युवा समूह का गठन किया गया। कार्यक्रम में युवाओं को संगठित कर सामाजिक एवं राष्ट्र निर्माण के कार्यों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। युवाओं ने स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य और जनजागरूकता के क्षेत्र में कार्य करने का संकल्प लिया। मौके पर नई दिशा संस्था के शंकर लाल राणा ने कहा कि देश के विकास में युवाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। युवाओं की ऊर्जा और प्रतिभा का सही दिशा में उपयोग कर समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। युवा समूह के गठन से पंचायत क्षेत्र के युवाओं को एकजुट होकर सामाजिक कार्यों में भागीदारी का मंच मिलेगा। कार्यक्रम में आनंद कुमार, समीर अंसारी, अफताब अंसारी, अंकुश कुमार, इरफान अंसारी समेत अन्य युवा मौजूद थे।

15 से अधिक राज्यों के कलाकारों से सजेगा 'रंग राजन महोत्सव'

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। कला और संस्कृति के रंगों से गिरिडीह तीन दिनों तक सराबोर रहेगा। अखिल भारतीय नाट्य व नृत्य प्रतियोगिता ह्यद रंग राजन मेमोरियल महोत्सवह्ण का भव्य आयोजन 4 से 6 सितंबर तक सवेरा सिनेमा हॉल में होगा। महोत्सव में झारखंड-बिहार के अलावा पश्चिम बंगाल, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, असम, मणिपुर, आंध्र प्रदेश, पंजाब और महाराष्ट्र समेत 15 से अधिक राज्यों के कलाकार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। संस्था की अध्यक्ष श्रुति सिन्हा ने बताया कि कार्यक्रम प्रत्येक दिन सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक चलेगा। खास बात यह है कि दर्शकों के लिए प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रखा गया है। उन्होंने बताया कि महोत्सव को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। आयोजन को सफल बनाने में मुख्य संरक्षक अरविंद कुमार, संरक्षक संजय सिंह, राहुल बर्मन, रामजी यादव, मुकेश आनंद, कार्यकारी अध्यक्ष रवि रंजन, सचिव पुरुषोत्तम कुमार, संयुक्त सचिव शाहिद रजा समेत द रंग संस्था की पूरी टीम जुटी हुई है। महोत्सव में देश के विभिन्न राज्यों की नाट्य एवं नृत्य प्रस्तुतियां गिरिडीहवासियों के लिए खास आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

कोढ़ा गिरोह का पदार्फाश, आठ अपराधी गिरफ्तार, सोने के आभूषण व चोरी की बाइक बरामद

बैंक-डाकघर के आसपास रेकी कर छिनतई की वारदात को देते थे अंजाम, बिहार-झारखंड में 100 से अधिक घटनाओं में संलिप्तता का दावा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो। जिले में लगातार छिनतई की घटनाओं को अंजाम देने वाले कुख्यात कोढ़ा गिरोह के खिलाफ हजारीबाग पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। लोहसिघंना थाना क्षेत्र में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गिरोह के आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से करीब 27 ग्राम सोने के आभूषण, चोरी की मोटरसाइकिलें, फर्जी नंबर प्लेट, की-पैड मोबाइल समेत अन्य सामान बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, 1 सितंबर को पुलिस अधीक्षक हजारीबाग को सूचना मिली थी कि पूर्व में जिले में छिनतई की घटनाओं को अंजाम देने वाला कोढ़ा गिरोह फिर से शहरी क्षेत्र में सक्रिय हुआ है। सूचना के सत्यापन और कार्रवाई के लिए सदर एसडीपीओ रूपक कुमार के नेतृत्व में एंटी क्राइम चेकिंग एवं छापेमारी टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी एवं परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर शहर के विभिन्न संभावित स्थानों पर निगरानी शुरू की। इसी दौरान लोहसिघंना थाना प्रभारी ने हजारीबाग झील के आसपास एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस को देखकर दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार युवक भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन पुलिसकर्मियों ने घेराबंदी कर चारों को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम मिट्ठु यादव, रितिक कुमार यादव, सन्नी कुमार और अमन यादव, सभी नया टोला जुराबगंज, थाना कोढ़ा, जिला कटिहार, बिहार बताया। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में आरोपियों ने दोनों मोटरसाइकिलों को चोरी का बताते हुए उन पर फर्जी नंबर प्लेट लगाने की बात स्वीकार की। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि गिरोह का मुख्य काम मोटरसाइकिल का नंबर बदलकर लोगों से सोने-चांदी के आभूषण और चेन छीनना तथा बैंक और पोस्ट ऑफिस से निकलने वाले लोगों की रेकी कर उनके रुपये छीनना या चोरी करना है। आरोपियों ने बिहार और झारखंड के विभिन्न जिलों में 100 से अधिक घटनाओं को अंजाम देने की बात पुलिस को बताई है। पूछताछ के आधार पर पुलिस ने गिरोह के स्थानीय नेटवर्क तक भी पहुंच बनाई। पुलिस के अनुसार अरशद खान, अजहर खान और अफसर खान, तीनों ग्राम मरहेड़ी, थाना चौपारण के रहने वाले हैं और गिरोह के लिए चोरी की मोटरसाइकिलों को रखने तथा उनके रख-रखाव में मदद करते थे। पुलिस ने तीनों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया और उनके घर से दो मोटरसाइकिलें बरामद कीं। वहीं, गिरोह के एक अन्य सदस्य सावन कुमार को गिरफ्तार कर पूर्व के एक मामले में छीने गए आभूषण भी बरामद किए गए। पुलिस की पूछताछ में गिरोह के कथित मुख्य संचालकों के रूप में पुसु यादव, आनंद यादव और विकास यादव उर्फ रंगीला यादव के नाम सामने आए हैं। इनके अलावा सावन कुमार, सुजल कुमार यादव और राजकुमार यादव समेत अन्य सदस्यों के भी गिरोह से जुड़े होने की जानकारी पुलिस को मिली है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में अमन यादव पहले दो बार मोटरसाइकिल चोरी और छिनतई के मामलों में जेल जा चुका है, जबकि सन्नी कुमार मोटरसाइकिल चोरी के मामले में जेल जा चुका है। मिट्ठु यादव भी पश्चिम बंगाल में अवैध शराब के मामले में जेल जा चुका है। पुलिस की इस कार्रवाई को हजारीबाग जिले में सक्रिय छिनतई गिरोह के खिलाफ बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों और इनके द्वारा पूर्व में की गई घटनाओं की भी जांच कर रही है।

संथाल परगना में डिटेंशन सेंटर स्थापना की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। झारखंड के नेता प्रतिपक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने गृह मंत्रालय से संथाल परगना में डिटेंशन सेंटर बनाने की मांग की है। नेता प्रतिपक्ष ने डिटेंशन सेंटर के लिए गृहमंत्री अमित शाह को पत्राचार भी किया है, ताकि पश्चिम बंगाल से सटे संथाल परगना के जिलों में अवैध घुसपैठ बांग्लादेशियों की पहचान कर उसे हिरासत में रखकर उनके निर्वासन की प्रक्रिया पूरी की जा सके।

मतदाताओं की संख्या में काफी वृद्धि हुई

नेता प्रतिपक्ष ने गृहमंत्री को भेजे अपने पत्र में उल्लेख किया है कि संथाल परगना के पाकुड़, लिट्टीपाड़ा, जरमुंडी, मधुपुर, बरहेट, राजमहल, जामताड़ा, सारठ, नाला, पौड़ेयाहाट, महगामा, दुमका, महेशपुर, गोड्डा विधानसभा क्षेत्र में एक विशेष वर्ग के मतदाताओं की संख्या में काफी वृद्धि हुई है जबकि अन्य मतदाताओं की वृद्धि में कमी आई है।

अवैध जन्मपत्र बनाकर घुसपैठियों को स्थापित किया जा रहा

भेजे गये पत्र के मुताबिक 2001 और 2011 की जनगणना में खासकर पाकुड़ और साहिबगंज जिले में मुस्लिम की आबादी में तीव्र गति से वृद्धि हुई है जबकि आदिवासी एवं मूलवासी समाज की आबादी का अनुपात लगातार घट रहा है। पत्र के मुताबिक संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम का खुला उलंघन करते हुए मुस्लिम समुदाय विशेष द्वारा सरकार, गोचर भूमि और गरीब आदिवासियों की पैतृक पर सुनियोजित तरीके से कब्जा किये जा रहे हैं जबकि फर्जी वंशावली, जाली आधार कार्ड, अवैध जन्मपत्र बनाकर इन बाहरी घुसपैठियों को स्थापित किया जा रहा है।

निष्कासन अभियान से बचा लिया जाएगा

भेजे गये पत्र के मुताबिक राज्य के सत्ता रूढ़ और स्थानीय प्रशासन के एक वर्ग द्वारा अपने वोट बैंक को सुरक्षित करने के लिए इन घुसपैठियों को खुला राजनीतिक संरक्षण दिया जा रहा है। पत्र के मुताबिक इन घुसपैठियों को यह आश्वस्त किया जा रहा है कि केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही किसी भी जांच या निष्कासन अभियान से उन्हें बचा लिया जायेगा और जाली दस्तावेज बनाने में उनकी पूरी मदद की जाएगी।

आदिवासी भाषा शोधार्थियों को राहत, अधर में अंग्रेजी के 60 शोधार्थियों का भविष्य

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। रांची विश्वविद्यालय में पीएचडी के नए नियमों को लेकर विद्यार्थियों का आक्रोश बुधवार को सामने आया। आदिवासी एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग और अंग्रेजी विभाग के शोधार्थियों ने विश्वविद्यालय परिसर का घेराव किया और अपनी समस्याओं को लेकर कुलपति से मुलाकात की। विद्यार्थियों ने कहा कि नियमों में बदलाव के कारण उन शोधार्थियों का भविष्य प्रभावित हो रहा है, जिन्होंने पुराने नियम के तहत प्रक्रिया पूरी की है। आदिवासी एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग में शिक्षकों की कमी के कारण पीएचडी करने वाले शोधार्थियों को गाइड नहीं मिल पाने की समस्या सामने आई थी। अब ऐसे शोधार्थियों को राहत देने की दिशा में विश्वविद्यालय प्रशासन ने व्यवस्था बनाने की बात कही है। इसके तहत मानविकी संकाय के शिक्षकों को शोध-निर्देशक (गाइड) बनाकर पीएचडी कराने की व्यवस्था की जा सकती है। हालांकि इसके लिए संबंधित शिक्षक के पास शोधार्थियों की निर्धारित संख्या के अनुसार सीट खाली होना और संबंधित विषय में शोध-निर्देशक का पद विज्ञापित होना जरूरी होगा। शोधार्थियों के लिए पीएचडी रजिस्ट्रेशन की समय-सीमा भी अहम है। तय समय में रजिस्ट्रेशन नहीं होने पर शोधार्थियों का अवसर प्रभावित हो सकता है। शोध निदेशक डॉ. परवेज हसन के अनुसार, टीआरएल के शोधार्थियों को मानविकी संकाय के शिक्षकों के अधीन शोध कराने की व्यवस्था को अकादमिक काउंसिल से मंजूरी मिल चुकी है। एनईपी-2020 में भी मल्टीडिसिप्लिनरी अध्ययन का प्रावधान है। दूसरी ओर रांची विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में करीब 60 शोधार्थियों का मामला उलझ गया है। इन शोधार्थियों ने पीएचडी की पढ़ाई पूरी कर दिसंबर 2025 में कोर्स वर्क और परीक्षा भी पूरा कर ली थी। अब विश्वविद्यालय द्वारा नए पीएचडी रेगुलेशन का हवाला दिए जाने से शोधार्थियों के सामने आगे की प्रक्रिया को लेकर असमंजस की स्थिति है। शोधार्थियों का कहना है कि वर्ष 2024 में पीएचडी में नामांकन के लिए नोटिफिकेशन जारी हुआ था।

एक नजर

आयुष्मान योजना का लाभ हर पात्र तक पहुंचाने की पहल, युवाओं को बमेंद्र ने किया जागरूक

औरंगाबाद। आयुष्मान भारत योजना भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य सुरक्षा योजना है, जिसके माध्यम से पात्र परिवारों को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए प्रति परिवार प्रति वर्ष पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर उपलब्ध कराया जाता है। योजना के तहत सूचीबद्ध अस्पतालों में विभिन्न गंभीर बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन निःशुल्क कराया जा सकता है।आयुष्मान भारत योजना की शुरुआत 23 सितंबर 2018 को प्रधानमंत्री द्वारा झारखंड की राजधानी रांची से की गई थी। वहीं, 70 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के बुजुर्गों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से 29 अक्टूबर 2024 से आयुष्मान वय वंदना योजना की शुरुआत की गई। इस योजना के तहत पात्र बुजुर्गों को व्यक्तिगत रूप से पांच लाख रुपये तक के स्वास्थ्य बीमा कवर का लाभ मिलता है। वय वंदना कार्ड बनवाने के लिए राशन कार्ड होना आवश्यक नहीं है और इसका लाभ 70 वर्ष या उससे अधिक उम्र के सभी पात्र बुजुर्गों को दिया जाता है। वर्ष 2021 से औरंगाबाद की स्वयंसेवी संस्था पथ प्रदर्शक लगातार गांव-गांव पहुंचकर लोगों को स्वास्थ्य बीमा की इस महत्वपूर्ण योजना के प्रति जागरूक कर रही है। संस्था द्वारा न केवल लोगों को योजना की जानकारी दी जा रही है, बल्कि आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए शिविर आयोजित करने के साथ-साथ जरूरतमंद मरीजों को इलाज में भी सहयोग किया जा रहा है। बुधवार को पथ प्रदर्शक के संस्थापक सह सचिव बमेंद्र कुमार सिंह ने रफीगंज प्रखंड के गोरडीहा पंचायत अंतर्गत मई गांव पहुंचकर युवाओं एवं बुजुर्गों को आयुष्मान भारत योजना और आयुष्मान वय वंदना योजना के लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बमेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि आयुष्मान भारत जिला क्रियान्वयन इकाई, औरंगाबाद के सहयोग से आज 70 वर्ष या उससे अधिक उम्र के बुजुर्गों का आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनाने के लिए शिविर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने क्षेत्र के सभी पात्र बुजुर्गों से शिविर में पहुंचकर योजना का लाभ उठाने की अपील की।

आयुष्मान भारत जागरूकता अभियान में टीम पथ प्रदर्शक के धनंजय कुमार, साबिया परवीन सहित कई ग्रामीण युवा एवं बुजुर्ग उपस्थित थे।

दुष्कर्म मामले में पीड़िता के गांव पहुंची भाकपा माले की जांच टीम

अंबा (औरंगाबाद)। नाबालिग छात्रा के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म की जघन्य वारदात के बाद भाकपा (माले) की जिलास्तरीय जांच टीम ने बुधवार को पीड़ित परिवार से मुलाकात की। पार्टी के जिला सचिव मुनेंद्र राम के नेतृत्व में जांच दल दोपहर करीब एक बजे दुधमी गांव पहुंचा। टीम ने परिजनों और ग्रामीणों की मौजूदगी में पीड़िता से घटना की विस्तृत जानकारी ली तथा न्याय का भरोसा दिलाया। भाकपा (माले) नेताओं ने दो टूक कहा कि इस मामले को लेकर टीम जल्द ही पुलिस अधीक्षक (एसपी) और सिविल सर्जन से मुलाकात करेगी। यदि पीड़िता को अविलंब न्याय और आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई, तो पार्टी व्यापक जन-आंदोलन शुरू करने को बाध्य होगी। जांच दल में अखिल भारतीय किसान महासभा के जिलाध्यक्ष सत्येंद्र सिंह, जिला कमेटी सदस्य अशोक यादव, संजय तेजा, सांसद प्रतिनिधि वीरेंद्र मेहता, माले नेता मंटू कुशवाहा, मधुप मेहता एवं गुड्डू यादव प्रमुख रूप से शामिल थे।

लोक अदालत का आयोजन 12 सितम्बर को

औरंगाबाद। 12 सितंबर को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन एवं अधिकाधिक मामलों के निष्पादन को लेकर जिला न्यायालय में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम विश्व विभूति गुप्ता की अध्यक्षता में जिले के सभी थाना अध्यक्षों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, सचिव तान्या पटेल एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी लाल बिहारी पासवान सहित जिले के विभिन्न थानों के थाना अध्यक्ष उपस्थित रहे। बैठक के दौरान लोक अदालत में अधिकाधिक मामलों के निष्पादन के लिए की जा रही तैयारियों की समीक्षा की गई। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश–प्रथम विश्व विभूति गुप्ता ने सभी थानाध्यक्षों को लोक अदालत में प्रत्येक थाना से न्यूनतम 20 वादों के निष्पादन का लक्ष्य निर्धारित करते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने थानाध्यक्षों को सुलह योग्य मामलों की पहचान करने, संबंधित पक्षकारों से समन्वय स्थापित करने तथा मामलों के शीघ्र निष्पादन हेतु प्रभावी कार्रवाई करने को कहा। सचिव तान्या पटेल ने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से अधिकाधिक सुलहनीय मामलों का निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा व्यापक स्तर पर जागरूकता एवं समन्वय कार्य किया जा रहा है। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करने की अपील की। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी लाल बिहारी पासवान ने भी राष्ट्रीय लोक अदालत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए थाना अध्यक्षों से सुलह योग्य मामलों के निष्पादन में आवश्यक सहयोग एवं सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

कारू साहू सदन में शोक सभा आयोजित, दो मिनट का मौन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। समाज के सक्रिय सदस्य अशोक कुमार गुप्ता के आकस्मिक निधन से सामाजिक एवं शुभचिंतक वर्ग में शोक की लहर है। उनके निधन पर मंगलवार को कारू साहू सदन, नवादा के प्रांगण में शोक सभा का आयोजन किया गया। शोक सभा में उपस्थित लोगों ने दिवंगत अशोक कुमार गुप्ता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उनकी आत्मा की शांति तथा परिवार के सदस्यों को इस दुख की घड़ी में धैर्य प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उनकी आत्मा की शांति तथा परिवार के सदस्यों को इस दुख की घड़ी में धैर्य प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी।

झारखंड में खरीफ फसल की 80% बुआई पूरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड में इस साल के लिए खरीफ फसल की बुआई लगभग पूरी होने वाली है। कृषि निदेशालय के अनुसार, 31 अगस्त तक पूरे राज्य में बुआई का दायरा संतोषजनक रहा है। 2,249,537 हेक्टेयर जमीन पर खरीफ फसलें बोई जा चुकी थीं, जो इस साल के लिए तय 2,853,955 हेक्टेयर के लक्ष्य का 78.82% है। कृषि विभाग से मिली जानकारी से पता चलता है कि कई इलाकों में जहां अच्छी बारिश देर से हुई, किसान अभी भी धान की रोपाई में लगे हुए हैं। इसलिए, 31 अगस्त को दर्ज बुआई का आंकड़ा (78.82%) और बढ़ने की उम्मीद है। अल-नीनो के बुरे असर की चिंताओं से उबरते हुए, झारखंड ने अपने खरीफ फसल बुआई लक्ष्य का लगभग 80% हासिल कर लिया है, जो राज्य के किसानों के पक्के इरादे को दर्शाते हैं। बंगाल की खाड़ी में समय-समय पर बनने वाले गहरे डिप्रेशन के असर से राज्य में लगभग हर जगह अच्छी बारिश हुई, जिससे सूखे जैसे हालात का खतरा टल गया।

पलामू में सोन नदी खतरे के निशान से ऊपर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पलामू। पलामू में सोन नदी खतरे के निशान को पार कर गई है। बुधवार की सुबह 6:00 बजे पलामू के हुसैनाबाद में सोन नदी खतरे के निशान 208 सेंटीमीटर अधिक थी। दरअसल, सोन नदी पर उत्तर प्रदेश के रिहंद के इलाके में बने डैम का गेट खोला गया है। जिसके कारण जलस्तर बढ़ने की आशंका व्यक्त की जा रही है। सोन नदी की सबसे बड़ी सहायक नदी उत्तरी कोयल भी पूरी तरह से उफान पर है। इस कारण सोन नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। सोन नदी पलामू के हैदरनगर और हुसैनाबाद प्रखंड से होते हुए बिहार के इलाके में दाखिल हो जाती है। सोन नदी के डीला (नदी की दो धाराओं के बीच का स्थान)में बड़ी संख्या में आबादी रहती है, जिन्हें प्रशासन ने बाहर निकाल लिया है। जबकि डीला में लोगों को जाने से रोका गया है। वहीं पलामू के मोहम्मदगंज में बने डैम का 40 गेट को भी खोल दिया गया था। करीब 1.60 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। इस संबंध में हुसैनाबाद के थाना प्रभारी चंदन कुमार ने बताया कि सोन नदी के जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी की वजह से हाई अलर्ट जारी किया गया है। इलाके में निगरानी रखी जा रही है। माइकिंग के जरिए लोगों को सतर्क किया जा रहा है। लोगों से सोन नदी के किनारे नहीं जाने की अपील की गई है।

रांची में लगातार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, निचले इलाकों में घुसा पानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। बंगाल की खाड़ी में सक्रिय डिप्रेशन और कम दबाव क्षेत्र के प्रभाव से झारखंड में लगातार बारिश हो रही है। पिछले कई घंटों से रांची में हो रही बारिश के कारण शहर के कई निचले इलाकों में जलजमाव की स्थिति बन गई है। सड़कों पर पानी भरने से लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग ने रांची समेत राज्य के कई जिलों में भारी बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है।

बारिश के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। लगातार बारिश के कारण शहर के पंचशील नगर, पंडरा डैम, हरमू आनंद नगर और निवारणपुर समेत हरमू नदी के आसपास के कई निचले इलाकों में पानी भर गया। कई जगहों पर सड़कें भी जलमग्न हो गई, जिससे पैदल चलने वालों के साथ दोपहिया और चारपहिया वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई। पंचशील नगर निवासी कृष्ण कुमार ने बताया कि देर रात तक हुई तेज बारिश के कारण उनके घर में पानी घुस गया था। अचानक पानी बढ़ने से परिवार को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने के बाद रांची नगर निगम की क्विक रिस्पांस टीम मौके पर पहुंची और पानी निकालने की कार्रवाई की, जिसके बाद स्थिति में कुछ सुधार हुआ।

जलजमाव के खिलाफ उग्र नागरिकों ने जीटी रोड किया जाम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। शहर के शाहपुर मोहल्ले के विभिन्न इलाकों में बारिश के बाद गंभीर जलजमाव की स्थिति उत्पन्न होने से मंगलवार को लोगों ने वार्ड सं- 26, 27 और 28 के सैकड़ों लोगों ने कामा बिगहा के समीप जीटी रोड को जाम कर दिया और नगर परिषद के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। करीब एक घंटे तक जीटी रोड पर वाहनों की आवाजाही बाधित रही और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। शाहपुर मोहल्ले के कामा बिगहा, यमुना नगर, शाहपुर टिकरी बिगहा और हसौली समेत कई इलाकों में बारिश का पानी जमा होने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। कई घरों के आसपास पानी जमा है, जबकि कुछ घरों में भी पानी प्रवेश करने की बात सामने आयी है। निचले इलाकों, गलियों और सड़कों पर जलजमाव के कारण लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जीटी रोड जाम कर प्रदर्शन कर रहे लोगों ने नगर परिषद की कार्यप्रणाली और जल निकासी व्यवस्था पर सवाल उठाए। आक्रोशित मोहल्लेवासियों का कहना था कि समुचित जल निकासी की व्यवस्था नहीं होने के कारण हर बारिश के बाद उन्हें जलजमाव की समस्या से जूझना पड़ता है। लोगों के अनुसार दक्षिणी इलाके से आने वाला बारिश का पानी पहले धर्मशाला रोड होते हुए गणेश मंदिर पुल के नाले से अदरी नदी की ओर बिराटपुर दिशा में निकल जाता था। आरोप है कि अब पानी का रुख शाहपुर और कामा बिगहा की ओर हो जाने से इन इलाकों में जलजमाव की समस्या गंभीर हो गई है।

बारिश में खुली करोड़ों की राशि से बन रही सड़क की गुणवत्ता की पोल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गढ़वा। जिला मुख्यालय में लगभग ढाई सौ करोड़ की लागत से बन रही सड़क की गुणवत्ता की कलई दो दिनों की बारिश में खुल गई है। लगातार बारिश के कारण पूरे शहर में जलजमाव हो गया है। पिछले दो दिनों की बारिश के कारण शहर के कई जगहों पर भारी नुकसान पहुंचा है। वहीं जलजमाव के बाद गढ़वा विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी ने शहर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सड़क निर्माण में अनियमितता और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है।

सड़क निर्माण में अनियमितता का आरोप

विधायक ने कहा कि उन्होंने ढाई माह पहले ही बताया था कि सड़क निर्माण में अनियमितता बरती जा रही है। जिला अनुश्रवन समिति की बैठक में भी इस बात को उठाया था। इस पर कमेटी बनने की बात हुई थी, लेकिन कमेटी नहीं बनी। नतीजा आज सब के सामने है। दो दिनों की बारिश में सड़क की गुणवत्ता की पोल खुल गई है। बरसात में इस सड़क की वजह से लोगों के घरों में पानी घुस रहा है।

इधर, गढ़वा नगर परिषद के कई इलाकों में जलजमाव ने नगर परिषद की व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी। क्षेत्र में जगह-जगह पानी भर गया है। पानी की निकासी नहीं होने के कारण लोगों को परेशानी हो रही है। हालांकि नगर परिषद के द्वारा जेसीबी के माध्यम से जाम नालियों को खोला जा रहा है, ताकि पानी की निकासी हो सके। इस संबंध में नगर परिषद अध्यक्ष दौलत सोनी ने कहा कि बारिश के दिनों में जगह-जगह जल जमाव हो जाता है। हमलोग समस्या के समाधान में जुटे हुए हैं। वहीं सड़क निर्माण कंपनी के खिलाफ उन्होंने कहा कि यदि काम बढ़िया होता तो आज शहर का ये हाल नहीं होता।

दक्षिण पूर्व रेलवे-निविदा

ई-निविदा सूचना सं. 4672-जीआरसी-सीई-सी-II-41-2026, दिनांक 31.08.2026; भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से मुख्य अभियंता (निर्माण)/II/गार्डनरीच, कोलकाता-700043, दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। नीचे उल्लिखित निविदाएं वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर अपलोड कर दी गई है। निविदा नियत तारीख को 12.00 बजे बंद कर दी जाएगी। **कार्य का संक्षिप्त विवरण:** इंजीनियरिंग, प्राक्योरमेंट एवं कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) प्रारूप में दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल में चाण्डिल-मधुकुण्डा अनुभाग की तृतीय लाइन कार्य के संबंध में तृतीय लाइन कार्य का निर्माण साथ में मिट्टी का कार्य, ब्लैंकेटिंग, छोटे पुलों, महत्वपूर्ण पुलों, लेवल क्रॉसिंग कार्य तथा 25.0टी के लिए अन्य विविध कार्य तथा भारतीय रेल मानक लोडिंग के डीएफसी फीडर रूट, इनडोर एवं आउटडोर एस एंड टी कार्यों का निष्पादन, सामान्य वैद्युतिक कार्यों का निष्पादन, ट्रैक्शन एवं विद्युत आपूर्ति के लिए 2x25 केवी ओवरहेड उपकरण (ओएचई) की स्थापना एवं चालू करना। **अनुमानित लागत:** रु. 614.00 करोड़; **बोली सुरक्षा:** रु. 12,27,99,400; **समापन अवधि:** 36 महीने। **बंद होने की तारीख:** 23.10.2026 को 12.00 बजे (भामास); **बोली पूर्व बैठक:** तारीख: 16.09.2026। समय: 12.00 बजे। स्थान: मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) का कार्यालय, 11, गार्डनरीच रोड, कोलकाता-700043। निविदाओं के सम्पूर्ण विवरण/ब्यौरा/विनिर्देश के लिए इच्छुक निविदादातागण वबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं तथा अपनी बोलियां ऑनलाइन जमा करें। इन मदों के लिए कोई भी मैनुअल निविदाएं स्वीकार नहीं की जाएगी। **वि.द्र:** प्रत्याशित बोलीदातागण अन्य सभी निविदाओं में भाग लेने हेतु नियमित रूप से **www.ireps.gov.in** दख सकते हैं। (PR-706)

एनपीयू की वित्तीय अनियमितताओं का मामला लोकभवन तक पंहुचा, एनएसयूआई के ज्ञापन पर वीसी को शो-कॉज का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय में कथित वित्तीय एवं प्रशासनिक अनियमितताओं का मामला अब लोकभवन तक पहुंच गया है। एनएसयूआई के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार से मुलाकात कर विश्वविद्यालय में विशेष अंकेक्षण के दौरान सामने आई अनियमितताओं और विद्यार्थियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को रखा। प्रतिनिधिमंडल के अनुसार, कुलाधिपति (राज्यपाल) ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित दोषियों पर कार्रवाई और उनके प्रशासनिक अधिकार सीमित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कुलपति प्रो। (डॉ.) दिनेश कुमार सिंह को तत्काल शो-कॉज करने का निर्देश दिया गया। प्रतिनिधिमंडल के मुताबिक, की स्थापना और संचालन की प्रक्रिया की भी जांच होगी। इसके लिए आवश्यक स्वीकृति, नियुक्ति प्रक्रिया और संचालन से जुड़े अभिलेखों की जांच की जाएगी। प्रतिनिधिमंडल का दावा है कि कुलाधिपति की ओर से अनियमितता पाए जाने की स्थिति में आईपीएस को रद्द करने की बात भी कही गई है।

जिम्मेदारी तय कर रकम वसूली जाए

एनएसयूआई ने चांसलर को सौंपे गए 11-सूत्रीय ज्ञापन में मांग की है कि स्पेशल ऑडिट रिपोर्ट में बताई गई वित्तीय और प्रक्रिया संबंधी अनियमितताओं की हर बिंदु पर जांच हो, जिम्मेदारी तय की जाए और वसूली योग्य रकम की वसूली की जाए। गवर्नर सचिवालय के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी के 4 दिसंबर, 2025 के पत्र संख्या 3227 का हवाला देते हुए ज्ञापन में कहा गया है कि फाइनेंस डिपार्टमेंट के ऑडिट डायरेक्टरेट ने वाइस-चांसलर के कार्यकाल का स्पेशल ऑडिट किया था। ज्ञापन में गंभीर मामलों में प्राथमिकी दर्ज करने, मूल अभिलेख एवं वित्तीय दस्तावेज सुरक्षित रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर सीबीआई, सीआईडी या किसी स्वतंत्र उच्चस्तरीय एजेंसी से जांच कराने की मांग भी की गई है। इसके अलावा प्रवेश, परीक्षा और परिणाम व्यवस्था में सुधार, शैक्षणिक कैलेंडर का पालन, शिक्षकों एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों की कमी दूर करने और गलत तरीके से किए गए भुगतानों की वसूली की मांग उठाई गई।

कुलपति पर 10 प्रतिशत कमीशन लेने का आरोप

प्रतिनिधिमंडल ने सभी महाविद्यालयों में एनसीसी और एनएसएस की गतिविधियां संचालित करने की मांग भी रखी। वहीं आईपीएस को लेकर निदेशक की नियुक्ति, पात्रता और चयन प्रक्रिया की जांच की मांग की गई। ज्ञापन में मार्च माह में उपलब्ध कराए गए करीब 5.92 करोड़ रुपये के महाविद्यालय अनुदान तथा कुलपति पर लगाए गए कथित 10 प्रतिशत कमीशन मांगने के आरोप की स्वतंत्र जांच की मांग भी शामिल है।

एनएसयूआई ने कहा कि उनका अभियान विश्वविद्यालय में वित्तीय पारदर्शिता, जवाबदेही और विद्यार्थियों के हित सुनिश्चित होने तक जारी रहेगा। प्रतिनिधिमंडल में आपसू नेता राहुल कुमार दुबे, कमलेश कुमार पांडेय, राज नेहा चौबे, प्रिया प्रजापति, कांग्रेस जिला महासचिव अभिषेक तिवारी और एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष अमरनाथ तिवारी मौजूद थे।

4 सितंबर को मनाई जाएगी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रफीगंज (औरंगाबाद)। रफीगंज शहर में समाज सेवा समिति, मगध बिहार की ओर से 4 सितंबर 2026 को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर बुधवार को समिति के सदस्यों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें समारोह की तैयारियों एवं आयोजन को लेकर चर्चा की गई। समिति के अध्यक्ष डॉ. तुलसी यादव ने बताया कि 4 सितंबर को दोपहर 12 बजे से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी समारोह शुरू होगा। समारोह में मगध क्षेत्र के किसान, मजदूर एवं श्रीकृष्ण भक्त शामिल होंगे। वहीं समिति के उपाध्यक्ष टुनटुन खान ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने पूरी दुनिया को सत्य, धर्म और नेकी का संदेश दिया है। उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से कार्यक्रम में सभी लोग बढ़-चढ़कर भाग लेंगे। बैठक में सिद्धि यादव, रंजीत कुमार दास, अवधेश पासवान, रोशन कुमार, पप्पू यादव बाबा, शिक्षक रंजीत कुमार, डॉ. विकास कुमार, डॉ. जितेंद्र कुमार, विनोद यादव, सुधीर कुमार चंद्रवंशी, उमेश प्रसाद गुप्ता, अमित कुशवाहा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा अनुबंध प्रदान करने हेतु आईआरईपीएस पोर्टल के जरिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। इसका विवरण इस प्रकार है: **नीलामी की कैटेगरी: पार्किंग। क्रम सं., ई-नीलामी कैटलॉग सं., नीलामी शुरू होने की तिथि और स्टेशनों/स्थानों के नाम** निम्नानुसार हैं: **(1) एएसएन-पार्किंग-डीएम,** 12.09.2026 को 12.15 बजे, (i) मधुपुर रेलवे स्टेशन में नए टिकट बुकिंग ऑफिस के पास दक्षिण भाग के सर्कुलेटिंग एरिया में टू व्हीलर्स के लिए पार्किंग लॉट। (ii) दुर्गापुर रेलवे स्टेशन के दक्षिण भाग वाले स्थान में टू व्हीलर्स, थ्री व्हीलर्स एवं फोर व्हीलर्स के लिए पार्किंग लॉट। **(2) एएसएन-पार्क-आरकेयू,** 14.09.2026 को 12.15 बजे, (i) रानीगंज रेलवे स्टेशन के दक्षिणी भाग के सर्कुलेटिंग एरिया वाले स्थान में टू व्हीलर्स के लिए पार्किंग लॉट। (ii) अण्डाल रेलवे स्टेशन के दक्षिण भाग वाले स्थान में टू व्हीलर्स के लिए पार्किंग लॉट। (iii) कुमारधुबी रेलवे स्टेशन वाले स्थान में टू व्हीलर्स, थ्री व्हीलर्स एवं फोर व्हीलर्स के लिए पार्किंग लॉट। **(3) एएसएन-पार्क-ईवीडीयूएमके,** 16.09.2026 को 12.15 बजे, दुमका रेलवे स्टेशन के दक्षिणी भाग के सर्कुलेटिंग एरिया में ई-वेहिकल्स चार्जिंग स्टेशन। **(4) एएसएन-पार्क-डीजीआरपीएएन,** 16.09.2026 को 14.15 बजे, (i) दुर्गापुर रेलवे स्टेशन के उत्तरी भाग में टू व्हीलर्स के लिए पार्किंग लॉट। (ii) पानागढ़ रेलवे स्टेशन के उत्तरी भाग में टू व्हीलर्स, थ्री व्हीलर्स के लिए पार्किंग लॉट। सभी प्रत्याशित बोलीदाताओं को उल्लिखित सूची के अनुसार उक्त ई-नीलामी के संपूर्ण विवरण को जानने एवं भाग लेने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखने की सलाह दी जाती है। ASN-185/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

बारिश से रेलवे ट्रैक पर गिरा पहाड़ का मलबा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। गया-कोडरमा रेलखंड के गुरपा-गुझंडी घाटी में तेज बारिश के बीच देर रात पहाड़ का एक हिस्सा टूटकर रेलवे ट्रैक पर आ गिरा। इसी दौरान वहां से गुजर रही एक मालगाड़ी के चालक की नजर समय रहते ट्रैक पर पड़े मलबे पर पड़ गई। चालक ने तत्काल इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन रोक दी, जिससे संभावित बड़ा रेल हादसा टल गया। घटना के बाद रेलवे की टीम ने मौके पर पहुंचकर करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद ट्रैक से पत्थर और मलबा हटाया। इस दौरान मालगाड़ी करीब 45 मिनट तक खड़ी रही और सुरक्षा के मद्देनजर कई यात्री ट्रेनों का परिचालन भी प्रभावित हुआ।

गुरपा-गुझंडी घाटी में देर रात लगातार तेज बारिश हो रही थी। इसी दौरान पहाड़ का एक हिस्सा टूटकर नीचे आया और रेलवे ट्रैक पर भारी मात्रा में मलबा गिर गया। उसी समय एक मालगाड़ी इस रेलखंड से गुजर रही थी। चालक की नजर अचानक ट्रैक पर पड़े पत्थर और मलबे पर पड़ी, जिसके बाद उसने बिना देर किए ट्रेन रोक दी। चालक की सतर्कता से मालगाड़ी मलबे से टकराने से बच गई। यदि समय रहते ट्रेन नहीं रोकी जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के बाद रेलवे अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई और ट्रैक को तत्काल साफ कराने की कार्रवाई शुरू की गई।

☐ चालक की सतर्कता से टला बड़ा हादसा
☐ ट्रैक की सफाई के बाद हुआ परिचालन

मलबा गिरने की सूचना मिलते ही रेलवे के ट्रैकमैन और इंजीनियरिंग विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। कर्मचारियों ने ट्रैक पर गिरे पत्थरों और मलबे को हटाने का काम शुरू किया। इस दौरान मालगाड़ी करीब 45 मिनट तक मौके पर ही खड़ी रही। रेलवे कर्मचारियों ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद ट्रैक को पूरी तरह साफ किया। इसके बाद रेलवे अधिकारियों ने ट्रैक की स्थिति और आसपास के क्षेत्र की सुरक्षा की जांच की।

रेलवे ट्रैक बाधित होने के कारण इस मार्ग से गुजरने वाली कई यात्री ट्रेनों के परिचालन पर भी असर पड़ा। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने अलग-अलग स्टेशनों पर ट्रेनों को रोक दिया, जिससे यात्रियों को कुछ समय तक इंतजार करना पड़ा।

प्रभावित ट्रेनों में हटिया-इस्लामपुर एक्सप्रेस, धनबाद-पटना इंटरसिटी एक्सप्रेस, रांची-आरा एक्सप्रेस और पुरी-आनंद विहार नंदनकानन एक्सप्रेस शामिल रहीं। ट्रैक साफ होने और सुरक्षा जांच पूरी होने तक इन ट्रेनों को नियंत्रित तरीके से चलाया गया।

खेत देखने गये युवक की हत्या

दरभंगा। बहेड़ा थाना क्षेत्र के लवानी गांव में बुधवार की सुबह बदमाशों ने एक युवक की हत्या कर शव को घर से कुछ दूरी पर झाड़ियों में फेंक दिया। मृतक की पहचान शत्रुघ्न यादव के बेटे मंगनू यादव के रूप में की गई है। घटना के बाद हत्या से आक्रोशित ग्रामीणों ने बेनीपुर-बहेड़ी स्टेट हाईवे को जाम कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही बहेड़ा सहित कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। मौके पर एफएसएल की टीम और डॉग स्क्वॉड की टीम भी मामले की जांच करने में जुटी है।

पुलिस की मानें तो मृतक के शरीर पर अब तक कोई गंभीर जख्म के निशान नहीं मिले हैं। पुलिस मामले की जांच के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच कर रही है। पुलिस लोगों को समझा-बुझाकर सड़क जाम खुलवाने में लगी है। वहीं, शव को पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच भेजा जा रहा है।

मृतक के पिता शत्रुघ्न यादव ने बताया कि बुधवार की सुबह उनका बेटा खेत देखने के लिए गया था।

दर्जनों मामलों में फरार अपराधी चढ़ा एसटीएफ के हत्थे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। हत्या के प्रयास और अवैध हथियार से जुड़े मामलों में पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहे बेगूसराय के वांछित अपराधी आदित्य राज उर्फ राजा कुमार को बिहार एसटीएफ की विशेष टीम ने गिरफ्तार कर लिया। बेगूसराय जिला पुलिस से मिली सूचना के आधार पर एसटीएफ ने कार्रवाई करते हुए आरोपित को उसके ठिकाने से दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस उसके पूरे आपराधिक नेटवर्क और पुराने मामलों की जानकारी जुटाने में लगी है।

पुलिस के अनुसार, आदित्य राज बेगूसराय नगर थाना कांड संख्या 323/26 में वांछित था। इस मामले में उसके खिलाफ हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट से संबंधित आरोप हैं। लंबे समय से पुलिस उसकी तलाश में थी। इसी बीच उसके

बेगूसराय में मौजूद होने की सूचना एसटीएफ को मिली, जिसके बाद विशेष टीम ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से कार्रवाई की।

पुलिस के मुताबिक, आदित्य राज के खिलाफ बेगूसराय और पटना जिले के विभिन्न थानों में हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट समेत कुल तीन मामले दर्ज हैं। उसके आपराधिक रिकॉर्ड का दायरा बेगूसराय से लेकर पटना तक बताया जा रहा है। यही वजह है कि उसकी गिरफ्तारी को पुलिस के लिए अहम सफलता माना जा रहा है।

हालांकि, एसटीएफ की ओर से जारी जानकारी में पटना जिले के संबंधित थानों और वहां दर्ज मामलों का विस्तृत ब्योरा तत्काल उपलब्ध नहीं कराया गया है। पुलिस अब उसके पुराने आपराधिक रिकॉर्ड को खंगाल रही है।

बताया जाता है कि बेगूसराय पुलिस को आदित्य राज की गतिविधियों की जानकारी मिली थी। सूचना को गंभीरता से लेते हुए इसकी जानकारी बिहार एसटीएफ को दी गई। इसके बाद एसटीएफ की विशेष टीम सक्रिय हुई और स्थानीय पुलिस के सहयोग से संभावित ठिकाने पर छापेमारी की गई। अचानक हुई कार्रवाई में आदित्य राज को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस उससे पूछताछ कर उसके संपर्क में रहने वाले लोगों और आपराधिक गतिविधियों से जुड़े अन्य पहलुओं की जानकारी जुटा रही है।

जेपी सेनानियों ने मंडल कारा की व्यवस्था को सराहा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

छपरा। जिला स्तर पर बने प्रशासनिक त्रिस्तरीय समिति के वरीय अधिकारी मंडल कारा छपरा अधीक्षक के साथ जेपी सेनानियों ने मंडल कारा का भ्रमण किया। इस दौरान जेपी सेनानियों ने 48 साल पहले का जिक्र करते हुए आज की व्यवस्थाओं को काफी सुविधाजनक बताया। जेपी सेनानियों ने कहा कि आज मंडलकारा में काफी परिवर्तन हो गया है। कैदियों को पढ़ने के लिए स्कूल, लाइब्रेरी, योगा केन्द्र, रोटी बनाने के लिए मशीन, दाल - चावल, सब्जी बनाने के लिए मशीन इत्यादि की सुविधाएं उपलब्ध है। मंडल कारा अधीक्षक ने कहा कि कैदियों के सुविधायों का खास ख्याल रखा जाता है। हमारे पास जो भी आवेदन आते है, उसकी जांच कर समाहर्ता सारण के यहां अग्रसारित कर देता हूँ। ताकि आवश्यकता अनुसार जरूरतमंद को उचित लाभ मिल सके। इस अवसर पर मंडल कारा अधीक्षक के अलावा रमेश तिवारी एवं भरत सिंह मौजूद रहे।

मानसून में खुद को और अपने परिवार को रखें बीमारियों के खर्चों से सुरक्षित

रांची। बारिश का मौसम गर्मी और तपिश से राहत तो देता है, लेकिन इस मौसम में बैक्टीरिया और वायरस भी तेजी से फैलने लगते हैं। यही वजह है कि अगर उचित सावधानी न बरतें, तो इस मौसम में बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। मानसून के दौरान हेल्थ एक्सपर्ट आपको हमेशा चेतावनी देते हैं कि दूषित भोजन और प्रदूषित पानी से बचें और कहीं भी पानी जमा न होने दें, क्योंकि इस मौसम में गैस्ट्रोएंटेराइटिस से लेकर डेंगू बुखार जैसी अनगिनत मौसमी बीमारियां होने का खतरा बढ़ जाता है।

जल-जनित बीमारियां: एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में लगभग 34 लाख से अधिक लोग जल-जनित यानी कि पानी से होने वाली बीमारियों से प्रभावित होते हैं। इस मौसम में छोटे बच्चों के बीमार होने का खतरा सबसे ज्यादा होता है क्योंकि बीमारियों से लड़ने के लिए उनकी प्रतिरक्षा प्रणाली पूरी तरह से विकसित नहीं हुई होती है। यही वजह है कि छोटे बच्चे जल्दी से संक्रमण की चपेट में आ सकते हैं। पानी जमा होने की वजह से बैक्टीरिया और वायरस तेजी से पनपने लगते हैं, जिससे कि लोगों को हैजा, टाइफाइड और हेपेटाइटिस ए जैसी बीमारियां हो जाती हैं। इन जल-जनित बीमारियों के कारण आपको कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं, जिनके इलाज के लिए आपको अच्छी-खासी रकम भी खर्च करनी पड़ सकती है।

हेल्थ इंश्योरेंस की अहमियत: मानसून से होने वाली बीमारियां आपके इलाज के खर्च को काफी बढ़ा सकती हैं, क्योंकि इनमें अस्पताल में भर्ती होने से लेकर, मेडिकल जांच, दवाइयां और आगे के इलाज के खर्च शामिल होते हैं। यहां तक कि सिर्फ एक बार अस्पताल में भर्ती होने पर आप किस जगह हैं और बीमारी कितनी गंभीर है, इस आधार पर भी आपको 25,000 से लेकर 1,00,000 तक चुकाने पड़ सकते हैं। इससे पहले कि ये मेडिकल खर्च आप पर आर्थिक बोझ डालें, बेहतर है कि आप हेल्थ इंश्योरेंस की मदद लें। हेल्थ इंश्योरेंस न केवल आपके इलाज के खर्चों को संभालेगा, बल्कि पैसों की चिंता किए बिना आप अच्छी तरह से अपना इलाज करवा पाएंगे और अपनी सेहत पर ध्यान देंगे।

मेडिकल जांच और इलाज के खर्च का कवर: डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड और वायरल इंफेक्शन जैसी बीमारियों में अक्सर कई तरह के मेडिकल जांच, लगातार देखरेख के साथ-साथ कभी-कभार अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत पड़ती है। जैसे-जैसे समय बीत रहा है, वैसे-वैसे इलाज महंगा होते जा रहा है। हेल्थ इंश्योरेंस उपयुक्त मेडिकल खर्च को कवर करने में मदद करता है, जिससे कि आप पर आर्थिक बोझ नहीं पड़ता है और आप तसल्ली से इलाज करवा पाते हैं।

पर्याप्त हेल्थ कवरेज होने पर पॉलिसीधारक न केवल बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं, बल्कि बेहतरीन स्वास्थ्य विशेषज्ञों से इलाज प्राप्त कर सकते हैं, वह भी आर्थिक परेशानियों की चिंता किए बिना।

मानसून के दौरान डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, टाइफाइड और पानी से होने वाले अन्य संक्रमणों से बचने के लिए सावधानी बरतनी जरूरी है, लेकिन अगर आपके पास एक उपयुक्त हेल्थ इंश्योरेंस हो, तो आपको अतिरिक्त सुरक्षा कवच मिल जाता है, जिससे कि आप खर्चों की चिंता किए बिना अच्छी तरह से इलाज करवा पाते हैं। उपयुक्त हेल्थ इंश्योरेंस प्लान यह सुनिश्चित करता है कि जब आपको इसकी सबसे ज्यादा जरूरत हो, तब यह आपको बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करे, ताकि आप और आपका परिवार मेडिकल खर्चों की चिंता किए बिना अपनी सेहत सुधारने पर ध्यान दें।

अमरनाथ सक्सेना, चीफ टेक्निकल ऑफिसर (कमर्शियल),बजाज जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड

वजन को नियंत्रित करने के लिए बिहार-झारखंड में बढ़े इलाज के विकल्प

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। वजन बढ़ना आज सिर्फ महानगरों की चिंता नहीं रह गया है। छोटे शहरों और दूसरे राज्यों में भी लोग अब वजन और उससे जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर पहले से ज्यादा जागरूक हो रहे हैं। बिहार और झारखंड में भी लोग वजन को नियंत्रित करने और बेहतर स्वास्थ्य के लिए डॉक्टर की सलाह से इलाज और दूसरे उपाय अपना रहे हैं। इसी बदलाव के बीच, सिप्ला के टिरजेपाटाइड ब्रांड युरपीक ने बिहार और झारखंड में महीने-दर-महीने 20.8% की बढ़ोतरी दर्ज की है। यह दर्शाता है कि इन राज्यों में वजन प्रबंधन से जुड़े इलाज की मांग बढ़ रही है।

डायबिटीज और ओबेसिटी केयर सेंटर के एंडोक्राइनोलॉजिस्ट डॉ. सुभाष कुमार ने कहा, : लोग अब सिर्फ जल्दी वजन कम करने पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। वे लंबे समय तक स्वस्थ रहने के बारे में भी सोच रहे हैं।

मरीज पोषण, एक्सरसाइज, वजन और मेटाबॉलिक हेल्थ को लेकर ज्यादा सवाल पूछ रहे हैं। यह बढ़ती जागरूकता अच्छी बात है, क्योंकि लोग समय रहते अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना शुरू कर रहे हैं।

मोटापा प्रबंधन के क्षेत्र में सेमाग्लूटाइड के कई ब्रांड आने के बाद इस बाजार में भी बढ़ोतरी हुई है।

हालाँकि, कई डॉक्टरों और मरीजों के लिए टिरजेपाटाइड आधारित इलाज अभी भी एक पसंदीदा विकल्प बना हुआ है। इसकी वजह इसके इस्तेमाल को लेकर बढ़ता अनुभव और इससे जुड़े चिकित्सकीय फायदे हैं।

बिहार और झारखंड में युरपीक की बढ़ती माँग यह भी दर्शाती है कि महानगरों से बाहर भी लोग वजन प्रबंधन के लिए डॉक्टर की सलाह से इलाज को लेकर ज्यादा जागरूक हो रहे हैं।

नाबालिग से दुष्कर्म, एक गिरफ्तार

जबरन उठाकर ले गये थे पीड़िता को

नवबिहार टाइम्स संवाददाताा

हाजीपुर। जिले के बिदुपुर थाना क्षेत्र के एक ग्रामीण इलाके में मंगलवार दोपहर नाबालिग के साथ दुष्कर्म की सनसनीखेज घटना सामने आई। पीड़िता के पुलिस को दिए बयान के मुताबिक, वारदात में दो लोग शामिल थे। आरोप है कि एक आरोपी ने योजनाबद्ध तरीके से उसे रास्ते में जबरन पकड़ लिया और सुनसान जगह पर ले गया, जहां दूसरे आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद दोनों आरोपी पीड़िता को सड़क किनारे बदहवास हालत में छोड़कर फरार हो गए। किसी तरह घर पहुंची पीड़िता ने रोते हुए अपनी मां को पूरी घटना बताई, जिसके बाद मां-बेटी तुरंत बिदुपुर थाने पहुंचीं और लिखित शिकायत दर्ज कराई।

पीड़िता के अनुसार, वह अपने रास्ते जा रही थी, तभी आरोपियों में से एक ने उसे जबरन पकड़ लिया। आरोप है कि इसके बाद उसे किसी सुनसान स्थान पर ले जाया गया। वहां दूसरे आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद दोनों आरोपी पीड़िता को सड़क किनारे छोड़कर मौके से फरार हो गए। पीड़िता किसी तरह अपने घर पहुंची और सहमी हुई हालत में अपनी मां को पूरी आपबीती सुनाई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन तत्काल पुलिस के पास पहुंचे।

मां और बेटी की ओर से बिदुपुर थाने में लिखित शिकायत दिए जाने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी भोला शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। सदर एसडीपीओ-2 गोपाल मंडल ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि घटना की सूचना मिलते ही बिदुपुर थाना पुलिस सक्रिय हो गई थी।

मामले की जांच के लिए बिदुपुर थाना पुलिस के साथ फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम भी मौके पर पहुंची। संयुक्त टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और वहां से कई महत्वपूर्ण वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस का कहना है कि घटनास्थल से मिले साक्ष्य जांच में अहम भूमिका निभा सकते हैं और इन्हें कानूनी प्रक्रिया के तहत अदालत के सामने पेश किया जाएगा।

घटना में शामिल दूसरे आरोपी के फरार होने के बाद पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने के लिए अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी जा रही है।

कानूनी प्रक्रिया के तहत पीड़िता और गिरफ्तार मुख्य आरोपी दोनों को मेडिकल परीक्षण के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मेडिकल रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों को जांच का हिस्सा बनाया जाएगा। पुलिस का कहना है कि सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, दूसरे आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की छापेमारी लगातार जारी है।

नदी से मिल रहे शवों की दुर्गंध से लोग हलकान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

वाल्मीकिनगर। नेपाल के रसुवा में भोटेकोशी की विनाशकारी बाढ़ ने गंडक नदी के किनारे रहने वाले लोगों के सामने त्रासदी की ऐसी तस्वीर खड़ी कर दी है, जिसे देख और महसूस कर हर कोई विचलित है। सैलाब के साथ बहकर आए शव अब अस्पतालों में पहुंच रहे हैं और उनकी बढ़ती संख्या से शवों को रखने की व्यवस्था चरमरा गई है।

पृथ्वीचंद अस्पताल के आसपास शवों से उठती दुर्गंध ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। इसी बीच बाढ़ के पानी के साथ बिहार पहुंचे अज्ञात प्रकार की मछलियों ने भी नई चिंता पैदा कर दी है। प्रशासन ने लोगों से ऐसी मछलियों का सेवन नहीं करने की अपील की है।

परासी स्थित पृथ्वीचंद अस्पताल में शवों को रखने की क्षमता सीमित है। अस्पताल के शव गृह में महज सात शव रखने की व्यवस्था है, जबकि नेपाल में आई त्रासदी के बाद गंडक नदी से बरामद शवों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इससे अस्पताल प्रशासन के सामने शवों के सुरक्षित रखरखाव की चुनौती पैदा हो गई है।

पृथ्वीचंद अस्पताल विकास समिति के अध्यक्ष जगदीश प्रसाद चौधरी ने बताया कि कुछ शव लंबे समय से रखे होने के कारण सड़कर दुर्गंधित हो गए हैं। सभी शवों को पैक करके रखा गया है, इसके बावजूद दुर्गंध को पूरी तरह नियंत्रित करना मुश्किल हो रहा है। अस्पताल परिसर के साथ आसपास की बस्ती में भी दुर्गंध फैल रही है।

दुर्गंध के कारण अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचने वाले मरीजों और स्वास्थ्यकर्मियों को भी परेशानी हो रही है। अस्पताल से सटी बस्ती के लोग सबसे अधिक प्रभावित हैं। स्थानीय लोगों ने अस्पताल प्रशासन से शवों को रखने के लिए तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था करने की मांग की है। लोगों को आशंका है कि लंबे समय तक शवों के रहने से संक्रमण का खतरा भी बढ़ सकता है।

गिरफ्तारी की मांग को ले सड़क पर उतरे लोग

पुलिस पर लगाया लापरवाही का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले के चरपोखरी थाना क्षेत्र के गड़हनी में गोलीकांड के आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं होने से आक्रोशित ग्रामीणों ने बुधवार को आरा-सासाराम मुख्य मार्ग जाम कर प्रदर्शन किया।

नगर पंचायत गड़हनी के ध्यान टोला के ग्रामीणों ने बागर मोड़ के समीप सड़क पर टायर जलाकर पुलिस के खिलाफ नाराजगी जताई।

करीब एक घंटे तक सड़क जाम रहने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। इससे राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

बताया जाता है कि चरपोखरी थाना क्षेत्र के ध्यान टोला निवासी सोनू कुमार को गड़हनी ब्लाक मोड़ के समीप मंगलवार को नामजद आरोपितों ने गोली मारकर जख्मी कर दिया था।

घटना के बाद से ही ग्रामीणों में आक्रोश था। बुधवार को ग्रामीण आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सड़क पर उतर आए और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया।

जख्मी सोनू कुमार के भाई बिट्टू कुमार ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया। उनका कहना था कि समय रहते पुलिस ने कार्रवाई नहीं की, जिसके कारण नामजद आरोपितों ने उनके भाई को गोली मार दी। ग्रामीणों ने आरोपितों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। सड़क जाम की सूचना मिलने पर चरपोखरी थानाध्यक्ष रविशंकर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने आक्रोशित ग्रामीणों को नामजद आरोपितों की 48 घंटे के अंदर गिरफ्तारी का आश्वासन दिया।

पुलिस के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने जाम समाप्त कर दिया। इसके बाद आरा-सासाराम मुख्य मार्ग पर यातायात बहाल हो सका।

लापता छात्र का शव बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। अहियापुर थाना क्षेत्र में बूढ़ी गंडक नदी में लापता हुए 21 वर्षीय बीए छात्र अजय कुमार का शव बुधवार सुबह राजा पुनास इलाके से बरामद कर लिया गया। अजय अहियापुर थाना क्षेत्र के नजीरपुर निवासी बेनी पासवान का पुत्र था। बताया जा रहा है कि अजय पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहा था और घटना से पहले से ही मानसिक रूप से परेशान था। वह बिना किसी को बताए घर से निकल गया था और इसके बाद उसका कोई पता नहीं चला। बाद में चंदवारा बूढ़ी गंडक नदी घाट पुल के पास उसकी चप्पल मिलने के बाद परिजनों को उसके नदी में जाने की जानकारी हुई। परिजनों के अनुसार, अजय पिछले दो-तीन दिनों से बीमार चल रहा था। इसी दौरान वह अचानक बिना किसी को कुछ बताए घर से बाहर निकल गया। काफी देर तक जब वह वापस नहीं लौटा तो परिवार के लोगों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। इसी बीच स्थानीय ग्रामीणों ने परिजनों को सूचना दी कि चंदवारा घाट स्थित बूढ़ी गंडक नदी पुल के पास एक युवक नदी में चला गया है और उसकी चप्पल पुल पर पड़ी हुई है।

मामूली विवाद में चली गोलियां, एक की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। थरथरी थाना क्षेत्र के संतन बिगहा गांव में गोतिया के बीच चल रहा विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। करीब 11 बजे हुई फायरिंग में गोली लगने से 25 वर्षीय संजीव कुमार यादव की मौत हो गई। वहीं, उसका भाई कविन्द्र यादव गंभीर रूप से जख्मी हो गया। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। सूचना मिलने पर थरथरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

ग्रामीणों के अनुसार, दो दिन पूर्व धान के खेत में निकौनी करने के दौरान नंदु यादव और भोनु यादव के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद नंदु यादव के समर्थन में कुछ लोग भोनू यादव के घर पहुंचे थे।

इसी दौरान मामला और बढ़ गया। बताया जाता है कि मिथि?लेश यादव ने दो दिन पहले हुए विवाद को लेकर दोबारा झगड़ा करने से मना किया था। इसी बात को लेकर बाद में मिथलेश यादव और नंदु यादव के बीच विवाद हो गया।

बताया जाता है कि इसी विवाद के दौरान फायरिंग हुई। गोली लगने से संजीव कुमार यादव गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

वहीं, उनके भाई कविन्द्र यादव भी गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।ग्रामीणों ने बताया कि विवाद में शामिल दोनों पक्षों के लोग आपस में गोतिया हैं।

मामूली विवाद से शुरू हुआ मामला देखते ही देखते हिंसक हो गया और फायरिंग तक पहुंच गया। थानाध्यक्ष अरविन्द कुमार ने बताया कि पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है।

फायरिंग के कारणों, घटना में शामिल लोगों और गोली चलाने वाले व्यक्ति की पहचान के लिए ग्रामीणों से पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद घटना की स्थिति और स्पष्ट होगी।

प्रखंड कार्यालय के सामने बना पार्क बदहाल

झाड़-झंखाड़ के बीच बेकार पड़ीं बेंचें, ☐ साफ-सफाई व लाइट का अभाव, लोगों में रोष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

छपरा (सारण)। बिहार के सारण जिले के एकमा प्रखंड सह अंचल एवं नगर मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और प्रखंड सह अंचल कार्यालय के ठीक सामने नगर पंचायत एकमा बाजार क्षेत्र में वन विभाग की देखरेख में स्थित पार्क इन दिनों बदहाली का शिकार है। नियमित साफ-सफाई और रखरखाव के अभाव में पार्क परिसर में जगह-जगह बड़े-बड़े घास-फूस और झाड़-झंखाड़ उग आए हैं। इससे पार्क का अधिकांश हिस्सा जंगल में तब्दील हो गया है और यह आमलोगों के उपयोग से बाहर होता जा रहा है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह पार्क और सीमेंटेड बेंचें बच्चों, बुजुर्गों और अन्य लोगों के सुबह-शाम बैठने के लिए बनाई गई हैं। पार्क का निर्माण जिस उद्देश्य से कराया गया था, वह वर्तमान स्थिति में पूरा होता नजर नहीं आ रहा है। झाड़-झंखाड़ के कारण लोग यहां बैठने से भी कतराते हैं। वहीं, साफ-सफाई के

अभाव में मच्छरों, कीट-पतंगों और जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा भी बना रहता है।

प्रखंड मुख्यालय में प्रतिदिन दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों से बड़ी संख्या में लोग अपने सरकारी कार्यों को लेकर पहुंचते हैं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्रखंड कार्यालय और अंचल कार्यालय में अपने काम के लिए इंतजार करने वाले लोगों के लिए यह पार्क बेहतर सुविधा उपलब्ध करा सकता है। यदि पार्क की नियमित सफाई कराई जाए, झाड़-झंखाड़ हटाए जाएं और पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था की जाए तो लोगों को कुछ देर बैठने और आराम करने के लिए एक बेहतर स्थान मिल सकता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकारी कार्यालयों के ठीक सामने स्थित होने के कारण इस पार्क का महत्व और भी बढ़ जाता है। इसके बावजूद लंबे समय से इसकी समुचित देखरेख नहीं होने से पार्क अपनी उपयोगिता खोता जा रहा है। लोगों ने नगर पंचायत एवं संबंधित अधिकारियों से पार्क की तत्काल साफ-सफाई कराने, नियमित रखरखाव की व्यवस्था करने तथा पर्याप्त रोशनी की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है।

इस संबंध में नगर पंचायत एकमा बाजार की मुख्य पार्षद श्वेता रानी का कहना है कि यह पार्क वन विभाग के अधीन है। उन्होंने कहा कि प्रखंड मुख्यालय और नगर पंचायत क्षेत्र में स्थित इस पार्क की समुचित देखरेख के लिए विभागीय पत्राचार किया गया है कि इस पर को नगर पंचायत एकमा बाजार के लिए स्थानांतरित कर दिया जाए। यह स्थानांतरण की प्रक्रिया अभी विभागीय स्तर पर लिखा गया है। साथ ही जिला पदाधिकारी को भी इस आशय का पत्र भेजने के लिए तैयार कर लिया गया है।

बहरहाल, लोगों को उम्मीद है कि समाचार प्रकाशित होने के बाद नगर पंचायत और संबंधित अधिकारियों का ध्यान इस बदहाल पार्क की ओर जाएगा और इसे आमलोगों के उपयोग लायक बनाया जाएगा।

लेकिन अब सवाल यह है कि लोगों की सुविधा के लिए बनाया गया यह पार्क आखिय कब तक झाड़-झंखाड़ से मुक्त होकर फिर से गुलजार होगा?

तेज धार में तीन मजदूर बहे, एक लापता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जहानाबाद। सदर प्रखंड के लरसा पंचायत अंतर्गत गोपालपुर गांव के तीन मजदूर मंगलवार की रात महाल के समीप मोरहर नदी पार करने के दौरान तेज धारा में बह गए।

हादसे में दो मजदूर किसी तरह अपनी जान बचाने में सफल रहे, जबकि एक मजदूर नदी में डूबने के बाद से लापता है। लापता मजदूर की पहचान गोपालपुर गांव निवासी राजीव कुमार के रूप में हुई है।

वहीं सोहन कुमार और अरुण कुमार किसी तरह तैरकर सुरक्षित बाहर निकल आए। ग्रामीणों के अनुसार, तीनों मजदूर मजदूरी करने के लिए धाना डिहरी गए थे।

मंगलवार को मजदूरी करने के बाद लौटने में उन्हें रात हो गई। इसी दौरान मोरहर नदी में पानी का जलस्तर बढ़ गया था। बताया जाता है कि नदी में पानी बढ़ने के कारण स्लुइस गेट खोल दिया गया था।

इससे नदी में पानी का बहाव काफी तेज हो गया था। रात के अंधेरे में नदी पार करने के दौरान तीनों मजदूर तेज धारा की चपेट में आ गए और पानी में बह गए।

हादसे की जानकारी मिलने के बाद ग्रामीणों ने रात में ही नदी के आसपास राजीव कुमार की खोजबीन शुरू कर दी। हालांकि अंधेरा अधिक होने और नदी में तेज बहाव के कारण उन्हें सफलता नहीं मिली। बुधवार सुबह भी ग्रामीण घटनास्थल के आसपास लापता मजदूर की तलाश में जुटे रहे। इधर, घटना की सूचना पुलिस को दी गई। परस बीघा थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंचे हुई है ग्रामीण तैराक संजीव को खोजने में लगा हुआ है। थानाध्यक्ष सर्वनारायण ने बताया कि लापता मजदूर की तलाश के लिए एसडीआरएफ की टीम को सूचना दी गई है।

टीम के पहुंचने के बाद नदी में व्यापक स्तर पर खोजबीन की जाएगी। घटना के बाद गोपालपुर गांव में मातम का माहौल है।

बिहार में 5 साल में बिजली क्षेत्र में 1.38 लाख करोड़ का होगा निवेश

ऊर्जा मंत्री ने उद्योग जगत को दिया निवेश का न्योता, 2030 तक 24 हजार मेगावाट रिन्यूएबल एनर्जी और छह गीगावॉट घंटे स्टोरेज का लक्ष्य

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना/नई दिल्ली। बिहार अगले पांच वर्षों में बिजली क्षेत्र में 1,38,541 करोड़ रुपए का निवेश करने की तैयारी में है। इसमें बिजली उत्पादन पर 82,679 करोड़, ट्रांसमिशन पर 24,683 करोड़, वितरण पर 28,809 करोड़ और रखरखाव पर 2,370 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। बिहार ने यह निवेश प्रस्ताव भारत इलेक्ट्रिसिटी-2026 के बिहार फोकस स्टेट सेशन में उद्योग जगत के सामने रखा। इंवेस्टमेंट, इनोवेशन और ग्रोथ विषय पर आयोजित सत्र में ऊर्जा मंत्री शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल ने निवेशकों और उद्योगपतियों से बिहार में निवेश करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य समृद्ध बिहार के बिना पूरा नहीं हो सकता। बिहार ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और सरकार निवेशकों को हरसंभव सहयोग देगी। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि बिहार में सौर ऊर्जा, रूफटॉप सोलर, बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम, थर्मल पावर, पंप्ड स्टोरेज और न्यूक्लियर ऊर्जा के क्षेत्र में बड़ी संभावनाएं हैं। राज्य में केवल बिजली उत्पादन ही नहीं, बल्कि सोलर उपकरण निर्माण और ऊर्जा अवसंरचना के क्षेत्र में भी निवेश के अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने बिहार की सांस्कृतिक परंपरा और ऊर्जा बदलाव का उल्लेख करते हुए कहा कि छठ पर्व में सूर्य की उपासना की परंपरा बिहार की पहचान है। इसी भावना के साथ राज्य दिन में सौर ऊर्जा का अधिकतम उपयोग और शाम के समय बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने के लिए बैटरी स्टोरेज क्षमता बढ़ा रहा है। ऊर्जा सचिव-सह-अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अजय यादव (भा.प्र.से.) ने राज्य के बिजली क्षेत्र में हुए बदलावों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बिहार की बिजली वितरण कंपनियों का वित्तीय प्रदर्शन तेजी से सुधरा है। वित्तीय वर्ष 2022 में 2,218 करोड़ रुपए के घाटे की तुलना में वित्तीय वर्ष 2026 में 2,375 करोड़ रुपए का अस्थायी लाभ दर्ज किया गया है। वहीं, एटी एंड सी लॉस 29.27% से घटकर 11.54% रह गया है। एसीएस-एआरआर गैप भी 0.43 रुपए प्रति यूनिट के अधिशेष में पहुंच गया है। बिहार में बिजली की पीक डिमांड लगातार बढ़ रही है। वित्तीय वर्ष 2022 में 6,627 मेगावाट रही, अधिकतम मांग अब बढ़कर 9,475 मेगावाट हो गई है। वर्ष 2030 तक इसके करीब 11,747 मेगावाट पहुंचने का अनुमान है। इस बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए राज्य में उत्पादन, ट्रांसमिशन, वितरण और स्टोरेज क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

पीरपैंती और नबीनगर परियोजनाओं पर काम

प्रमुख परियोजनाओं में 2,400 मेगावाट पीरपैंती थर्मल पावर परियोजना, 1,440 मेगावाट नबीनगर टीपीपी स्टेज-2 बीइएसएस के साथ कजरा सोलर परियोजना, बैटरी स्टोरेज, सोलर पार्क, रूफटॉप सोलर, पंप्ड स्टोरेज परियोजनाएं और इंट्रा-स्टेट ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर शामिल है। राज्य में अब तक 94 लाख से अधिक स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जा चुके हैं। इससे बिजली कंपनियों की राजस्व व्यवस्था और डिजिटल संचालन को मजबूती मिली है। बिहार ने वित्तीय वर्ष 2030 तक करीब 24 जीडब्ल्यू नवीकरणीय ऊर्जा और 6 जीडब्ल्यूएच ऊर्जा भंडारण क्षमता विकसित करने का लक्ष्य रखा है।

बाढ़ और कटाव के बीच आपदा प्रबंधन विभाग की मुस्तैदी, प्रभावितों तक पहुंच रही त्वरित राहत

आपदा प्रबंधन के प्रधान सचिव ने भागलपुर में काजीकोरैया-राघोपुर मार्जिनल बांध का किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। आपदा प्रबंधन मंत्री रत्नेश सादा ने बताया कि बिहार में नदियों के जलस्तर बढ़ने और संभावित बाढ़ से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन विभाग एवं राज्य सरकार पूरी तरह से सतर्क है। राज्य के विभिन्न जिलों में नदियों के बढ़ते जलस्तर और कटाव की स्थिति पर चौबीसों घंटे निगरानी रखी जा रही है। ताकि आमजन को किसी भी आपात स्थिति का सामना न करना पड़े। वहीं, आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल और जल संसाधन विभाग के सचिव डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने भागलपुर में जिला प्रशासन के साथ काजीकोरैया-राघोपुर मार्जिनल बांध का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारीद्वय ने पदाधिकारियों को बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत पहुंचाने और गंगा के जलस्तर की सतत निगरानी के दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि भागलपुर के खरीक प्रखंड अंतर्गत राघोपुर पंचायत में काजीकौरैया राघोपुर मार्जिनल बांध के क्षतिग्रस्त होने से प्रभावित आबादी के लिए जिला प्रशासन ने 04 सामुदायिक रसोई केंद्रों का संचालन शुरू किया है। इन केंद्रों के माध्यम से अब तक रिकॉर्ड 43,000 से अधिक थाली पका-पकाया भोजन जरूरतमंदों तक पहुंचाया जा चुका है। आवागमन को सुगम और सुरक्षित बनाए रखने के लिए कुल 13 जिलों में कुल 286 नावों का परिचालन हो रहा है। इनमें दरभंगा में 14, मधुबनी में 11, पश्चिम चम्पारण में 05, कटिहार में 22, मधेपुरा में 48, पूर्णिया में 35, खगड़िया में 41, सहरसा में 06, वैशाली में 51, बेगूसराय में 17, भागलपुर में 04, समस्तीपुर में 18 एवं मुंगेर में 14 नाव परिचालित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावित एवं निचले इलाकों में रहने वाले परिवारों के बीच पॉलीथीन शीट और राशन का वितरण तेजी से किया जा रहा है। पश्चिम चम्पारण, पूर्णिया, सुपौल, भागलपुर और वैशाली सहित 05 जिलों में 2600 से अधिक पॉलीथीन शीट का वितरण किया गया है। इसके साथ ही, पश्चिम चम्पारण के मधुबनी प्रखंड अंतर्गत चिउराही पंचायत और भागलपुर के सबौर प्रखंड के प्रभावित परिवारों को ड्राइ राशन पैकेट उपलब्ध कराए गए हैं। संभावित बाढ़ से बचाव के लिए राज्य में एसडीआरएफ की 27 और एनडीआरएफ की 9 टीमों को विभिन्न संवेदनशील जिलों में तैनात किया गया है। यह टीमें किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह मुस्तैद हैं।

कृषि ड्रोन को मिलेगा बढ़ावा, 480 किसान ड्रोन कस्टम हायरिंग सेंटर होंगे स्थापित

ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर होंगे सृजित : विजय कुमार सिन्हा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देने तथा किसानों तक नई तकनीकी सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। चतुर्थ कृषि रोड मैप के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में राज्य में 480 किसान ड्रोन कस्टम हायरिंग सेंटर स्थापित किए जाएंगे। इन केंद्रों के माध्यम से किसानों को उनके क्षेत्र में ही ड्रोन आधारित कृषि सेवाएं सुलभ कराई जाएंगी। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। किसान ड्रोन कस्टम हायरिंग सेंटर के माध्यम से किसान स्वयं ड्रोन खरीदने के बजाय आवश्यकता के अनुसार कस्टम हायरिंग सेंटर से ड्रोन सेवा प्राप्त कर सकेंगे। इससे कम समय में अधिक क्षेत्र में कृषि आदानों के छिड़काव सहित विभिन्न कृषि कार्यों को प्रभावी ढंग से करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने बताया कि किसान ड्रोन कस्टम हायरिंग सेंटर की स्थापना के लिए प्रत्येक केंद्र की परियोजना लागत 10 लाख रुपये निर्धारित की गई है। कृषि में स्नातक आवेदकों को परियोजना लागत का 50 प्रतिशत, अधिकतम 5 लाख रुपये तथा गैर-कृषि में स्नातक आवेदकों को 40 प्रतिशत, अधिकतम 4 लाख रुपये तक अनुदान दिया जाएगा। 480 किसान ड्रोन कस्टम हायरिंग सेंटर की स्थापना के लिए कुल 24 करोड़ रुपये का व्यय किया जाएगा।

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. दारोगा प्रसाद राय की जयंती मनायी गयी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. दारोगा प्रसाद राय की 104 वीं जयंती तथा प्रदेश कांग्रेस कमिटी के पूर्व अध्यक्ष स्व. लहटन चौधरी की 23वीं पुण्यतिथि आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश राम ने की। इस अवसर पर बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरू एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम सहित अन्य नेताओं ने दोनों महान नेताओं के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि स्व. दारोगा प्रसाद राय ने बिहार की राजनीति में सामाजिक न्याय, गरीबों, किसानों और वंचित वर्गों के हितों को मजबूती से आवाज दी। उनका संपूर्ण राजनीतिक जीवन जनसेवा और सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पित रहा।

केवाइपी आंदोलन में उबाल, भूख हड़ताल के दूसरे दिन भी डटे रहे केंद्र संचालक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। केवाइपी केंद्रों के रिन्यूवल, नामांकन-प्रशिक्षण बहाल करने और करीब आठ माह के लंबित भुगतान की मांग को लेकर गर्दनीबाग में चल रहा केवाईपी बचाओ महाआंदोलन बुधवार को भी जारी रहा। सामूहिक भूख हड़ताल के दूसरे दिन केंद्र संचालकों ने नए टेंडर के प्रस्ताव का विरोध करते हुए आर-पार की लड़ाई का ऐलान किया। करीब एक सप्ताह के धरना और आक्रोश मार्च के बाद बिहार कौशल विकास मिशन का प्रतिनिधिमंडल आज नौवें दिन बुधवार दोपहर धरना स्थल पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने केंद्र संचालकों को मंत्री से वार्ता की बात कही लेकिन बातचीत में नए टेंडर की बात सामने आने पर संचालकों ने इसका पुरजोर विरोध किया। केंद्र संचालकों का कहना है कि करीब 10 वर्षों से संचालित केवाईपी केंद्रों में लाखों रुपये का निवेश और आवश्यक आधारभूत संरचना पहले से मौजूद है। ऐसे में पुराने केंद्रों को बंद कर नए टेंडर की प्रक्रिया शुरू करना स्वीकार नहीं किया जाएगा। संचालकों ने पुराने केंद्रों का रिन्यूवल कर इन्हीं केंद्रों पर तत्काल प्रशिक्षण शुरू कराने की मांग की। आंदोलनकारियों ने कहा कि अब सरकार से आश्वासन नहीं, लिखित निर्णय और कार्रवाई चाहिए। उन्होंने करीब आठ माह से लंबित भुगतान जारी करने तथा नए टेंडर की प्रक्रिया पर रोक लगाने की भी मांग की। केंद्र संचालकों ने चेतावनी दी कि मांगों पर तत्काल निर्णय नहीं हुआ तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। भूख हड़ताल मांगें पूरी होने तक जारी रखने की बात कही गई है।

टेंडर हार्ट इंटरनेशनल स्कूल में जन्माष्टमी पर फैंसी ड्रेस एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। टेंडर हार्ट इंटरनेशनल स्कूल में जन्माष्टमी के अवसर पर प्लेग्रुप से कक्षा 2 तक के बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण, राधा, बलराम, सुदामा, देवकी एवं वासुदेव सहित विभिन्न पात्रों का मनमोहक रूप धारण किया। कार्यक्रम में श्रीकृष्ण के जन्म एवं वासुदेव द्वारा उन्हें ले जाने की झांकी, बाल सखाओं के साथ माखन चोरी, हांडी फोड़ तथा राधा-कृष्ण एवं गोपियों के साथ रास की प्रस्तुतियां दी गईं। इस अवसर पर बच्चों ने श्रीकृष्ण की विभिन्न लीलाओं को जीवंत किया। कार्यक्रम में विद्यालय के डायरेक्टर एवं रीजन गेट कोऑर्डिनेटर-लायन राजीव भार्गव उपस्थित रहे। कार्यक्रम ट्रेझर-लायन शिवानी भार्गव, पटना मगध के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम की सफलता में रेवा, जागृति, प्रियंका, निकी एवं नंदिनी सहित विद्यालय के अन्य सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की स्थापना पटना में होगी : मंत्री

दो माह के अंदर शुरू होगी गोलघर के पुनर्विकास की योजना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की स्थापना पटना या इसके आसपास के इलाके में होगी। केंद्र सरकार ने इसकी स्वीकृति प्रदान कर दी है। मंत्री डॉ. कुमार ने बुधवार को सूचना भवन के संवाद कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते ये बातें कही। उन्होंने कहा कि राज्य के कलाकार कई वर्षों से एनएसडी कैंपस की स्थापना कराने की मांग कर रहे थे। इसको लेकर उन्होंने स्वयं मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से वार्ता की है। इसके बाद मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से इसे पटना में खोलने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा कि राज्य के कलाकारों के लिए राज्य सरकार के माध्यम से कई योजनाएं शुरू की गई है। राज्य के सभी जिलों में आम्रपाली प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किये जाएंगे। कई जिलों में प्रशिक्षण केंद्र खुल गए है। वहां सुयोग्य प्रशिक्षकों के माध्यम से नृत्य, संगीत, वाद्य यंत्र एवं अन्य कला विधाओं में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। अब तक लगभग 3 हजार बच्चों को विभिन्न कला विधाओं में प्रशिक्षित किया जा चुका है। मंत्री ने कहा कि पटना स्थित गोलघर का शीघ्र जीर्णोद्धार कार्य शुरू कराया जाएगा। दो माह के अंदर उसका पुनर्विकास की योजना शुरू की जाएगी। अभिनेता सुनील सेट्ठी बिहार में एक फिल्म बनाने के लिए मुख्यमंत्री से मिले थे। उनका आवेदन मिलने पर आगे की कार्रवाई शुरू की जाएगी। कला एवं संस्कृति मंत्री ने कहा कि मधुबनी स्थित मिथिला चित्रकला संस्थान के स्तर से रामचरितमानस पर आधारित 108 मीटर लंबी मिथिला पेंटिंग का निर्माण किया गया है। इसने अपनी विशिष्टता एवं व्यापकता के लिए विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है। मुख्यमंत्री कलाकार पेंशन योजना के तहत अब तक 411 कलाकारों का चयन किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बिहार के करीब 1 हजार 100 श्रद्धालुओं के लिए दो दिवसीय सोमनाथ यात्रा का आयोजन किया गया। वन्दे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में 10 हजार से अधिक युवाओं एवं जनप्रतिनिधियों की सहभागिता से भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया।

पूरे राज्य में दो दिन के विशेष अभियान में 1142 अभियुक्त गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्य सरकार के अपराध पर अंकुश लगाने और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के मुहिम के तहत 30 और 31 अगस्त को राज्यभर में विशेष समकालीन अभियान चलाया गया। पुलिस मुख्यालय के विधि-व्यवस्था प्रभाग के स्तर से जारी आदेश के बाद सभी जिलों में अपराधियों की गिरफ्तारी और सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इन दो दिनों में 1 हजार 142 वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। इन अपराधियों के पास से 13 अवैध हथियार भी बरामद किए गए हैं। साथ ही 116 कारतूस बरामद हुए जिन एक दर्जन जिलों से जांच के दौरान हथियार की बरामदगी की गई उनमें पटना, नालंदा, रोहतास, बेगूसराय, खगड़िया, वैशाली, मोतिहारी, सिवान, मधुबनी, सहरसा, मधेपुरा और अररिया शामिल हैं। सभी जिलों के पुलिस अधीक्षक एवं वरीय पुलिस पदाधिकारियों के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया। सभी जिलों में चलाए गए इस अभियान के दौरान 11 हजार लीटर से अधिक अवैध शराब बरामद किए गए जिसमें 8 हजार 408 लीटर देशी और 2 हजार 739 लीटर विदेशी शराब शामिल है। इसके अलावा 359 किलो गांजा, 142 ग्राम स्मैक, 55 ग्राम ब्राउन सुगर, 326 ग्राम हेरोइन के अलावा 1 लाख 49 हजार 466 रुपये नकद भी बरामद किए गए हैं। 27 नशेड़ी को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस मुख्यालय के स्तर से विज्ञप्ति जारी कर इससे संबंधित विस्तृत जानकारी साझा की गई है। विशेष समकालीन अभियान के दौरान दो दिनों में राज्यभर में 54 हजार 861 वाहनों की चेकिंग की गई और 5 हजार 683 वाहनों से 81 लाख 14 हजार 300 रुपये जुर्माना वूसला गया।

दहेज हत्या के जुर्म में पति को सात वर्षों की कठोर कैद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार की राजधानी पटना स्थित एक सत्र अदालत ने दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर विवाहिता की हत्या के जुर्म में आज उसके पति को सात वर्षों के सश्रम कारावास की सजा के साथ 5000 का जुर्माना भी किया। जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश राजीव रंजन सहाय ने मामले में सुनवाई के बाद नालंदा जिले के अस्थामा थाना क्षेत्र निवासी रवि शंकर पंडित को दहेज हत्या एवं साक्ष्य नष्ट करने का प्रयास करने के जुर्म में भारतीय दंड विधान की विभिन्न धाराओं में दोषी करार देने के बाद यह सजा सुनाई है। जुर्माने की राशि अदा नहीं करने पर दोषी को दो माह के कारावास की सजा अलग से भुगतनी होगी। मामले के अपर लोक अभियोजक दिलीप कुमार राय ने बताया कि वर्ष 2019 में पीड़िता मीना कुमारी का विवाह दोषी के साथ हुआ था तथा उसके तीन बच्चे भी थे, लेकिन पांच लाख रूपए और एक मोटरसाइकिल के लिए उसे दोषी हमेशा प्रताड़ित करता था और फिर दहेज की मांग पूरा नहीं होने के कारण वर्ष 2024 में दोषी ने उसकी हत्या कर सबूत मिटाने के उद्देश्य से शव को रेलवे लाइन पर फेंक दिया था।

गया-कामाख्या एक्सप्रेस में लगेंगे 3एसी का एक अतिरिक्त कोच

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। आगामी पर्व त्योहार के दौरान यात्रियों की संभावित अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर उनकी सुविधा हेतु रेलवे द्वारा गया और कामाख्या के मध्य चलने वाली गाड़ी सं. 15619/15620 गया-कामाख्या-गया एक्सप्रेस में अस्थायी रूप से वातानुकूलित तृतीय श्रेणी का एक अतिरिक्त कोच लगाए जाएंगे। यह सुविधा कामाख्या से गया के लिए 7.09.2026 से 30.11.2026 तक तथा गया से कामाख्या के लिए 08.09.2026 से 01.12.2026 तक उपलब्ध रहेगी।

मन की बात में सम्राट हेमू के उल्लेख पर हेमू विचार मंच ने जताया प्रधानमंत्री का आभार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मन की बात के 137वें एपिसोड में अंतिम हिंदू सम्राट हेमचंद्र विक्रमादित्य हेमू के ऐतिहासिक योगदान और इतिहास में उनकी उपेक्षा का उल्लेख किए जाने पर हेमू विचार मंच ने आभार जताया है। मंच के राष्ट्रीय संयोजक राजीव रंजन कुमार उर्फ राजू गुप्ता ने प्रधानमंत्री को पत्र भेजकर इस उल्लेख के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय पटल पर सम्राट हेमू की शौर्य गाथा को स्मरण किए जाने से देशभर में, हिंदू समाज विशेषकर वैश्य समाज रौनियार समाज में, गौरव की भावना जागृत हुई है। मंच ने इसे सम्राट हेमू के इतिहास और उनके योगदान को जनमानस तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

शहीद रामफल मंडल की जयंती को राजकीय समारोह के रूप में मनाने का स्वागत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। अखिल भारतीय धानुक महासंघ ने शहीद रामफल मंडल की जयंती को राजकीय समारोह के रूप में मनाने के बिहार सरकार के फैसले का स्वागत किया है और इसके लिए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी परिवहन मंत्री दामोदर रावत एवं पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति आभार व्यक्त किया है। इस संबंध में अखिल भारतीय धानुक महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष शंकर प्रसाद ने कहा कि शहीद रामफल मंडल ने अपने प्राणों की आहुति देकर भारत माता को आजाद कराया था हम उनकी शहादत को नमन करते हैं। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की है कि राजधानी के बड़ी पहाड़ी चौराहे पर अमर शहीद रामफल मंडल की आदमकद प्रतिमा लगाते हुए इस चौक का नाम अमर शहीद रामफल मंडल चौक किया जाए। शंकर प्रसाद ने बताया कि अमर शहीद रामफल मंडल की प्रतिमा बड़ी पहाड़ी चौक पर लगाने के लिए परिवहन मंत्री दामोदर रावत ने नगर विकास मंत्री को पत्र लिखकर आग्रह किया था जिस पर नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव ने राज्य सरकार को प्रस्ताव भेज दिया है। उनकी प्रतिमा लगाने के लिए विधान पार्षद अनामिका पटेल एवं अजय सिंह ने भी विधान परिषद में अपनी मांग उठाते हुए सभापति से आग्रह किया है। शंकर प्रसाद ने कहा कि धानुक समाज के लोग राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हैं कि सरकार ने बुधवार को कैबिनेट में फैसला लेकर शाहिद रामफल मंडल की जयंती को राजकीय समारोह के रूप में मनाने का फैसला लिया है। राज्य सरकार के इस फैसले का स्वागत करने वालों में पूर्व मेयर प्रत्याशी सीमा पटेल, राधिका पटेल, विजय कुमार राय, जलेश्वर महतो, शिवनाथ प्रसाद, जितेंद्र पटेल अमित कुमार सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल थे।

दानापुर स्टेशन पर गहन टिकट जांच अभियान

14 ट्रेनों में पकड़े गये 320 बिना टिकट/अनियमित टिकट यात्री

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दानापुर। विशेष टिकट जांच अभियान में काशी जनशताब्दी, मगध, उधना एक्सप्रेस, गरीब रथ एवं भभुआ-पटना इंटरसिटी सहित विभिन्न ट्रेनों में 320 बिना टिकट/अनियमित टिकट यात्री पकड़े गए। पूर्व मध्य रेल का दानापुर मंडल यात्रियों को उचित टिकट एवं वैध प्राधिकार के साथ यात्रा करने की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए निरंतर सजग एवं सक्रिय है। बिना टिकट अथवा उचित प्राधिकार के रेल यात्रा करने वाले यात्रियों के विरुद्ध मंडल में नियमित रूप से सघन टिकट जांच अभियान चलाया जाता है। इसी क्रम में मंडल रेल प्रबंधक के निर्देशानुसार वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक अभिनव सिद्धार्थ के नेतृत्व में सहायक मंडल वाणिज्य प्रबंधक प्रदीप कुमार सहित वाणिज्य विभाग एवं रेलवे सुरक्षा बल की संयुक्त टीम द्वारा दानापुर स्टेशन पर विशेष टिकट जांच अभियान चलाया गया। इस विशेष अभियान के दौरान 320 यात्रियों को बिना टिकट/अनियमित टिकट के साथ यात्रा करते हुए पकड़ा गया जिनसे नियमानुसार 2,80,250/- जुर्माना वसूल किया गया। दानापुर मंडल द्वारा इस प्रकार के सघन टिकट जांच अभियान आगे भी निरंतर जारी रखे जाएंगे।

एसबीपीडीसीएल और एनबीपीडीसीएल को मिला 'स्मार्ट मीटरिंग डिस्कॉम ऑफ द इयर' अवार्ड

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। स्मार्ट मीटरिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए बिहार की दोनों विद्युत वितरण कंपनियों साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड और नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड को प्रतिष्ठित भारत इलेक्ट्रिसिटी पावरिंग इंडिया अवार्ड्स 2026 में 'स्मार्ट मीटरिंग डिस्कॉम ऑफ द ईयर' अवार्ड से सम्मानित किया गया। नई दिल्ली के द्वारका स्थित यशोभूमि में मंगलवार को आयोजित समारोह में दोनों डिस्कॉम को यह सम्मान केंद्रीय विद्युत एवं नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपाद येसो नाइक ने बीएसपीजीसीएल के प्रबंध निदेशक विशाल राज (भा. प्र. से.) को प्रदान किया। विद्युत वितरण व्यवस्था में स्मार्ट मीटरिंग के व्यापक उपयोग, तकनीक आधारित सेवाओं तथा उपभोक्ता सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में किए जा रहे कार्यों के लिए दोनों कंपनियों को यह राष्ट्रीय सम्मान मिला है। ऊर्जा मंत्री शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल ने कहा कि बिहार की दोनों विद्युत वितरण कंपनियों को 'स्मार्ट मीटरिंग डिस्कॉम ऑफ द ईयर' का राष्ट्रीय सम्मान मिलना राज्य के लिए गौरव की बात है। स्मार्ट मीटरिंग के माध्यम से विद्युत वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ी है और उपभोक्ताओं को अपनी विद्युत खपत की बेहतर निगरानी एवं प्रबंधन की सुविधा मिल रही है। राज्य सरकार उपभोक्ताओं को आधुनिक, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए एसबीपीडीसीएल और एनबीपीडीसीएल के अधिकारियों एवं कर्मियों को बधाई दी। ऊर्जा सचिव सह बीएसपीएचसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक अजय यादव (भा. प्र. से.) ने कहा कि दोनों विद्युत वितरण कंपनियों को 'स्मार्ट मीटरिंग डिस्कॉम ऑफ द ईयर' का सम्मान मिलना बिहार की विद्युत वितरण व्यवस्था के आधुनिकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। बिहार में तकनीक आधारित विद्युत सेवाओं को लगातार सुदृढ़ किया जा रहा है। ताकि उपभोक्ताओं को अधिक पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत सेवा मिल सके। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए दोनों डिस्कॉम के अधिकारियों एवं कर्मियों को बधाई दी। स्मार्ट मीटरिंग से विद्युत आपूर्ति एवं खपत से संबंधित जानकारी की उपलब्धता में वृद्धि होने के साथ-साथ पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने में भी मदद मिल रही है। बिहार में स्मार्ट मीटरिंग के विस्तार से विद्युत वितरण व्यवस्था को आधुनिक, पारदर्शी और उपभोक्ता-केंद्रित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। स्मार्ट मीटर के माध्यम से उपभोक्ताओं को अपनी विद्युत खपत की नियमित निगरानी करने तथा ऊर्जा उपयोग के अनुसार बेहतर तरीके से योजना बनाने की सुविधा मिल रही है। साथ ही डिजिटल माध्यम से मीटर रीडिंग एवं बिलिंग प्रक्रिया अधिक सुगम हुई है जिससे उपभोक्ता सेवाओं में और अधिक पारदर्शिता आई है। सम्मान प्राप्त होने पर नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक राहुल कुमार एवं साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक सौरभ जोरवाल ने अपनी टीम को बधाई और शुभकामनाएं दी है। कार्यक्रम में केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के अध्यक्ष घनश्याम प्रसाद, ईएनसीआईएस के अध्यक्ष पी.के. पुजारी (भा.प्र.से.), सेवानिवृत्त, भारत इलेक्ट्रिसिटी पावरजेन इंडिया की गवर्निंग काउंसिल के अध्यक्ष भूपिंदर सिंह भल्ला (भा. प्र. से.), सेवानिवृत्त एवं दोनों डिस्कॉम के वरीय अधिकारी मौजूद थे।

संपादकीय

नेपाल-तिब्बत की विनाशकारी बाढ़ से सबक- हिमनद झीलों को नजरअंदाज करना पड़ेगा भारी

नेपाल और तिब्बत के सीमांत इलाकों में आई विनाशकारी बाढ़ ने प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। हिमनद टूटने और ग्लेशियल झीलों के बढ़ते खतरे के बीच भारत के हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और सिक्किम जैसे हिमालयी राज्यों के लिए भी यह बड़ी चेतावनी है। नेपाल और तिब्बत के सीमांत इलाकों में आई विनाशकारी बाढ़ के कारणों का विश्लेषण और नतीजों का आकलन अभी जारी रहेगा, लेकिन इस घटना ने एक बार फिर इस जरूरत को रेखांकित किया है कि आशंकाओं की अनदेखी या उसके प्रति उदासीनता का परिणाम क्या हो सकता है। नेपाल का जो समूचा इलाका हिमनद टूटने की वजह से तबाह हो गया, जानमाल की व्यापक क्षति हुई, उसका आम लोग भले ही ठीक-ठीक अनुमान नहीं लगा सके होंगे, लेकिन सरकार की नजर स्थानीय उथल-पुथल के संकेतों पर रहनी चाहिए थी।साथ ही अन्य देशों में ऐसी स्थितियों के असर की आशंका हो, तो वहां की एजंसियों के साथ तालमेल से कुछ एहतियाती कदम उठाए जा सकते थे। खासतौर पर तब, जब नेपाल-तिब्बत के इस इलाके में बर्फ और चट्टानों वाला हिमस्खलन होने और उसकी वजह से बाढ़ आने की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं। ऐसे में सावधानी बरतना एक नियमित तकाजा था। हालांकि यह सही है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोकना संभव नहीं है, लेकिन अगर अचानक उपजने वाले खतरों को ध्यान में रख कर बचाव के पूर्व-इंतजाम किए जाएं, तो नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है।जाहिर है, अब नेपाल को अगले कुछ समय तक के लिए तबाह हो गए इलाकों में बचे-खुचे को संभालने, लापता लोगों की खोज, पुनर्वास और पुनर्निर्माण को लेकर कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। बेशक वह अपने स्तर पर यह सब करने की कोशिश करेगा, लेकिन ऐसे समय में दूसरे देशों की सहायता भी काफी मायने रखती है। प्रभावित सभी इलाकों में हुए नुकसान का आकलन सामने आने के बाद पूरी तस्वीर साफ होगी, लेकिन फिलहाल नेपाल के वित्त मंत्री का कहना है कि इस प्रलयंकारी बाढ़ से हुई क्षति की भरपाई के लिए देश को चार-पांच अरब डालर की जरूरत होगी। यह समझा जा सकता है कि अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर पहले ही कई तरह के दबाव झेल रहे नेपाल के सामने अब इस त्रासदी की वजह से जो मुश्किल पैदा होगी, उससे निपटना उसके लिए एक बड़ी चुनौती होगी। इसके अलावा, इस बात का अध्ययन करने की जरूरत है कि व्यापक तबाही वाली इस बाढ़ की प्रकृति, रफ्तार और नुकसान पहुंचाने का दायरा इतना अलग क्यों था और इसकी वजहें क्या होंगी।दरअसल, इस आपदा का जो स्वरूप सामने आया, उसे समझना न केवल नेपाल, बल्कि उससे सटे देशों के लिए भी इसलिए जरूरी है कि अगर इसका दायरा और बड़ा हुआ तो इसकी जद में खासतौर पर भारत के भी कई इलाके आएंगे।

भारत में मखाने के इस विशाल साम्राज्य का मुख्य केंद्र बिहार राज्य है, जो देश के कुल मखाना उत्पादन में सबसे बड़ा योगदान देता है। उत्तर बिहार के दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर, कटिहार, पूर्णिया और सहरसा जैसे मिथिलांचल के जिले मखाना खेती के गढ़ माने जाते हैं। यहाँ की भौगोलिक परिस्थितियाँ, उथले पानी के तालाब, दलदली भूमि और अनुकूल आर्द्र जलवायु मखाने के पौधे के विकास के लिए अत्यंत आदर्श वातावरण प्रदान करती हैं। बिहार के अलावा पश्चिम बंगाल, असम और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी मखाने की खेती का दायरा तेजी से फैल रहा है।

मखाना- भारत के पारंपरिक उत्पाद से वैश्विक सुपरफूड बनने का स्वर्णिम सफर

(डॉ. दीपक कोहली)

आधुनिक दुनिया में जब स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता चरम पर है और लोग प्रसंस्कृत अथवा जंक फूड के विकल्पों की तलाश कर रहे हैं, तब मखाना एक बेहतरीन प्राकृतिक और पौष्टिक विकल्प बनकर उभरा है। मखाने में प्रचुर मात्रा में उच्च गुणवत्ता वाला प्रोटीन, घुलनशील और अघुलनशील फाइबर तथा जटिल कार्बोहाइड्रेट्स पाए जाते हैं।

भारत में सदियों से व्रत-त्योहारों और पारंपरिक खान-पान का हिस्सा रहा मखाना अब महज एक साधारण खाद्य पदार्थ नहीं रह गया है, बल्कि यह दुनिया भर में स्वास्थ्य और पोषण के प्रति जागरूक लोगों की पहली पसंद बनकर एक वैश्विक सुपरफूड के रूप में उभर रहा है। फॉक्स नट्स, कमल गट्टा या वैज्ञानिक नाम युरीअल फेरोक्स के नाम से जाना जाने वाला यह प्राकृतिक उपहार अपनी अद्वितीय न्यूट्रिशनल प्रोफाइल, कम कैलोरी और समृद्ध स्वास्थ्य लाभों के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजारों में धूम मचा रहा है। भारतीय कृषि एवं बागवानी क्षेत्र में मखाने ने हाल के वर्षों में जो छलांग लगाई है, वह न केवल भारत की पारंपरिक कृषि शक्ति को दर्शाती है बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, किसान कल्याण और निर्यात संवर्धन के क्षेत्र में भी एक नए स्वर्णिम युग का सूत्रपात कर रही है। भारत दुनिया भर में मखाना उत्पादन में एकछत्र वर्चस्व रखता है और वैश्विक आपूर्ति का अधिकांश हिस्सा अकेले भारत से आता है। देश में मखाने के उत्पादन में लगातार ऐतिहासिक वृद्धि देखने को मिल रही है। उत्पादन में इस उल्लेखनीय उछाल के साथ-साथ उत्पादकता के मोर्चे पर भी देश ने अभूतपूर्व प्रगति की है। प्रति हेक्टेयर उपज में हुई यह वृद्धि वैज्ञानिक खेती, उन्नत किस्म के बीजों और किसानों की कड़ी मेहनत का प्रत्यक्ष परिणाम है।

भारत में मखाने के इस विशाल साम्राज्य का मुख्य केंद्र बिहार राज्य है, जो देश के कुल मखाना उत्पादन में सबसे बड़ा योगदान देता है। उत्तर बिहार के दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर, कटिहार, पूर्णिया और सहरसा जैसे मिथिलांचल के जिले मखाना खेती के गढ़ माने जाते हैं। यहाँ की भौगोलिक परिस्थितियाँ, उथले पानी के तालाब, दलदली भूमि और अनुकूल आर्द्र जलवायु मखाने के पौधे के विकास के लिए अत्यंत आदर्श वातावरण प्रदान करती हैं। बिहार के अलावा पश्चिम बंगाल, असम और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी मखाने की खेती का दायरा तेजी से फैल रहा है। मखाने का भौगोलिक महत्व इस बात से भी सिद्ध होता है कि बिहार के मखाने को भौगोलिक संकेत यानी जीआई टैग प्राप्त हो चुका है, जिसने इसकी अंतरराष्ट्रीय प्रामाणिकता और पहचान को एक नया आयाम दिया है।

आधुनिक दुनिया में जब स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता चरम पर है और लोग प्रसंस्कृत अथवा जंक फूड के विकल्पों की तलाश कर रहे हैं, तब मखाना एक बेहतरीन प्राकृतिक और पौष्टिक विकल्प बनकर उभरा है। मखाने में प्रचुर मात्रा में उच्च गुणवत्ता वाला प्रोटीन, घुलनशील और अघुलनशील फाइबर तथा जटिल कार्बोहाइड्रेट्स पाए जाते हैं। इसके साथ ही यह मैग्नीशियम, पोटैशियम, फास्फोरस, कैल्शियम और आयरन जैसे आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें सोडियम की मात्रा बेहद कम होती है, यह पूरी तरह से वसा-मुक्त और कोलेस्ट्रॉल-मुक्त होता है, तथा इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स भी काफी कम होता है। इन विशेषताओं के

कारण यह मधुमेह रोगियों, हृदय रोगियों, उच्च रक्तचाप से पीड़ित व्यक्तियों और वजन कम करने की इच्छा रखने वालों के लिए एक आदर्श आहार माना जाता है। इसमें मौजूद शक्तिशाली एंटी-ऑक्सीडेंट्स असमय बुढ़ापे को रोकने और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में सहायक होते हैं। शाकाहारी और वीगन जीवनशैली अपनाने वाले लोगों के लिए मखाना प्रोटीन का एक अत्यंत सुलभ और स्वस्थ स्रोत बनकर उभरा है।

मखाने की यात्रा खेत के दलदल से निकलकर डाइनिंग टेबल तक पहुँचने में कई जटिल और श्रमसाध्य चरणों से होकर गुजरती है, जो इसकी संपूर्ण मूल्य श्रृंखला का निर्माण करती है। इसकी प्रक्रिया प्राथमिक और द्वितीयक दो स्तरों पर होती है। प्राथमिक स्तर पर किसान और मजदूर बेहद विषम परिस्थितियों में पानी के भीतर उतरकर तालाब की तलहटी से मखाने के कटीले बीजों की कटाई और संग्रहण करते हैं। इसके बाद इन बीजों को साफ किया जाता है और धूप में सुखाया जाता है। इसके पश्चात द्वितीयक प्रसंस्करण शुरू होता है, जिसमें सूखे बीजों को मिट्टी या लोहे की कड़ाही में उच्च तापमान पर भुना जाता है। भुनाई के तुरंत बाद लकड़ी के हथौड़ों से मारकर बीजों को फोड़ा जाता है, जिससे उनके भीतर का सफेद और हल्का गुदा बाहर आ जाता है और हमें हमारा परिचित पॉप्ड मखाना प्राप्त होता है। इसके बाद मखाने की ग्रेडिंग, साइजिंग, पॉलिशिंग और पैकेजिंग की जाती है। मखाने के आकार और सफेदी के आधार पर उसकी बाजार कीमत तय होती है, जहाँ बड़े आकार के मखाने को प्रीमियम श्रेणी में रखा जाता है।

वैश्विक बाजार में भारत का मखाना अपनी गुणवत्ता और विशिष्टता के बल पर तेजी से अपनी पैठ बना रहा है। भारत हर वर्ष अपने कुल मखाना उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा दुनिया के विभिन्न देशों में निर्यात करता है। भारत के मखाना निर्यात का एक बड़ा हिस्सा विकसित देशों में जाता है, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश प्रमुख हैं। ये देश भारत से बड़े पैमाने पर मखाना आयात करते हैं। इसके अतिरिक्त यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और मध्य पूर्व के देशों में भी क्लीन-लेबल और प्लांट-बेस्ड सुपरफूड के रूप में भारतीय मखाने की मांग दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। फ्लेवर्ड मखाना, जैसे चीज़ी, रोस्टेड, पेरी-पेरी और मखाना पाउडर के रूप में मूल्य संवर्धित उत्पाद अंतरराष्ट्रीय उपभोक्ताओं को अत्यधिक आकर्षित कर रहे हैं।

मखाना क्षेत्र के इस विशाल सामर्थ्य और रणनीतिक महत्व को पहचानते हुए भारत सरकार ने इसके सर्वांगीण विकास के लिए कई दूरगामी और संरचनात्मक पहल की हैं। मखाने के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, आधुनिक प्रसंस्करण तकनीक लाने और किसानों की आय में बढ़ोतरी करने के उद्देश्य से सरकार ने विशेष योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है। यह महत्वाकांक्षी प्रयास वैज्ञानिक अनुसंधान, उच्च गुणवत्ता वाले बीजों की सुलभता, किसानों के कौशल विकास, कटाई के बाद के नुकसान को रोकने, स्वचालित पॉपिंग और ग्रेडिंग मशीनों की स्थापना, ब्रांडिंग, विपणन और निर्यात संवर्धन पर विशेष रूप से केंद्रित हैं। इन योजनाओं के माध्यम से देश भर के हजारों किसान सीधे तौर पर लाभान्वित हो रहे हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय स्तर पर मखाना बोर्ड के गठन की घोषणा ने इस क्षेत्र को संस्थागत मजबूती प्रदान करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है।

जैसे-जैसे वैश्विक स्तर पर मखाने की मांग बढ़ रही है, घरेलू बाजार में भी इसके मूल्य और व्यावसायिक परिदृश्य में क्रांतिकारी बदलाव देखे जा रहे हैं। घरेलू स्तर पर मखाना बाजार अत्यंत तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है और आने वाले समय में भारत का मखाना उद्योग एक विशाल वित्तीय आकार ले लेगा। इस बढ़ती मांग के चलते मखाने की कीमतों में भी भारी उछाल आया है, जिससे किसानों और व्यापारियों के लिए यह फसल अत्यधिक लाभदायक सिद्ध हो रही है। पारंपरिक रूप से उपेक्षित रहने वाला यह क्षेत्र अब एफएमसीजी कंपनियों, स्टार्टअप्स और कृषि-उद्यमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। आधुनिक पैकेजिंग, संगठित खुदरा श्रृंखलाओं और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स ने मखाने को दूर-दराज के इलाकों तक पहुँचा दिया है।

हालाँकि इस अपार सफलता के बावजूद मखाना क्षेत्र के सामने कई चुनौतियाँ भी विद्यमान हैं। पारंपरिक तालाब आधारित खेती में शारीरिक श्रम की अत्यधिक आवश्यकता होती है और पानी के अंदर से बीज निकालना बेहद कठिन काम है, जिससे श्रम की कमी एक बड़ी बाधा बनती जा रही है। इसके अलावा प्राथमिक प्रसंस्करण का पारंपरिक और अमशीनीकृत होना, भंडारण की अपर्याप्त सुविधा और मूल्य श्रृंखला में बिचौलियों का प्रभाव किसानों के मुनाफे को प्रभावित करता है। इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए कृषि अनुसंधान संस्थानों द्वारा मखाने की खेत आधारित वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है।

बिहार के 'सहयोग मॉडल' से बाकि राज्यों को भी सीखने की जरूरत

(संजीव कुमार मिश्र)

छात्रों की शिकायतें अक्सर लंबे समय तक अनसुलझी रहती हैं, इसकी बड़ी वजह प्रशासनिक प्रक्रिया की जटिलता है। किसी छात्र को हॉस्टल की सफाई, भोजन की गुणवत्ता, बिजली-पानी या फीस से जुड़ी दिक्कत होने पर पहले वार्डन, फिर प्रिंसिपल और जरूरत पड़ने पर जिला शिक्षा कार्यालय तक जाना पड़ता है।

क्या किसी सरकारी स्कूल या

हॉस्टल में गंदा पानी, खराब खाना या बिजली की किल्लत जैसी रोजमर्रा की समस्याओं का समाधान 30 दिन के भीतर पाना संभव है?...जहां देश के अधिकांश राज्यों में छात्र ऐसी बुनियादी सुविधाओं के लिए महीनों प्रशासनिक चक्कर काटने या सड़कों पर उतरने को मजबूर होते हैं, वहीं बिहार सरकार ने एक पारदर्शी ऑनलाइन व्यवस्था से इस धारणा को बदलने की कोशिश की है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा शुरू की गई इस नई पहल ने छात्र शिकायतों के निपटारे का एक ऐसा मॉडल पेश किया है, जिसकी गूंज अब देश भर में सुनाई दे रही है।

छात्रों की शिकायतें अक्सर लंबे समय तक अनसुलझी रहती हैं, इसकी बड़ी वजह प्रशासनिक प्रक्रिया की जटिलता है। किसी छात्र को हॉस्टल की सफाई, भोजन की गुणवत्ता, बिजली-पानी या फीस से जुड़ी दिक्कत होने पर पहले वार्डन, फिर प्रिंसिपल और जरूरत पड़ने पर जिला शिक्षा कार्यालय तक जाना पड़ता है। इस प्रक्रिया में न तो कोई तय समयसीमा होती है और न ही स्पष्ट जवाबदेही तय होती है, जिस वजह से छोटी शिकायतें भी हफ्तों-महीनों तक लंबित रह जाती हैं।

बिहार सरकार के विद्यार्थी सहयोग पोर्टल की खासियत यह है कि शिकायत दर्ज कराने के लिए दो अलग कैटेगरी बनाई गई हैं – पहली, शैक्षणिक संस्थान यानी विद्यालय, महाविद्यालय या विश्वविद्यालय से संबंधित विद्यार्थियों के लिए, और दूसरी, छात्रावास यानी हॉस्टल में रहने वाले विद्यार्थियों के लिए। पोर्टल के होमपेज पर ही यह दोनों विकल्प दिए गए हैं, जिससे छात्र सही कैटेगरी चुनकर सीधे संबंधित फॉर्म तक पहुंच जाता है। कैटेगरी चुनने के बाद छात्र के सामने एक सीधा-सादा फॉर्म खुलता है, जिसमें नाम, लिंग, पिता का नाम, जन्म तिथि और मोबाइल नंबर जैसी बुनियादी जानकारी भरनी होती है। ईमेल आईडी को वैकल्पिक रखा गया है, ताकि जिन छात्रों के पास ईमेल नहीं है वे भी शिकायत दर्ज करा सकें, जबकि मोबाइल नंबर को ओटीपी से वेरिफाई किया जाता है ताकि हर शिकायत असली छात्र की ओर से ही दर्ज हो।

पोर्टल पर छात्रों के लिए तीन सुविधाएं दी गई हैं। शिकायत दर्ज कराने का विकल्प हॉस्टल सुविधाओं, भोजन, स्वच्छता, सुरक्षा और बिजली से जुड़ी समस्याओं के लिए है। इसके अलावा छात्र व्यवस्था सुधारने से जुड़े अपने सुझाव भी साझा कर सकते हैं, और सबसे अहम बात यह कि एक बार शिकायत दर्ज करने के बाद छात्र उसकी मौजूदा स्थिति और उस पर हुई कार्रवाई को ट्रैक भी कर सकता है। पोर्टल पर सबसे ज्यादा दर्ज होने वाली शिकायतों को भोजन, पेयजल, बिजली, शौचालय-सफाई, सुरक्षा, बुनियादी ढांचे और इंटरनेट जैसी कैटेगरी में पहले से बांटा गया है, जिससे शिकायत सीधे संबंधित विभाग तक पहुंचती है और निपटारे में देरी नहीं होती।

पोर्टल पर दर्ज हर शिकायत का 30 दिनों के भीतर निपटारा सुनिश्चित करने की व्यवस्था की गई है।

नेपाल की त्रासदी से भारत को सबक लेने की जरूरत

इस त्रासदी का सबसे बड़ा संदेश जलवायु परिवर्तन से जुड़ा है। हिमालय केवल बर्फ से ढकी पर्वतमाला नहीं, बल्कि एशिया की जल-सुरक्षा का आधार है। तापमान बढ़ने के साथ ग्लेशियर तेजी से पीछे हट रहे हैं और अनेक नई ग्लेशियर झीलें बन रही हैं। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट के अनुसार हिंदूकुश हिमालय क्षेत्र में लगभग 25,000 ग्लेशियर झीलें हैं और बढ़ता तापमान ग्लेशियर झीलों के फटने यानी (जीएलओएफ) के जोखिम को बढ़ा रहा है।

(ललित गर्ग)

नेपाल की घटना भारत के लिए भी गहरी चेतावनी है। इस चेतावनी से सीख लेने की जरूरत है। उत्तराखंड की केदारनाथ त्रासदी, 2021 की ऋषिगंगा आपदा और हिमालयी राज्यों में बार-बार आने वाली बाढ़, भूस्खलन एवं बादल फटने की घटनाएं पहले ही बता चुकी हैं कि पहाड़ों की सहनशीलता असीमित नहीं है। नेपाल में 26 अगस्त 2026 को आई विनाशकारी बाढ़ और हिमस्खलन ने एक बार फिर यह कठोर सत्य सामने ला दिया है कि प्रकृति के साथ खिलवाड़ और पहाड़ों की संवेदनशीलता की अनदेखी मानव सभ्यता के लिए कितनी भारी पड़ सकती है। भोटेकोशी नदी तंत्र में ग्लेशियर के बड़े हिस्से के टूटने, बर्फ-पत्थरों के विशाल मलबे के नीचे आने और नदी के प्रवाह में अस्थायी अवरोध बनने के बाद अचानक बाढ़ का जो रौद्र एवं भयावह रूप सामने आया, उसने नेपाल और चीन के तिब्बती क्षेत्र में भारी तबाही मचाई। 29 अगस्त तक उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार नेपाल में 579 और तिब्बत में 5 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है तथा लगभग 2,482 लोग लापता बताए जा रहे हैं। हजारों लोगों को बचाया गया है, लेकिन दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और लगातार बने नए खतरे के कारण राहत एवं बचाव कार्य अभी भी चुनौतीपूर्ण हैं। यह घटना केवल नेपाल की प्राकृतिक त्रासदी नहीं है, बल्कि पूरे हिमालयी क्षेत्र के लिए भविष्य का भयावह संकेत है। प्रारंभिक वैज्ञानिक आकलन बताते हैं कि ग्लेशियर का हिस्सा टूटकर नीचे गिरा, जिससे बर्फ, चट्टान, मिट्टी और मलबे का विशाल प्रवाह पैदा हुआ। इसने नदी के प्रवाह को अवरुद्ध किया और बाद में जमा पानी तथा मलबे के दबाव से अचानक विनाशकारी बाढ़ आई। विशेषज्ञों के अनुसार ऐसे घटनाक्रम को केवल सामान्य बाढ़ कहना भूल होगी, यह ग्लेशियर, भूस्खलन, मलबा-प्रवाह और नदी-बाढ़ जैसे अनेक खतरों के एक साथ सक्रिय होने वाली 'बहु-आपदा' का उदाहरण है। इस त्रासदी का सबसे बड़ा संदेश जलवायु परिवर्तन से जुड़ा है। हिमालय केवल बर्फ से ढकी पर्वतमाला नहीं, बल्कि एशिया की जल-सुरक्षा का आधार है। तापमान बढ़ने के साथ ग्लेशियर तेजी से पीछे हट रहे हैं और अनेक नई ग्लेशियर झीलें बन रही हैं। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट के अनुसार हिंदूकुश हिमालय क्षेत्र में लगभग 25,000 ग्लेशियर झीलें हैं और बढ़ता तापमान ग्लेशियर झीलों के फटने यानी (जीएलओएफ) के जोखिम को बढ़ा रहा है। नेपाल में 1920 के दशक से अब तक 90 से अधिक ग्लेशियर झील विस्फोट बाढ़ दर्ज की जा चुकी हैं। इसलिए यह मान लेना उचित नहीं होगा कि नेपाल की घटना का एकमात्र कारण ग्लोबल वार्मिंग ही है। भूकंपीय गतिविधियां, भूगर्भीय अस्थिरता, अत्यधिक वर्षा, हिमस्खलन और प्राकृतिक ढलानों की कमजोरी भी महत्वपूर्ण कारक हैं। लेकिन जलवायु परिवर्तन इन जोखिमों को बढ़ाने वाली पृष्ठभूमि अवश्य तैयार कर रहा है। गर्म होता हिमालय ग्लेशियरों और पर्वतीय भूभाग को अस्थिर कर रहा है, जिससे ऐसी घटनाओं की संभावित तीव्रता और व्यापकता बढ़ सकती है। वैज्ञानिकों ने भी इस बात पर सावधानी बरती है कि किसी एक घटना को सीधे जलवायु परिवर्तन का परिणाम घोषित करने के बजाय दीर्घकालिक जलवायु और भूगर्भीय बदलावों को साथ देखकर समझना चाहिए। नेपाल की घटना भारत के लिए भी गहरी चेतावनी है। इस चेतावनी से सीख लेने की जरूरत है। उत्तराखंड की केदारनाथ त्रासदी, 2021 की ऋषिगंगा आपदा और हिमालयी राज्यों में बार-बार आने वाली बाढ़, भूस्खलन एवं बादल फटने की घटनाएं पहले ही बता चुकी हैं कि पहाड़ों की सहनशीलता असीमित नहीं है। हिमालय में सड़कें, सुरंगें, जलविद्युत परियोजनाएं, होटल, बस्तियां और अन्य निर्माण आवश्यकताओं को पूरा करने के नाम पर तेजी से बढ़ रहे हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या इनके लिए पर्वतीय पर्यावरण की वहन क्षमता का पर्याप्त आकलन हो रहा है? विकास जरूरी है, मगर ऐसा विकास जो पहाड़ों को खोखला करके ही संभव हो, अंततः मानव जीवन और स्वयं विकास दोनों के लिए संकट बन सकता है। आज सबसे बड़ी आवश्यकता 'आपदा के बाद राहत' से आगे बढ़कर 'आपदा से पहले तैयारी' की है। अत्याधुनिक सैटेलाइट निगरानी, ड्रोन, रडार, नदी सेंसर, ग्लेशियर और ग्लेशियर झीलों की निरंतर निगरानी तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित पूर्वानुमान प्रणालियों को हिमालयी क्षेत्र में व्यापक स्तर पर विकसित करना होगा। शुरुआती चेतावनी प्रणाली केवल राजधानी या प्रशासनिक केंद्र तक सीमित न रहे, बल्कि पहाड़ के अंतिम गांव तक मोबाइल संदेश, सायरन, रेडियो और स्थानीय स्वयंसेवी तंत्र के माध्यम से पहुंचे। नेपाल में वर्तमान त्रासदी के बाद भी एक और संभावित झील के फटने की आशंका ने स्पष्ट कर दिया है कि एक आपदा समाप्त होते ही दूसरी आपदा का खतरा पैदा हो सकता है। नदियां राजनीतिक सीमाओं को नहीं पहचानतीं। भोटेकोशी जैसी सीमापार नदी प्रणालियों के लिए नेपाल, चीन, भारत और अन्य हिमालयी देशों के बीच वास्तविक समय में जल-प्रवाह, वर्षा, भूस्खलन, ग्लेशियर झील और हिमस्खलन संबंधी सूचनाओं का आदान-प्रदान आवश्यक है। किसी एक देश के पास उपलब्ध महत्वपूर्ण चेतावनी दूसरे देश के नागरिकों की जान बचा सकती है। अतः हिमालय के लिए एक साझा क्षेत्रीय आपदा-पूर्व चेतावनी नेटवर्क विकसित किया जाना चाहिए। भारत को इस दिशा में अपने हिमालयी राज्यों के लिए अलग 'माउंटेन सेफ्टी पॉलिसी' पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क या सुरंग बनाने से पहले भूगर्भीय जोखिम, जलधाराओं के प्राकृतिक मार्ग, भूस्खलन की संभावना और स्थानीय पारिस्थितिकी का वैज्ञानिक मूल्यांकन अनिवार्य होना चाहिए। अंधाधुंध वृक्ष कटाई, नदी किनारे अनियोजित निर्माण, पहाड़ों की अनावश्यक कटाई और पर्यटन के नाम पर अत्यधिक दबाव को नियंत्रित करना होगा। स्थानीय समुदायों को आपदा प्रबंधन की पहली पंक्ति बनाना होगा, क्योंकि किसी भी संकट में सबसे पहले वही लोग प्रभावित होते हैं और वही सबसे पहले सहायता भी कर सकते हैं। दुनिया को जापान, स्विट्जरलैंड और अन्य पर्वतीय देशों से आपदा-प्रबंधन, भवन सुरक्षा, पूर्व चेतावनी और स्थानीय प्रशिक्षण की तकनीक सीखनी चाहिए। हिमालय को केवल पर्यटन और आर्थिक विकास का क्षेत्र मानना अब पर्याप्त नहीं है इसे एक जीवित, संवेदनशील और अत्यंत नाजुक पारिस्थितिक तंत्र के रूप में देखना होगा। प्रकृति को नियंत्रित करने की मनुष्य की महत्वाकांक्षा जितनी बढ़ेगी, प्रकृति का प्रतिरोध भी उतना ही भयावह हो सकता है। नेपाल की त्रासदी इसलिए केवल शोक मनाने का अवसर नहीं, बल्कि आत्ममंथन का क्षण है। हमें यह समझना होगा कि पहाड़ों को जीतना नहीं, उनके साथ जीना सीखना होगा। विकास की गति को प्रकृति की क्षमता के अनुरूप करना, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करना, वैज्ञानिक चेतावनियों को गंभीरता से लेना और सीमापार सहयोग बढ़ाना ही भविष्य की राह है। यदि इस त्रासदी से भारत और दुनिया ने समय रहते सबक ले लिया, तो नेपाल में बहा हुआ पानी केवल विनाश की कहानी नहीं रहेगा, वह आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित रखने की चेतावनी और नई पर्यावरणीय चेतना का संदेश भी बनेगा।लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

आदिवासी टोला में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

200 से अधिक लोगों की जांच के साथ दवाइयों का वितरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। जिला एड्स बचाव एवं नियंत्रण इकाई कटिहार एवं ड्रिमी होम एजुकेशन एंड वेलफेयर ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में शहर आदिवासी टोला में एकीकृत स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में स्वास्थ्य विभाग की विशेषज्ञ टीम के सहयोग से क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श एवं जांच सेवाएं उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग के पर्यवेक्षक मिथिलेश कुमार ठाकुर, डॉ. आभा कुमारी,परामर्शदाता अश्वनी कुमार, लैब तकनीशियन राहुल कुमार, पवन कुमार एवं जितेन्द्र महाराज की देखरेख में लगभग 200 लोगों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस शिविर में मुख्य रूप से एचआईवी, हेपेटाइटिस 'बी एवं 'सी', सिफलिस, ब्लड प्रेशर तथा शुगर की जांचें की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्था की अध्यक्ष प्रतिमा तमांग ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग और ट्रस्ट के सहयोग से भविष्य में भी लगातार ऐसे शिविर आयोजित किए जाएंगे। सचिव आभा कुमारी ने बताया कि स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ संस्था द्वारा समय-समय पर बाल विवाह रोकथाम,शिक्षा प्रोत्साहन तथा असहाय वर्ग के लिए मुफ्त परामर्श शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे।वहीं कोषाध्यक्ष शमा गौतम ने कहा कि संस्था समाज के गरीब और वंचित वर्ग की मदद के लिए सदैव तत्पर है। कार्यक्रम के दौरान ट्रस्ट की सीमा पूर्वे तथा कोर कमेटी सदस्य सीमा श्रीवास्तव व मनीषा कुमारी भी मुख्य रूप से उपस्थित रहीं।संस्था द्वारा जानकारी दी गई कि समाज सेवा की इस कड़ी में आगामी 5 सितंबर को दो विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। चमरिया कॉलेज के समीप आदिवासी टोला एवं दलन क्षेत्र में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर,बस स्टैंड परिसर में विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा।संस्था ने आम जनमानस से अपील किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इन शिविरों का लाभ उठाये।

हवा भरने के दौरान टायर फटा, गैरेज कर्मी घायल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फलका (कटिहार)। फलका बाजार स्थित एक बाइक गैरेज में बुधवार की सुबह करीब दस बजे एक बड़ा हादसा हो गया।ट्रैक्टर की ट्रॉली में हवा भरने के दौरान अचानक टायर ब्लास्ट कर गया। इस दुर्घटना में हवा भर रहा युवक सह गैरेज कर्मी गंभीर रूप से जख्मी हो गया। घायल युवक की पहचान मोरसंडा गांव निवासी गुलशन कुमार ठाकुर (25) के रूप में हुई है। घटना के बारे में बताया जाता है कि गुलशन कुमार ठाकुर फलका बाजार स्थित अपने जीजा गुड्डू कुमार निवासी गोपालपट्टी के बाइक गैरेज में काम करता था। बुधवार सुबह वह एक ट्रैक्टर की ट्रॉली के टायर में हवा भर रहा था, तभी अचानक जोरदार धमाके के साथ टायर फट गया।धमाका इतना तेज था कि गुलशन बुरी तरह घायल हो गया।घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से जख्मी युवक को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फलका लाया गया।

कोलासी पेट्रोल पंप के पास पिकअप ने बाइक में मारी टक्कर, दो भाई गंभीर रूप से घायल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोढा (कटिहार)। कोढ़ा थाना क्षेत्र के कोलासी पुलिस शिविर अंतर्गत एनएच-81 पर कोलासी पेट्रोल पंप के समीप बुधवार को एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन और बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस सड़क हादसे में बाइक सवार खेरिया गांव निवासी दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक सवार बाइक से कोलासी की ओर से गेडाबाड़ी जा रहे थे। इसी दौरान गेराबाड़ी की दिशा से आ रहे पिकअप वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर मौजूद स्थानीय लोग तुरंत मदद के लिए आगे आए। लोगों ने दोनों घायलों को सड़क से उठाया और उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए तत्काल इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज कटिहार भेज दिया। वहां दोनों घायलों का इलाज जारी है। घटना के बाद उनके परिजनों को भी सूचना दे दी गई।स्थानीय लोगों का कहना है कि एनएच-81 पर लगातार तेज गति से वाहनों का परिचालन होने के कारण सड़क हादसों का खतरा बना रहता है। कोलासी पेट्रोल पंप के आसपास वाहनों की आवाजाही अधिक होने से दुर्घटनाओं की संभावना भी बढ़ जाती है। सूचना मिलने के बाद कोलासी पुलिस मामले की जानकारी जुटाने में लगी हुई है। दुर्घटना में शामिल पिकअप वाहन के संबंध में भी जांच की जा रही है। समाचार लिखे जाने तक दोनों घायलों की स्थिति गंभीर बनी हुई थी। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर आगे की कार्रवाई में जुटी है।

संक्षिप्त समाचार

सर्प दंश से युवक की मौत

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड क्षेत्र के चितौरिया चमगहरा संथाली टोला में एक युवक की सर्पदंश से मौत हो गई। बताया जाता है कि बुधवार की अहले सुबह करीब चार बजे मृतक तल्लू मुर्मू (41) घर के पास ही खेत में शौच करने गया था इसी क्रम में उसे जहरीले सर्प ने काट लिया जिस कारण घर पहुंचते ही उसकी मौत हो गई। मृतक अपने पीछे पत्नी सहित दो छोटे छोटे बच्चे छोड़ गया। वह अपने घर एक मात्र कमाने वाला व्यक्ति था। वह किसी तरह मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। पंचायत के मुखिया दीपनारायण पासवान, समाजसेवी भोला साह आदि ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को जल्द जल्द सरकारी प्रावधानों के अनुसार मुआवजा देने की मांग की है।

चारपहिया वाहन से 252 लीटर विदेशी शराब बरामद, चालक गिरफ्तार

बरारी/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। बरारी पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बुधवार की सुबह रौनियां पंचायत स्थित चंदू बाबा स्थान के समीप छापेमारी कर एक चारपहिया वाहन से 252 लीटर विदेशी शराब बरामद की। पुलिस ने मौके से वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया है । गिरफ्तार चालक की पहचान रौनियां पंचायत निवासी राकेश कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में कटिहार जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष सुमेश कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि रौनियां पंचायत के चंदू बाबा स्थान के पास शराब तस्कर बंगाल से बड़ी मात्रा में विदेशी शराब लेकर पहुंचने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बुधवार की सुबह करीब पांच बजे चंदू बाबा स्थान के समीप घेराबंदी कर छापेमारी शुरू की।इसी दौरान एक चारपहिया वाहन को रोककर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान वाहन से 252 लीटर विदेशी शराब बरामद हुई। पुलिस के अनुसार बरामद शराब को जब्त कर वाहन को भी थाना लाया गया है।पुलिस गिरफ्तार चालक से पूछताछ कर शराब की खेप कहां से लाई गई थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था इसकी जानकारी जुटाने में लगी है।पुलिस तस्करी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश कर रही है।थानाध्यक्ष ने बताया कि शराब तस्करी के खिलाफ थाना क्षेत्र में लगातार अभियान चलाया जा रहा है।इसी क्रम में गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि शराब के अवैध कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। छापेमारी अभियान में थानाध्यक्ष सुमेश कुमार के अलावा एसआई अमन कुमार, राजनेता कुमार, आलोक कुमार, कौशल कुमार समेत बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी शामिल रहे ।

समारोहपूर्वक हुई रसोईया बिजय मंडल की विदाई

डंडखोरा/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड क्षेत्र के कुताई साह मध्य विद्यालय टिकैली में कार्यरत रसोईया बिजय मंडल को विद्यालय प्रबंधन ने समारोहपूर्वक विदाई दी है। बता दें कि 60 वर्ष की उम्र पूरी हो जाने के कारण अब वे विद्यालय में मध्याह्न भोजन पकाने में अपनी सेवा नहीं दे सकेंगे। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक प्रवीण कुमार विश्वास की अध्यक्षता में आयोजित समारोह मे पूर्व प्रमुख सह पंचायत समिति सदस्य सूरज साह, समाजसेवी अरुण मिस्त्री, पूर्व पैक्स सदस्य कमल यादव, विद्यालय शिक्षा समिति के अध्यक्ष नूतन देवी अतिथि के रुप में शामिल रहे। वक्ताओं ने उनके कार्यकाल की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका कार्यकाल बेदाग रहा है।किसी को भी उनसे कोई शिकायत नहीं रही।प्रधानाध्यापक ने कहा कि उन्होंने दी गई हर जिम्मेवारी को पूरी इमानदारी से निभाया।उनके विद्यालय में नहीं होने की कमी शिक्षकों हीं नही छात्र-छात्राओं को भी खलेगी। विजय मंडल ने कहा विद्यालय में जबसे मध्याह्न भोजन शुरू हुआ वे तब से रसोईया का काम करते आ रहे हैं। विद्यालय परिवार के जैसा लगता था।सरकारी संस्थान नियम से चलता है। इसलिए उम्र पूरी हो जाने के कारण हम अब काम नहीं कर सकेंगे, लेकिन इसका हमें मलाल है। शिक्षक संदीप कुमार, भोला प्रसाद मंडल, सुमन कुमार सहित अन्य शिक्षक व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

तेयुप की ओर से भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। शहर के जैन अतिथि सभागार में मुनिश्री प्रशांत कुमार, मुनिश्री कुमुद कुमार के सान्निध्य में कटिहार तेरापंथ युवक परिषद की ओर से भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस मौके पर उपस्थित जन को संबोधित करते हुए मुनिश्री प्रशांत कुमार ने कहा - भाषण प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागियों ने अपने अंदाज से बहुत अच्छी प्रस्तुति दी। अनेक विषयों पर विचार प्रतिभागियों ने व्यक्त किए।इन विषयों पर जितना बोला जाएं उतना कम है। भाषण प्रतियोगिता का उद्देश्य प्रतिभा का विकास, बोलने की कला का विकास।मंच पर प्रस्तुति देने से साहस एवं आत्मविश्वास बढ़ता है। व्यक्तित्व विकास का एक सुन्दर माध्यम है इस तरह की प्रतियोगिता। प्रतियोगिता में भाग लेने से व्यक्ति कितना कितना ज्ञान अर्जित कर लेता है। कटिहार में सीपीएस की क्लास भी आयोजित हुई थी जो एक माध्यम बनी प्रतिभा विकास का। बिना देखे बोलने से बोलने की कला का एक अच्छा विकास होता है। बोलने से पूर्व विषय की जानकारी अपेक्षित है। पढ़ने से नई नई जानकारी मिलती है। तेरापंथ युवक परिषद एक माध्यम बनी है प्रतिभा विकास का उन्हें साधुवाद। मौके पर उपस्थित नीरज दुगड़ ने बताया कि तेरापंथ महिला मंडल की सदस्यों ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। विषय प्रस्तुति राकेश सुराणा ने दी।समय पालक की भूमिका आयुष घोड़ावत ने पूर्ण की। प्रतियोगिता दो ग्रुप में आयोजित हुई। जुनियर ग्रुप में प्रथम स्थान सुश्री भावना चौरड़िया, द्वितीय स्थान सुश्री रुचिका घोड़ावत, तृतीय स्थान मास्टर श्रेयांस संचेती ने प्राप्त किया। सीनियर ग्रुप में प्रथम स्थान अमित पटावरी, द्वितीय स्थान टीना जैन, तृतीय स्थान खुशबू छाजेड़ ने प्राप्त किया। संयोजन मुनिश्री कुमुद कुमार एवं श्रेयांस खटेड़ ने किया। आभार अमित पटावरी ने किया।

गैर संचारी रोगों की लेकर चलाया जाएगा जांच अभियान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डंडखोरा (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में गैर संचारी रोगों की खोज को लेकर 02 सितंबर से जांच अभियान शुरू हो गया है।यह अभियान 30 नवंबर तक चलेगा।इस दौरान गैर संचारी रोग की खोज कर पीड़ित को इलाज उपलब्ध कराया जाएगा।उक्त जानकारी प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक एक्लाख अहमद ने दी है। उन्होंने बताया कि आशा कर्मी घर-घर जाकर 30 वर्ष से उपर के महिला और पुरुष को गैर संचारी रोगों की जानकारी और उसके गंभीर परिणाम को लेकर जागरुक कर निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र में जांच कराने के लिए प्रोत्साहित करेंगी।सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में शूगर,ब्लड प्रेशर सहित मूंह,बच्चेदानी और स्तन कैंसर की जांच चिकित्सा पदाधिकारी एवं सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी के नेतृत्व में किया जाएगा।उन्होंने बताया कि महिला रोगियों को आवश्यकतानुसार सदर अस्पताल भेजकर जांच कराया जाएगा। बीएचएम ने बताया कि पूरे प्रदेश में चलाये जाने वाले इस अभियान की माननीय मुख्यमंत्री ने पटना में शुभारंभ कर दिया है।उन्होंने बताया कि जांच में रोग की पुष्टि होने पर चिकित्सकीय सलाह और दवा मुफ्त में उपलब्ध करायी जाएगी। बीएचएम ने प्रखंड क्षेत्र के 30 वर्ष से अधिक उम्र वाले लोगों से निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र में अपना जांच अवश्य करा लेने की अपील की है।

नए सिरे से पंचायतों के परिसीमन को लेकर कर्मियों को प्रशिक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बारसोई (कटिहार)। पंचायत चुनाव से पहले-पहले सूबे में पंचायतों के नए सिरे से परिसीमन किए जाने की प्रक्रिया अब तेज हो गई हैं। प्रखंड सभागार में पंचायत परिसीमन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गयीं। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी सह प्रखंड निर्वाचन पदाधिकारी बारसोई चंदन प्रसाद ने की। बैठक में प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी अशोक कुमार मुख्य रूप से मौजूद रहे। राज्य निर्वाचन आयोग पटना के निर्देश पर आयोजित इस बैठक में परिसीमन कार्य से जुड़े कर्मियों को आवश्यक प्रशिक्षण दिए गए । मौके पर बीडीओ और तकनीकी सहायक ने कर्मियों को परिसीमन की प्रक्रिया, निर्धारित मानकों और मोबाइल एप के माध्यम से किए जाने वाले कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। बैठक में बताया गया कि पंचायत परिसीमन का प्रारंभिक कार्य मोबाइल एप के जरिए किया जाएगा। कर्मियों को एप के संचालन और परिसीमन से संबंधित प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया। प्रशासन ने परिसीमन कार्य को निर्धारित नियमों और मानकों के अनुरूप पूरा करने पर जोर दिया। प्रशिक्षण के दौरान यह भी जानकारी दी गई कि पंचायतों के गठन के लिए लगभग 7 हजार से 8 हजार की जनसंख्या को आधार बनाने की योजना है। परिसीमन के दौरान जनसंख्या, भौगोलिक स्थिति और अन्य निर्धारित मानकों का विशेष ध्यान रखा जाएगा। इस संबंध में बुधवार को बीडीओ चंदन प्रसाद ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग ने वर्ष 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर पंचायतों के नई सीमा के निर्धारण का निर्देश दिया है।परिसीमन प्रक्रिया पूरी होने के बाद पंचायतों की सीमाएं, वार्ड और संबंधित क्षेत्र परिवर्तित हो सकते हैं। गौरतलब हो कि बारसोई प्रखंड क्षेत्र में पंचायतों के नए सिरे से परिसीमन किए जाने को लेकर पंचायत चुनाव में उम्मीदवारी की तैयारी कर रहे लोगों में असमंजस की स्थिति देखी जा रही है।

कोलासी पुल के नीचे अज्ञात महिला का मिला शव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोढा (कटिहार)। कोढ़ा थाना क्षेत्र के कोलासी पुलिस शिविर अंतर्गत कोलासी पुल के नीचे बुधवार को एक अज्ञात महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। पुल के नीचे महिला का शव पड़े होने की खबर मिलते ही आसपास के लोगों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई। घटना की सूचना तत्काल कोलासी पुलिस शिविर को दी गई। सूचना मिलते ही कोलासी पुलिस शिविर प्रभारी श्रवण कुमार दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से महिला के शव को बाहर निकाला। इसके बाद पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ कर महिला की पहचान कराने का प्रयास शुरू किया। हालांकि समाचार लिखे जाने तक शव की पहचान नहीं हो सकी।पुलिस द्वारा आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव का पंचनामा तैयार किया गया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल कटिहार भेज दिया गया है। महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। इधर पुल के नीचे महिला का शव मिलने की खबर से स्थानीय लोगों में तरह-तरह की चचाएं तेज हो गई हालांकि पुलिस ने इस संबंध में फिलहाल कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच में जुट गई है। कोलासी पुलिस शिविर प्रभारी श्रवण कुमार ने बताया कि अज्ञात महिला का शव बरामद किया गया है।

चुनाव में इस्तेमाल वाहनों का भाड़ा की नहीं मिलने से चालकों में आक्रोश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आजमनगर (कटिहार)। प्राणपुर विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचन के लिए वर्ष 2025 में लिए गए वाहन के भाड़े की राशि अब तक निर्वाचन अधिकारियों के द्वारा भुगतान नहीं किए जाने से नाराज वाहन चालकों ने बुधवार को आजमनगर प्रखंड मुख्यालय में प्रदर्शन कर आक्रोश व्यक्त किया। वाहन चालकों का कहना है कि विधानसभा चुनाव के समय गाड़ी जबरदस्ती जप्त कर अपना काम तो निकाल लिया। परंतु जो उचित भाड़े की राशि निर्वाचन आयोग द्वारा तय की गई थी अब तक नहीं मिल पाया है। वाहन चालक लगातार प्रखंड मुख्यालय का चक्कर काट रहे हैं। कोई ना कोई बहाना लगाकर प्रखंड मुख्यालय से बैरंग लौटा रहे हैं। वाहन चालकों में सनेहित ब्याहुत, सरफराज आलम, मीर मोहम्मद मुश्फिक आदि सहित सैकड़ो की तादाद में चालकों ने प्रखंड मुख्यालय के समक्ष प्रदर्शन करते हुए प्रशासनिक अधिकारियों के विरुद्ध नारेबाजी की। साथ ही अभिलंब बकाया की राशि भुगतान करने की जिला पदाधिकारी कटिहार से मांग की।

राहुल गांधी पर दर्ज मुकदमे के विरोध में कांग्रेस का विरोध मार्च

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में लोकसभा मे विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर दर्ज राजनीति से प्रेरित मुकदमे के विरोध में एक शांतिपूर्ण विरोध मार्च निकाला गया। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह के नेतृत्व मे यह मार्च शहर के टाउन हॉल से प्रारंभ होकर शहीद चौक पहुंचा।यह मुकदमा पूरी तरह से झूठा, निराधार और राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से प्रेरित है। केंद्र सरकार जब-जब जनता के असली मुद्दों - महंगाई, बेरोजगारी, छात्रों और किसानों की समस्याओं पर घिरती है, तब-तब वह श्री राहुल गांधी जी की आवाज को दबाने के लिए जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करती है।अध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि हमारी मांग है कि हमारे नेता राहुल गांधी पर किया गया मुकदमा राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित है। उनपर लगाया गया झूठा मुकदमा तुरंत वापस लिया जाए। जांच एजेंसियों के राजनीतिक दुरुपयोग पर रोक लगाई जाए। झूठे मुकदमों और राजनीतिक षड्यंत्र के खिलाफ आवाज उठाना हमारा अधिकार है। लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करने वाले कांग्रेस कार्यकताओं पर किसी भी तरह की दमनात्मक कार्रवाई बंद की जाए। मुकदमों से हम डरते नहीं, सच की लड़ाई लड़ते है। हम कांग्रेसजन अन्याय के खिलाफ है। हम इस तानाशाही के आगे झुकने वाले नही है। इस मौके पर कांग्रेसी नेताओं ने जमकर नारेबाजी की। इस मौके पर बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष सऊद आलम, वरिष्ठ नेता संजय सिंह, जिला प्रवक्ता पंकज कुमार तमाखुवाला, नगर अध्यक्ष अ राज आनंद सिंह, नगर अध्यक्ष ब रिंकू मिश्रा, सौरभ कुमार, डॉ. बिपिन सिंह, संतोष यादव, सीबी सिंह, मो. असलम, मीनाक्षी श्वेता, मशरूर आलम, पुतुल सिंह, विक्रम पासवान, राकेश यादव, मो. वहाब, मो रियाज, प्रशांत गिरी, अमर तिवारी, जटाशंकर झा, मो ताहिर, धनंजय ठाकुर, माधव पाण्डेय,नितिन सिंहा , मुकेश कुमार, कैलाश कुमार मंडल, नीतीश कुमार, राजा यादव, मोहर्रम खान आदि नेताओं की उपस्थिति मुख्य रूप से रही।

जिला जनसंपर्क पदाधिकारी ने मॉडल स्कूल आजमनगर में किया शिक्षण सत्र का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। जिला पदाधिकारी के निर्देश पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी कन्हैया कुमार ने आर.के उच्च विद्यालय आजमनगर में स्थापित मॉडल स्कूल पहुंच कर विशेष शिक्षण सत्र का आयोजन किया इस दौरान उन्होंने कक्षा 9वीं तथा 10 वीं के विद्यार्थियों को सामान्य ज्ञान के साथ महत्वपूर्ण अन्य विषयों एवं योजनाओं की जानकारी दी।डीपीआरओ के अनुसार शिक्षण के दौरान विद्यार्थियों में विषयों के प्रति रुचि, जिज्ञासा एवं सहभागिता विशेष रूप से देखने को मिली। बच्चों को संवाद और सरल माध्यम से विषय को समझाने का प्रयास किया गया।जिससे उनमें सीखने के प्रति उत्साह और आत्मविश्वास बढ़ा। इस क्रम में उन्होंने विद्यालय के कक्षाओं, प्रयोगशाला एवं शौचालय सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं का भी निरीक्षण किया। वहीं विद्यालय की शैक्षणिक एवं आधारभूत व्यवस्था का जायजा लिया गया। जिलाधिकारी की इस अभिनव पहल निश्चित रूप से जिले की शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी। प्रशासनिक अधिकारियों का विद्यालयों में पहुँचकर बच्चों के साथ सीधे संवाद करना न केवल विद्यार्थियों को प्रेरित करेगा, बल्कि ह्लपढ़ाई के प्रति रुचि और सीखने की संस्कृति" को भी मजबूत करेगा। जिला प्रशासन और विद्यालय के बीच बेहतर समन्वय, बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए इस एक सार्थक प्रयास माना जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

टाटा ग्रुप में एन चंद्रशेखरन के उत्तराधिकारी की खोज की प्रक्रिया रुकी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस में

एन चंद्रशेखरन के उत्तराधिकारी का खोज का काम रुका हुआ है। इसकी वजह एक रेगुलेटरी अड़चन है। चंद्रशेखरन ने पिछले महीने घोषणा की थी कि वह तीसरे कार्यकाल के लिए अपनी दावेदारी पेश नहीं करेंगे। उनका कार्यकाल फरवरी तक है। लेकिन ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक चंद्रशेखरन की घोषणा के करीब तीन हफ्ते बाद भी टाटा ग्रुप उनके उत्तराधिकारी की खोज की प्रक्रिया शुरू नहीं कर पाया है। सूत्रों के मुताबिक चंद्रशेखरन के उत्तराधिकारी की खोज की प्रक्रिया इसलिए रुकी हुई है क्योंकि सर रतन टाटा ट्रस्ट के खिलाफ एक जांच चल रही है। इस कारण वह अपनी आंतरिक बैठकें नहीं कर पा रहा है। यही वजह है कि स्त्र्क्षअ पांच सदस्यीय जॉइंट सर्च पैनल के लिए अपना प्रतिनिधि नामित नहीं कर पा रहा है। टाटा ट्रस्ट्स का टाटा संस में मैज्योरिटी स्टेक है। इसके चेयरमैन नोएल टाटा हैं। सूत्रों का कहना है कि इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए टाटा ट्रस्ट्स ने महाराष्ट्र के चैरिटी कमिश्नर से को सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट द्वारा घोषित पैनल में अपना प्रतिनिधि नियुक्त करने की अनुमति देने का अनुरोध किया है। टाटा संस और टाटा ट्रस्ट्स के प्रतिनिधियों ने टिप्पणी के अनुरोधों का तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। आयोजित करने के लिए तीन महीने की मोहलत दी है। SRTT की ओर से मीटिंग्स पर रोक लगाने की वजह से टाटा संस को पिछले महीने कोरम पूरा न होने के कारण अपनी सालाना आम बैठक टालनी पड़ी थी।

नौकरी नहीं छोड़ते तो कितना कमाते ट्रेडर ने बताया 1.5 करोड़, मां बोली- हर महीने 12 लाख का नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। हाई सैलरी वाली कॉरपोरेट नौकरी छोड़कर फुल-टाइम स्टॉक ट्रेडिंग को करियर बनाने वाले एक ट्रेडर की कहानी सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई है। ट्रेडर सौरव ने एक्स पर अपनी कहानी शेयर करते हुए बताया कि उन्होंने कई साल पहले 33 साल की उम्र में कॉरपोरेट नौकरी छोड़ने का फैसला किया था। उनके इस फैसले का परिवार के लोगों ने विरोध भी किया था। सौरव के मुताबिक, उनके पिता ने भी उन्हें सलाह दी थी कि नौकरी जारी रखते हुए शेयर बाजार में ट्रेडिंग करें। उनका मानना था कि स्थिर आमदनी वाली नौकरी छोड़ने की कोई जरूरत नहीं है। हालांकि, सौरव ने अपनी नौकरी छोड़ने और पूरी तरह अपने हिसाब से जिंदगी जीने का फैसला किया। सौरव ने बताया कि आज पीछे मुड़कर देखने पर उन्हें अपना यह फैसला जिंदगी के सबसे अच्छे फैसलों में से एक लगता है। हाल ही में उनकी मां ने उनसे पूछा कि अगर उन्होंने कॉरपोरेट नौकरी नहीं छोड़ी होती तो आज उनकी कमाई कितनी होती। सौरव ने अनुमान लगाया कि अगर वह नौकरी में बने रहते तो उनकी सालाना सैलरी अब तक कम से कम 1.5 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती थी। उनकी मां ने तुरंत इसका हिसाब लगाया और मजाकिया अंदाज में कहा कि नौकरी छोड़कर वह करीब 12 लाख रुपये हर महीने गंवा रहे हैं। सौरव ने इस बातचीत के जरिए यह समझाने की कोशिश की कि जिंदगी में हर चीज की कीमत पैसों से नहीं लगाई जा सकती। उनका कहना है कि आजादी और मन की शांति को सिर्फ कमाई के आंकड़ों में नहीं मापा जा सकता। इसे वही व्यक्ति समझ सकता है, जिसने खुद इसका अनुभव किया हो। सौरव की पोस्ट वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं।

पूरे देश में चीनी की स्टॉक लिमिट आधी तो कोलकाता को क्यों मिली छूट

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहारी सीजन से पहले केंद्र सरकार ने चीनी की जमाखोरी और सट्टेबाजी पर रोक लगाने के लिए देशभर के थोक चीनी व्यापारियों के लिए स्टॉक लिमिट आधी कर दी है। हालांकि, कोलकाता और उसके आसपास के मेट्रोपॉलिटन इलाकों को इस बदलाव से छूट दी गई है। यहां चीनी व्यापारियों के लिए अधिकतम स्टॉक सीमा 4,000 क्विंटल ही रहेगी। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के मुताबिक, देश के बाकी हिस्सों में चीनी व्यापारियों के लिए स्टॉक लिमिट 4000 क्विंटल से घटाकर 2000 क्विंटल कर दी गई है। यह नई सीमा 15 सितंबर से 30 नवंबर 2026 तक लागू रहेगी। सरकार ने कोलकाता और आसपास के मेट्रोपॉलिटन इलाकों को विशेष छूट दी गई है। यहां 4,000 क्विंटल की मौजूदा सीमा बरकरार रखी है। इसके पीछे ये कारण प्रमुख हैं: पश्चिम बंगाल में गन्ने की खेती नहीं होती और न ही यहां चीनी का उत्पादन होता है। ऐसे में यह राज्य दूसरे राज्यों से आने वाली चीनी पर निर्भर रहता है। कोलकाता एक महत्वपूर्ण चीनी व्यापार केंद्र है। यहां उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे प्रमुख चीनी उत्पादक राज्यों से चीनी आती है और इसके बाद इसकी सप्लाई देश के पूर्वी और पूर्वोत्तर राज्यों में की जाती है। अगर कोलकाता में लिमिट आधी की जाती तो देश के पूर्वी और पूर्वोत्तर राज्यों में सप्लाई चेन में बाधा आती और वहां चीनी की कमी हो सकती थी, जिससे कीमत बढ़ने का डर

रहता। इस समय पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा महोत्सव की तैयारियां चल रही हैं। इसमें बड़े पैमाने पर मिठाइयां बनाई जाती हैं। चीनी की कमी से त्योहार फीका पड़ सकता था। बंगालियों को मिठाई काफी पसंद होती है। वहां मिठाई की मांग 12 महीने रहती है। ऐसे में चीनी की कमी से वहां त्योहारी सीजन में इसकी कीमत में इजाफा और फिर महंगाई बढ़ने की आशंका थी।

बाकी देश में क्या बदला

नई व्यवस्था के तहत देशभर में कोलकाता को छोड़कर कोई भी चीनी व्यापारी किसी भी समय 2,000 क्विंटल से ज्यादा चीनी स्टॉक में नहीं रख सकेगा। साथ ही, खरीदी गई चीनी को स्टॉक में रखने की अवधि भी 30 दिनों से अधिक नहीं होनी चाहिए। सरकार का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य चीनी की जमाखोरी रोकना, सट्टेबाजी वाले कारोबार को हतोत्साहित करना और बाजार में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखना है। इससे सप्लाई चेन में चीनी की आवाजाही बेहतर होने और उपभोक्ताओं को उचित कीमत पर चीनी उपलब्ध कराने में मदद मिलने की उम्मीद है। सरकार ने देशभर में चीनी मिलों, डीलरों और व्यापारियों के पास मौजूद स्टॉक की निगरानी और फिजिकल वेरिफिकेशन भी तेज किया है। इसके दौरान जरूरत से ज्यादा स्टॉक रखने, स्टॉक की जानकारी नहीं देने और चीनी की बिक्री व आवाजाही में गड़बड़ी जैसे मामलों की पहचान की गई। सरकार के मुताबिक, बाजार में चीनी की बेहतर उपलब्धता और इन निगरानी उपायों के चलते हाल के दिनों में एक्स-मिल चीनी की कीमतों में करीब 30 फीसदी की गिरावट आई है।

फेस्टिव सीजन में निवेशकों की मौज! इस महीने आईपीओ से 25,000 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। सितंबर का महीना उन निवेशकों के लिए शानदार रहने वाला है पैसा लगाना पसंद करते हैं। कंपनियां इस महीने 20,000 से 25,000 करोड़ रुपये के लॉन्च करने वाली हैं। जानकारों के मुताबिक, सितंबर में करीब 25 कंपनियां अपना लाने की लाइन में खड़ी हैं।

इनमें से कई कंपनियां अपनी लिस्टिंग इसलिए पूरी करना चाहती हैं ताकि मार्केट रेगुलेटर सेबी से मिली उनकी मंजूरी लैप्स न हो जाए। इस लिस्ट में बड़ी और मध्यम दोनों तरह की कंपनियां शामिल हैं, जिनमें से कई कंपनियां 500 करोड़ रुपये से ज्यादा जुटाने की तैयारी में हैं। जेएम फाइनेंशियल की एमडी और सीईओ (इन्वेस्टमेंट बैंकिंग) सोनिया दासगुप्ता ने श्वअ को बताया कि सितंबर में आने वाले की लाइन दिखाती है कि भारतीय शेयर बाजार कितना मजबूत है। यह इस बात का भी संकेत है कि कंपनियों के मन में जो हिचक थी, वह अब दूर हो रही है। इसी साल अप्रैल में सेबी ने उन कंपनियों को एक बार की छूट दी थी, जिनके आईपीओ की मंजूरी 1 अप्रैल से 30 सितंबर 2026 के बीच खत्म होने वाली थी। उन्हें इस मंजूरी का इस्तेमाल 30 सितंबर तक करने की इजाजत दी गई है।

मुझे गंभीरता से नहीं लेते थे', वाट्सएप से जोड़े ग्राहक, 3 लाख से शुरू किया ऐसा काम कि अब 20 करोड़ की कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। संजना त्रिपुरमल्लू आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा की रहने वाली हैं। वह नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन

अहमदाबाद से पासआउट हैं। उन्होंने कुछ ही सालों में एक सफल कारोबार खड़ा कर दिया है। इसकी नींव संजना ने 2021 में सिर्फ 3 लाख रुपये से रखी थी। उनके स्टार्टअप का नाम 'कॉस्मॉस डायमंड्स' है। बेंगलुरु का यह स्टार्टअप लैब-ग्रोन डायमंड की बिक्री करता है। इस ब्रांड ने पारदर्शिता और '100% बायबैक' पॉलिसी के दम पर 20 करोड़ रुपये के रेवेन्यू का आंकड़ा छू लिया है। आइए, यहां संजना त्रिपुरमल्लू की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। अहमदाबाद से पासआउट संजना त्रिपुरमल्लू ने अपने करियर की शुरुआत सैमसंग से की। साल 2020 में अपनी सगाई के लिए उन्हें मनपसंद नीले-हरे रंग के हीरे की अंगूठी चाहिए थी। इस तलाश के दौरान उन्हें पारंपरिक डायमंड मार्केट की भारी अनिश्चितताओं और कीमतों के बड़े अंतर का अहसास हुआ। डीप रिसर्च के दौरान उन्हें खनन किए गए हीरों के पीछे के अवैध व्यापार का सच पता चला। इसके बाद उन्होंने लैब-ग्रोन डायमंड तकनीक के बारे में जाना। पर्यावरण के अनुकूल और शत-प्रतिशत समान क्वालिटी वाले इस विकल्प ने संजना को इतना प्रभावित किया कि उन्होंने गुजरात के मैन्युफैक्चरर्स से संपर्क कर खुद की सगाई की अंगूठी तैयार की। फिर दोस्तों की बढ़ती मांग को देखते हुए इसे एक व्यावसायिक रूप देने का फैसला किया।

सिर्फ 3 लाख रुपये से शुरुआत

साल 2021 में संजना ने अपने बेडरूम से 3 लाख रुपये की शुरुआती पूंजी से स्टार्टअप की नींव रखी। व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए ग्राहकों को जोड़ना शुरू किया। उस समय बाजार में लैब-ग्रोन डायमंड्स को लेकर भारी गलतफहमियां थीं। लोग इन्हें 'नकली' मानते थे। यहां तक कि कारीगर भी इनके साथ काम करने से कतराते थे। इस झिझक और पूर्वाग्रहों को दूर करने के लिए संजना ने ग्राहकों को जागरूक करने के मकसद से यूट्यूब पर वीडियो बनाने शुरू किए। ये काफी वायरल हुए। इसके बाद उन्होंने 2023 में विजयवाड़ा में अपना पहला फिजिकल स्टोर खोला। इसने पहले ही महीने से मुनाफा देना शुरू कर दिया। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया, 'कारीगर कहते थे कि यह असली हीरा नहीं है। वे इस पर काम नहीं करेंगे। निजी तौर पर वे मुझे गंभीरता से भी नहीं लेते थे। मुझसे अकेले आने के बजाय पिता को साथ लाने को कहते थे।' स्टार्टअप ने वित्त वर्ष 2025-26 में 20 करोड़ रुपये का रेवेन्यू दर्ज किया। इसमें से 35% बिक्री ऑनलाइन माध्यम से हुई।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र एवं यूनियन बैंक दे रहे हैं सबसे सस्ता पर्सनल लोन

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में कई बैंक और संस्थाएं कई प्रकार का लोन देती हैं। इनमें होम लोन, एजुकेशन लोन, कार लोन समेत अन्य लोन्स होते हैं। इसके अलावा एक लोन होता है पर्सनल लोन। आमतौर पर पर्सनल लोन लेने से लोगों को बचने की सलाह दी जाती है क्योंकि इसके लिए बैंक अन्य लोन की तुलना में अधिक ब्याज लेते हैं।

हालांकि, जब अधिक जरूरी हो या फिर आपका सिबिल स्कोर 750 से ज्यादा हो, तो आप जरूरत के हिसाब से पर्सनल लोन ले सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे बैंक/एनबीएफसी की लिस्ट दिखा रहे हैं जो अन्य की तुलना में सस्ता पर्सनल लोन ऑफर कर रहे हैं। ये आंकड़े 2026 के हैं।

कम ब्याज दर पर पर्सनल लोन देने वाले बैंक

देश में कई सारे बैंक हैं तो अपने पात्र ग्राहकों को पर्सनल लोन देते हैं। इनमें से कुछ के बारे में हम यहां बता रहे हैं। बैंक ऑफ महाराष्ट्र की बात करें तो यह ग्राहकों को 8.75 फीसदी से लेकर के 13.55 फीसदी की ब्याज तक से पर्सनल लोन देता है। यूनियन बैंक अपने पात्र ग्राहकों को 8.75 से लेकर के 12.55 फीसदी की ब्याज दर से पर्सनल लोन देता है। महिंद्रा फाइनेंस 8 से लेकर 25 फीसदी की ब्याज दर से पर्सनल लोन देता है। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया अपने पात्र ग्राहकों को 9.85 से लेकर के 11.65 फीसदी

की ब्याज दर से पर्सनल लोन देता है। केनरा बैंक 9.70 फीसदी से लेकर 15.15 फीसदी के ब्याज से पर्सनल लोन देता है। एक्सिस बैंक अपने ग्राहकों के लिए पर्सनल लोन की शुरुआत 9.99 फीसदी की ब्याज दर से करता है। आईसीआईसीआई बैंक ग्राहकों के लिए पर्सनल लोन की शुरुआत 9.99 फीसदी की ब्याज दर से करता है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक भी अपने ग्राहकों को पर्सनल लोन की शुरुआत 9.99 फीसदी की ब्याज दर से करते हैं।

सस्ता लोन लेने की मुख्य बातें: किसी भी बैंक से जब आप लोन लेना चाहते हैं तो आपके दिमाग में एक खास बात होती है कि सस्ता और जल्दी लोन मिल जाए। यहां बता दें कि आपको लोन कितनी सस्ती ब्याज दर से मिलेगा यह कई फैक्टर्स पर निर्भर करता है। इनमें क्रेडिट (सिबिल) स्कोर, सैलरी, जॉब प्रोफाइल समेत अन्य चीजें शामिल हैं। अगर आपका सिबिल स्कोर 750 है या इससे अधिक है तो आपको बैंक आसानी से लोन देने के लिए राजी हो जाते हैं। आपकी सैलरी अच्छी होनी चाहिए। अगर आपकी नौकरी स्थायी है तो बैंक आपको लोन देने के लिए आसानी से हां कर सकता है। लोन लेने के लिए आपको बैंकों के हिसाब से उसकी कुछ प्रोसेसिंग फीस भी देनी होती है। यह आमतौर पर 0 से लेकर 2 फीसदी तक होती है। किसी भी बैंक से लोन लेने से पहले आपको एक बार इस फीस की भी जांच कर लेनी होती है क्योंकि यह लोन की ब्याज दर के अलावा होती है। इन सभी के अलावा आपके पास जरूरी दस्तावेज होने चाहिए। इनमें पहचान पत्र के लिए आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड, पैन कार्ड हो सकते हैं। बिजली का बिल, इनकम सर्टिफिकेट, सैलरी स्लिप या बैंक स्टेटमेंट।

पीपीएफ वर्सेस केवीपीएन ये सरकारी स्कीम दे रही हैं धांसू रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। लोग भविष्य की जरूरतों को देखते हुए पैसों की बचत करते हैं। इसके लिए वे कई सारी योजनाओं में निवेश करते हैं। इसके साथ ही अपने एक्सपर्ट्स से सलाह भी लेते हैं। इस दौरान वे सरकारी और प्राइवेट दोनों जगहों पर अच्छी स्कीम की तलाश में होते हैं। इस बीच हम यहां आपके लिए दो सरकारी योजनाओं की तुलनात्मक खबर लेकर आए हैं। एक ऐसी योजना है, जिसमें टैक्स की बचत होती है तो दूसरी की सबसे खास बात यह है कि एक निश्चित समय में वह जमा राशि को डबल यानी की दोगुना कर देती है। इनका नाम सार्वजनिक भविष्य निधि और किसान विकास पत्र है। आइए जानते हैं कि इन दोनों में से दमदार कौन है और कहां पर सबसे अधिक रिटर्न मिल सकता है। शुरुआत हम पीपीएफ से करेंगे।

अब बात किसान विकास पत्र की करते हैं। वैसे योजना के नाम में किसान शब्द है, लेकिन यह सरकारी स्कीम केवल किसानों के लिए ही नहीं बल्कि पूरे भारतीयों के लिए है। आप इस योजना के तहत कम से कम 1000 रुपये से निवेश शुरू कर सकते हैं। इसमें अधिकतम

निवेश की कोई सीमा नहीं है। यह मुख्यतः तीन प्रकार के होते हैं, जो सिंगल होल्डर, ज्वॉइंट ए और ज्वाइंट बी नाम से हैं। सिंगल होल्डर एक व्यक्ति या नाबालिग के लिए होता है। 'ज्वाइंट ए' दो व्यक्तियों (अधिकतम तीन व्यक्ति) के लिए होता है। जिसमें दोनों (सभी) संयुक्त रूप से पैसे जमा करते हैं। 'ज्वाइंट बी' दो व्यक्तियों (अधिकतम तीन) के लिए होता है। इसमें किसी एक व्यक्ति या जीवित बचे व्यक्ति को पेमेंट किया जा सकता है। इस सरकारी बचत योजना में सरकार के द्वारा सालाना 7.5 फीसदी का चक्रवृद्धि ब्याज दिया जाता है। 30 महीनों तक आप खाते से पैसे नहीं निकाल सकते हैं। हालांकि, इसके बाद पैसे निकाले जा सकते हैं। वहीं, 7.5 फीसदी की वार्षिक ब्याज दर से निवेश की गई राशि 9 साल 7 महीने यानी कि करीब 115 महीनों डबल (दोगुनी) हो जाती है। एक्सपर्ट बताते हैं कि अगर आप अपने निवेश पर टैक्स में छूट के साथ पैसा बनाना चाहते हैं तो आप पीपीएफ में निवेश की प्लानिंग कर सकते हैं। इस योजना में 15 साल तक रिस्क फ्री तय ब्याज दर से रिटर्न की सुविधा होती है। टैक्स में छूट मिलने पर इसका नेट रिटर्न केवीपी से बेहतर हो सकता है। वहीं, अगर आप बिना टैक्स बचाए मोटी रकम लगाकर मोटा रिटर्न पाना चाहते हैं तो उसके लिए केवीपी योजना सही मानी गई है। यहां पैसे डबल करने की भी सुविधा है।

4 महीने में ही पीएम मोदी की अपीलों का ऐसा असर! 32% बढ़ गया सोने का आयात, सितंबर से फरवरी में बड़ा खेला

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1 सितंबर को एक बार फिर भारतीयों से सोना न खरीदने की अपील की, जिससे यह कीमती पीली धातु एक बार फिर चर्चा में आ गई है। इसी साल मई के बाद पीएम की यह दूसरी ऐसी अपील है, जिसके कारण ज्वेलरी कंपनियों के शेयरों में गिरावट आई है। माना जा रहा है कि त्योहारों और शादियों के अहम सीजन से ठीक पहले इस अपील से बिक्री पर बुरा असर पड़ सकता है। मध्य एशियाई देश किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक से मंगलवार को वीडियो मैसेज के जरिए की गई यह अपील ऐसे समय में आई है जब भारत ने इस तिमाही में उम्मीद से बेहतर 7.8% की आर्थिक वृद्धि दर्ज की है।

भारतीय परिवारों के लिए सोना अक्सर सिर्फ गहनों से कहीं ज्यादा होता है। यह बचत, सुरक्षा और परंपरा तीनों का मेल है। फिर भी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीयों से इसे खरीदने से पहले अच्छी तरह सोचने के लिए कह रहे हैं, जब तक कि इसकी सचमुच जरूरत न हो। इस साल की गई ऐसी दूसरी अपील के कारण ज्वेलरी कंपनियों के शेयरों में भी गिरावट आई है, क्योंकि त्योहारों और शादियों के अहम

सीजन से ठीक पहले इस कदम से बिक्री पर असर पड़ सकता है। मंगलवार को मोदी ने अपनी अपील दोहराते हुए लोगों से कहा कि वे सोने की गैर-जरूरी खरीदारी से बचें और इसके बजाय 'स्वदेशी' और आत्मनिर्भरता पर ज्यादा जोर दें। भारत दुनिया में सबसे ज्यादा सोना इस्तेमाल करने वाले देशों में से एक है, लेकिन मांग के मुकाबले घरेलू उत्पादन बहुत कम है। इसलिए, ज्वेलरी और निवेश के लिए इस्तेमाल होने वाले ज्यादातर सोने का आयात करना पड़ता है। द इकनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, तेल के बाद सोना भारत में सबसे ज़्यादा आयात की जाने वाली चीज है और यह व्यापार घाटे में बड़ी भूमिका निभाता है। अप्रैल से शुरू हुए वित्त वर्ष के पहले चार महीनों में सोने का आयात पिछले साल के मुकाबले 32% से ज्यादा बढ़ गया, जिससे रुपये पर दबाव बढ़ा। जुलाई में व्यापार घाटा बढ़कर लगभग 32 अरब डॉलर हो गया, जो जनवरी के बाद सबसे ज्यादा है। पिछले साल के मुकाबले स्त्रङ्घ26 में भारत का सोना आयात बढ़कर रिकॉर्ड 71.98 बिलियन डॉलर हो गया। 2023-24 में इंपोर्ट 45.54 बिलियन डॉलर और 2022-23 में 35 बिलियन डॉलर था। भारतीय परिवारों के लिए यह कीमती धातु सिर्फ सजावट की चीज नहीं, बल्कि एक मुख्य फाइनेंशियल एसेट है, जो महंगाई और व्यापक आर्थिक अनिश्चितता से बचाव का काम करती है। जब सोने का इंपोर्ट बढ़ता है, तो डॉलर की मांग बढ़ जाती है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार पर असर पड़ता है। इससे रुपया कमजोर होता है। पश्चिम एशिया में युद्ध और उसके बाद कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण भारत का विदेशी मुद्रा भंडार पहले से ही दबाव में है। घरेलू मांग पूरी करने के लिए सोना आयात करना जरूरी नहीं है। इसके बजाय, इसे रीसायकल किया जा सकता है, बेचा जा सकता है या लोन के लिए गिरवी रखा जा सकता है।

सोना 2,000 टूटा, चांदी में 3,500 की गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने और चांदी की कीमत में आज भारी गिरावट आई है। एमसीएक्स पर शुरुआती कारोबार में सोना 2,000 रुपये से ज्यादा सस्ता हो गया जबकि चांदी की कीमत में 3,500 रुपये से ज्यादा गिरावट आई है। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमत 95 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है। इसका असर सोने और चांदी की कीमत पर देखने को मिल रहा है। वैश्विक स्तर पर बिकवाली के बीच दिल्ली में सोने की कीमतों में मंगलवार को लगातार पांचवें दिन गिरावट आई। स्थानीय व्यापारियों के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 2,700 रुपये घटकर लगभग दो सप्ताह के निचले स्तर 1,58,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर सहित) रह गई, जबकि सोमवार को यह 1,60,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। पिछले पांच सत्रों में सोने में 8,900 रुपये या 5.3 प्रतिशत की गिरावट आई है। 25 अगस्त को इसकी कीमत 1,67,100 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई थी। चांदी की कीमत में भी 5,000 रुपये की गिरावट आई और यह 2,40,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) रह गई। सोमवार को यह 2,45,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर रही थी। एससीएक्स पर 5 अक्तूबर की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 1,51,729 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था

और आज 1,50,033 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 2,064 रुपये की गिरावट के साथ 1,49,665 रुपये तक गिरा। सुबह 9.28 बजे यह 1717 रुपये यानी 1.13 फीसदी गिरावट के साथ 1,50,012 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। 4 दिसंबर की डिलीवरी वाली चांदी पिछले सत्र में 235441 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी और आज 232536 रुपये पर खुली। शुरुआती कारोबार में यह 3,527 रुपये की गिरावट के साथ 231914 रुपये तक फिसली। सुबह 9.30 बजे यह 3,329 रुपये की गिरावट के साथ 2,32,112 रुपये पर ट्रेड कर रही थी।

इलाजरत आरोपित महिला चकमा देकर फरार

बेटे को जहर देने के आरोप में हुई थी गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज अस्पताल से बुधवार को इलाजरत एक आरोपी महिला फरार हो गई। बताया जा रहा है कि उक्त महिला पर अपने ही ढाई साल के मासूम बेटे को बिस्किट में जहर देकर हत्या करने का गंभीर आरोप है। मेडिकल कॉलेज से आरोपी महिला के फरार होने के बाद प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है।फरार महिला को अपने ढाई साल के मासूम बेटे को बिस्किट में जहर देकर मारने के आरोप में बीते दिनों गिरफ्तार किया गया था। वह मेडिकल कॉलेज के एमसीएच वार्ड में महिला पुलिस की अभिरक्षा में इलाजरत थी।

अब पुलिस फरार आरोपी महिला की तलाश में जुट गई है। मामला जिले के रामपुरहरि थाना क्षेत्र के टेंगरांहा उत्तरी टोला का है। यहां 20 अगस्त को अखिलेश राम के ढाई वर्षीय पुत्र आर्यन कुमार की मौत के मामले में उसकी पत्नी आरती देवी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा था। घटना के बाद महिला ने खुद भी जहर खा लिया था, जिसके बाद पुलिस ने उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया था। इलाज के बाद तबीयत ठीक होने पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया और जेल भेज दिया था। उस दौरान उक्त महिला दो माह की गर्भवती थी। इसी बीच करीब चार दिन पहले अचानक उसकी तबीयत फिर बिगड़ गई, जिसके बाद उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज लाया गया। यहां महिला पुलिस बल की अभिरक्षा में उसका इलाज चल रहा था। सुरक्षा कर्मियों की नजर हटते ही आरोपी महिला मौका पाकर अस्पताल से चुपके से फरार हो गई। बताया जा रहा है कि उसके फरार होने की भनक मौके पर तैनात महिला पुलिसकर्मियों को भी नहीं लगी। मेडिकल कॉलेज के कैदी वार्ड से आरोपी महिला के भागने की सूचना मिलते ही एसकेएमसीएच ओपी पुलिस और थाने की पुलिस हरकत में आ गई।

दिनदहाड़े जेवर दुकान में लूट

लाखों के जेवरात ले उड़े अपराधी

लूटपाट के दौरान लगातार की फायरिंग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। पाकुड़ के अमड़ापाड़ा मुख्य बाजार स्थित किशुन वर्मा ज्वेलर्स में दिनदहाड़े अपराधियों ने लूट की बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। घटना के बाद पूरे बाजार में हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के अनुसार, अपराधी दुकान में घुसकर सोने और चांदी के लाखों रुपये मूल्य के जेवरात लेकर फरार हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही अमड़ापाड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। तीन अपराधियों ने दुकान से लाखों रुपए के सोने-चांदी के जेवर लूटे और फरार हो गए। इस दौरान उन्होंने तीन राउंड फायरिंग भी की। यह पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई है, जिसके फुटेज को पुलिस खंगाल रही है।

बताया गया कि बुधवार दोपहर को प्रखंड मुख्यालय में तेज बारिश हो रही थी। इसी का फायदा उठाकर एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन लोग, जो रेनकोट और हेलमेट पहने हुए थे, बाजार में स्थित किशुन वर्मा ज्वेलर्स में घुस गए।आसपास के लोगों ने बताया कि मोटरसाइकिल से उतरे तीनों अपराधी दुकान के अंदर गए और सोना-चांदी के जेवर ले लिए। इसके बाद उन्होंने दुकान के अंदर एक फायर किया और बाहर आकर दो और फायर करते हुए मोटरसाइकिल से भाग गए।

घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए और थाने को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू की और घटना की जानकारी जिले के अन्य थानों को भी दी। लोगों ने बताया कि घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की पहचान करने में जुटी है। दुकान के अंदर से एक खोखा भी मिला है। दिनदहाड़े हुई इस घटना के बाद लोगों में डर का माहौल है और तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

बताया जा रहा है कि लूट की पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है। दिनदहाड़े मुख्य बाजार में हुई इस वारदात से व्यापारियों और स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। पुलिस द्वारा घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही महेशपुर एसडीपीओ विजय कुमार भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने आसपास के लोगों से घटना की जानकारी ली और मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों व जवानों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

सरायढेला मे याकुजा इलेक्ट्रिक स्कूटी शोरूम का उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। शहर के कोलाकुसमा स्थित बिग बाजार के समीप धनबाद याकुजा इलेक्ट्रिक स्कूटी शोरूम का उद्घाटन मंगलवार को किया गया। शोरूम का उद्घाटन मेयर संजीव सिंह ने फीता काटकर किया। इस मौके पर शोरूम के संचालक सूरज कुमार बर्मा ने बताया कि हमारे यहां याकुजा कंपनी के इलेक्ट्रिक स्कूटर सभी रेंज में उपलब्ध हैं। ग्राहकों की सुविधा के अनुसार स्कूटर में 4 बैटरी से लेकर 6 बैटरी तक का विकल्प मिलेगा, जो एक बार चार्ज करने पर 90 किलोमीटर तक दूरी तय करने में सक्षम है। उन्होंने बताया कि स्कूटी में कीलेस एंट्री, ऐप कंट्रोल, बीटी स्पीकर, स्मार्ट की और स्मार्ट बैंड के द्वारा गाड़ी को स्टार्ट ऑन/ऑफ किया जा सकता है। इसके अलावा कई आधुनिक फीचर्स दिए गए हैं। संचालक ने बताया कि शोरूम के उद्घाटन के शुभ अवसर पर इलेक्ट्रिक स्कूटी खरीदने पर एक हेलमेट फ्री दिया जा रहा है। शोरूम में सेल्स के साथ-साथ सर्विस और जेनुइन स्पेयर पार्ट्स की भी सुविधा उपलब्ध रहेगी। कम कीमत और आसान ईएमआई पर इलेक्ट्रिक स्कूटी उपलब्ध है। इस मौके पर चंद्रशेखर वर्मा, रोहित कुमार, प्रदीप कुमार सिंह, पुरुषोत्तम कुमार रंजन, प्रेम सिंह, अंजुम सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

ट्रैक्टर की ठोकर से युवक की मौत

गोपालगंज। जिले के भोरे-मीरगंज मुख्य मार्ग पर बुधवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में बिहार पुलिस में भर्ती की तैयारी कर रहे एक युवक की जान चली गई। अनियंत्रित ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आने से युवक के दोनों पैर बुरी तरह कुचल गए थे। इलाज के लिए गोरखपुर ले जाने के दौरान रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। घटना के बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है और गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। मृत युवक की पहचान भोरे थाना क्षेत्र के जोरावरपुर गांव निवासी विनोद कुमार के पुत्र नितेश कुमार के रूप में हुई है। परिजनों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, नितेश का सपना बिहार पुलिस में शामिल होकर देश और राज्य की सेवा करने का था। इसके लिए वह कड़ी मेहनत कर रहा था और रोज सुबह अपने दोस्तों के साथ शारीरिक परीक्षा की तैयारी के लिए दौड़ लगाने जाता था। बुधवार की अलसुबह भी नितेश अपने अन्य साथियों के साथ बंतरिया मोड़ से दौड़ते हुए हुस्सेपुर की ओर जा रहा था। इसी दौरान तिवारी ब्रदर्स की फर्नीचर दुकान के पास पीछे से आ रही तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रैक्टर-ट्रॉली ने नितेश को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वह सड़क पर गिर पड़ा और ट्रैक्टर-ट्रॉली का भारी चक्का उसके दोनों पैरों पर चढ़ गया।

गर्भवती महिलाओं के बीच पोषण पोटली का वितरण

मासिक बैठक में स्वास्थ्य योजनाओं के कार्यों की प्रगति की हुई समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पतरातु (रामगढ़)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पतरातु में बुधवार को जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत गर्भवती एवं प्रसवोत्तर महिलाओं के लिए पोषण पोटली का वितरण किया गया। इसके साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने को लेकर मासिक समीक्षात्मक बैठक भी आयोजित की गई। सिविल सर्जन रामगढ़ एवं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी पतरातु के निदेशानुसार सीएचसी, पीएचसी एवं सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों तक पोषण पोटली उपलब्ध कराई गई। योजना के तहत सामान्य प्रसव वाली महिलाओं को तीन दिनों तथा सिजेरियन प्रसव वाली महिलाओं को सात दिनों तक पोषण पोटली उपलब्ध कराने का प्रावधान है। इसका उद्देश्य प्रसव के बाद माताओं को आवश्यक पोषण उपलब्ध कराना तथा उनके स्वास्थ्य एवं शीघ्र रिकवरी में सहयोग करना है। इसी क्रम में सीएचसी पतरातु में

आयोजित मासिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता डॉ. अनिल कुमार ने की। बैठक में स्वास्थ्य केंद्र की कार्यप्रणाली, विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति, मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं सहित अन्य कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। डॉ. अनिल कुमार ने स्वास्थ्य कर्मियों को पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा संचालित स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता है। उन्होंने मरीजों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।बैठक में सीएचसी पतरातु के चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी एवं संबंधित कर्मी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

भूमि अधिग्रहण मुआवजा मामले में

उपायुक्त से संबंधित चल संपत्तियों की कुर्की का आदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। जिले के सिविल जज (सीनियर डिवीजन)-II सह विशेष न्यायाधीश (एलए) शिवेन्दु द्विवेदी की अदालत ने भूमि अधिग्रहण मुआवजा से संबंधित दो मामलों में बकाया राशि की वसूली को लेकर उपायुक्त पदाधिकारी से संबंधित चल संपत्तियों एवं सरकारी वाहन की कुर्की का आदेश जारी किया है। दोनों मामले रक्षा मंत्रालय से संबंधित रामगढ़ कैंट के विस्तार के लिए किए गए भूमि अधिग्रहण से जुड़े हैं। पहला मामला लैंड रेफरेंस केस संख्या 33/1990, संबंधित लैंड एक्विजिशन केस संख्या 01/1983-84 तथा लैंड एक्विजिशन एग्जीक्यूशन केस संख्या 01/2023 से संबंधित है। अदालत के अनुसार वर्ष 2008 में पारित अवार्ड के तहत अवार्डधारकों/याचिकाकर्ताओं को मूल मुआवजा राशि के साथ 15 प्रतिशत वार्षिक ब्याज का भुगतान किया जाना था। न्यायालय ने पाया कि अब तक कुल 1,02,95,279.51 रुपये की राशि का भुगतान नहीं किया गया है। वहीं दूसरा मामला लैंड रेफरेंस केस संख्या 34/1990, संबंधित लैंड एक्विजिशन केस संख्या 16/1987-88 तथा लैंड एक्विजिशन एग्जीक्यूशन केस संख्या 02/2023 से संबंधित है। इस मामले में भी वर्ष 2008 में पारित अवार्ड के तहत मूल मुआवजा एवं 15 प्रतिशत वार्षिक ब्याज का भुगतान किया जाना था। अदालत के अनुसार अब तक 3,72,42,295.31 रुपये की राशि बकाया है। दोनों मामलों में बकाया राशि का कुल योग करीब 4.75 करोड़ रुपये है। अदालत ने बैलिफ को निर्देश दिया है कि उपायुक्त पदाधिकारी से संबंधित सरकारी वाहन समेत अन्य चल संपत्तियों की कुर्की संबंधी आदेश का तामिला कराते हुए प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। न्यायालय ने वारंट के निष्पादन की रिपोर्ट 7 सितंबर 2026 तक प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। कुर्की वारंट 2 सितंबर 2026 को जारी किया गया।

रक्तदान कर अनुसेवक संतोष कुमार ने पेश की मानवता की मिसाल

पाकुड़। पथरी रोगग्रस्त महिला के ऑपरेशन के लिए चिकित्सकों द्वारा आवश्यक तैयारी की जा रही थी, लेकिन शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी के कारण उनका ऑपरेशन नहीं हो पा रहा था। ऐसी परिस्थिति में जिला जनसंपर्क कार्यालय, पाकुड़ के अनुसेवक संतोष कुमार ने आगे बढ़कर रक्तदान किया। संतोष कुमार द्वारा किए गए इस रक्तदान से जरूरतमंद महिला को आवश्यक रक्त उपलब्ध कराने में मदद मिली और उनके उपचार एवं ऑपरेशन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में सहयोग प्राप्त हुआ।इस मानवीय पहल के माध्यम से संतोष कुमार ने यह संदेश दिया कि रक्तदान महादान है और समय पर किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद के जीवन में नई उम्मीद जगा सकता है। उनकी इस पहल की लोगों ने सराहना करते हुए अन्य लोगों से भी जरूरतमंद मरीजों के लिए स्वैच्छिक रक्तदान करने की अपील की।

स्वाइन फ्लू मरीजों की संख्या बढ़कर हुई 38

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड में स्वाइन फ्लू संक्रमण का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। राज्य में संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने सतर्कता बढ़ा दी है। रिम्स में अब तक 36 सैंपल की जांच की गई है, जिसमें 12 मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव मिली है। वहीं, राज्य में अब तक 38 से अधिक संक्रमित मरीज मिलने की बात सामने आ रही है। राजधानी रांची समेत विभिन्न जिलों से मरीज इलाज के लिए रिम्स पहुंच रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, स्वाइन फ्लू एक श्वसन संबंधी संक्रमण है, जो संक्रमित व्यक्ति के खांसने, छींकने या सांस के दौरान निकलने वाली बूंदों के संपर्क में आने से फैल सकता है। बच्चों और बुजुर्गों में संक्रमण का खतरा अधिक रहता है। इसके अलावा, पहले से किसी बीमारी से पीड़ित लोगों को भी विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है।

स्वाइन फ्लू के प्रमुख लक्षणों में तेज बुखार, खांसी, गले में खराश, नाक बहना या बंद होना, सिरदर्द, शरीर में दर्द और अत्यधिक थकान शामिल हैं। चिकित्सकों का कहना है कि यदि मरीज को सांस लेने में परेशानी, सीने में दर्द, लगातार तेज बुखार, अत्यधिक कमजोरी या होंठ और चेहरे का रंग नीला पड़ने जैसे गंभीर लक्षण दिखाई दें तो तत्काल अस्पताल पहुंचना चाहिए।

बढ़ते संक्रमण को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने रिम्स में स्वाइन फ्लू संक्रमित मरीजों के लिए अलग विशेष वार्ड तैयार किया है। गंभीर मरीजों को आवश्यकता के अनुसार आईसीयू में भर्ती किया जा रहा है। चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की टीम मरीजों की 24 घंटे निगरानी कर रही है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि के मरीजों के इलाज के लिए रिम्स में पर्याप्त व्यवस्था की गई है। गंभीर मरीजों को आईसीयू में रखा जा रहा है और चिकित्सक लगातार उनकी निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संक्रमित मरीजों के इलाज में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती जाएगी।

30 नये एचआइवी प्रभावितों की पहचान

शेखपुरा। जिले में एचआईवी संक्रमण के बढ़ते मामले स्वास्थ्य विभाग व जिला प्रशासन की चिंता बढ़ा रहे हैं। आठ महीने में जिले में एचआईवी के 30 नए संक्रमितों की पहचान हुई है। इनमें शेखपुरा जेल के तीन बंदी भी शामिल हैं। संक्रमण के बढ़ते खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग अब जोखिम वाले क्षेत्रों को चिह्नित कर वहां विशेष निगरानी, जांच और जागरूकता अभियान चलाने की तैयारी में है।

सूत्रों के अनुसार, जिले में पहले से करीब 500 एचआईवी संक्रमितों का उपचार चल रहा है। नए संक्रमितों में दंपती, गर्भवती, गर्भस्थ शिशु व अविवाहित युवक भी शामिल हैं।

जेल में चलाए गए विशेष जांच अभियान के दौरान तीन बंदियों में संक्रमण की पुष्टि हुई। इसके बाद उनका सरकारी स्तर पर उपचार शुरू कर दिया गया।

विभाग के अनुसार संक्रमण के प्रमुख कारणों में असुरक्षित यौन संबंध शामिल हैं। संक्रमण की रोकथाम के लिए जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान गोपनीय तरीके से की जाएगी, ताकि वहां लक्षित जांच, परामर्श और जागरूकता कार्यक्रम प्रभावी ढंग से संचालित किए जा सकें।

दावा-आपत्ति सुनवाई का प्रमंडलीय आयुक्त ने किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के तहत प्राप्त दावा एवं आपत्तियों के निष्पादन की प्रक्रिया जारी है। मतदाताओं को अपने निर्वाचक विवरण से संबंधित दावा अथवा आपत्ति दर्ज कराने एवं उसके निष्पादन की प्रक्रिया में सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से जिले के विभिन्न निर्धारित स्थलों पर सुनवाई की व्यवस्था की गई है।

इसी क्रम में प्रमंडलीय आयुक्त, संथाल परगना प्रमंडल, दुमका शैलेन्द्र कुमार लाल ने बुधवार को लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत जामजोड़ी पंचायत भवन में संचालित दावा-आपत्ति सुनवाई प्रक्रिया का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रमंडलीय आयुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों से दावा-आपत्ति प्राप्त करने, आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन, मतदाताओं को उपलब्ध कराई जा रही सहायता तथा सुनवाई की प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने मौके पर उपस्थित मतदाताओं से भी बातचीत कर उनकी समस्याओं एवं प्रक्रिया से संबंधित जानकारी प्राप्त की। प्रमंडलीय आयुक्त ने कहा कि एसआइआर-2026 का उद्देश्य निर्वाचक सूची को अधिक शुद्ध, पारदर्शी एवं अद्यतन बनाना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक योग्य मतदाता अपने नाम एवं निर्वाचक विवरण की जांच अवश्य करें। नाम छूटने, विवरण में त्रुटि अथवा किसी अन्य प्रकार की आपत्ति की स्थिति में निर्धारित प्रक्रिया के तहत दावा अथवा आपत्ति दर्ज कराएं। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि पात्रता एवं निर्वाचक विवरण के सत्यापन के लिए निर्धारित 11 दस्तावेजों में से किसी एक वैध दस्तावेज को प्रस्तुत करने की प्रक्रिया के संबंध में मतदाताओं को स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराई जाए, ताकि दावा-आपत्ति के निष्पादन में अनावश्यक कठिनाई न हो। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देशित किया कि सुनवाई के दौरान आने वाले प्रत्येक मतदाता को आवश्यक सहयोग एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए तथा पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी एवं निर्धारित निर्वाचन नियमों के अनुरूप सुनिश्चित की जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि कोई भी योग्य मतदाता छूटने न पाए।

निरीक्षण के अवसर पर आयुक्त के सचिव रवि प्रकाश, उप निर्वाचन पदाधिकारी मो. मोजाहिद अंसारी, एईआरओ सह प्रखंड विकास पदाधिकारी, लिट्टीपाड़ा संजय कुमार सहित संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

गैस की किल्लत से लोग परेशान

गिरिडीह। इरान-अमेरिया युद्ध के मद्देनजर ग्रामीण क्षेत्रों में एलपीजी सिलेंडर की दोबारा बुकिंग के लिए 45 दिन का अंतर निर्धारित किए जाने से गिरिडीह के उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ गई है। कई परिवारों का घरेलू गैस सिलेंडर 45 दिन पूरे होने से पहले ही खत्म हो जा रहा है। ऐसे में उन्हें खाना पकाने के लिए दोबारा लकड़ी, कोयला या अन्य वैकल्पिक ईंधन का सहारा लेना पड़ रहा है। ग्रामीण इलाकों में संयुक्त परिवारों और अधिक सदस्यों वाले घरों में एक सिलेंडर 45 दिनों तक चलाना विशेष रूप से मुश्किल हो रहा है। उपभोक्ताओं का कहना है कि गैस की खपत परिवार के आकार और खाना पकाने की जरूरत के अनुसार अलग-अलग होती है। ऐसे में सभी के लिए एक समान 45 दिन का अंतर परेशानी बढ़ा रहा है। ग्रामीण महिलाओं को सबसे अधिक दिक्कत हो रही है। लोगों ने सरकार से मांग की है कि जरूरत के अनुसार रिफिल बुकिंग की सुविधा दी जाए, ताकि सिलेंडर खत्म होने के बाद उन्हें वैकल्पिक ईंधन पर निर्भर न रहना पड़े।

गरमाया पारसनाथ पहाड़ी का विवाद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। पारसनाथ पहाड़ को लेकर जैन समाज और आदिवासियों के बीच एक बार फिर से विवाद सतह पर आ गया है। पारसनाथ पहाड़ को जैन समाज सम्मेद शिखरजी और संताल आदिवासी मरांग बुरु मानते हैं।

जैन धर्मावलंबियों के लिए यह अत्यंत पवित्र तीर्थ है, जहां मान्यता है कि 24 में से 20 तीर्थंकरों ने निर्वाण प्राप्त किया। वहीं संताल समाज इसे अपने सर्वोच्च देवता मरांग बुरु का निवास और प्रमुख धार्मिक-सांस्कृतिक स्थल मानता है।

विवाद मुख्यतः धार्मिक अधिकार, पारंपरिक पूजा-पद्धति और पारंपरिक शिकार पर्व को लेकर है। आदिवासियों की शिकार व बलि जैसी परंपराएं जैन धर्म के अहिंसा सिद्धांत से टकराती हैं। इसी कारण मांस-मदिरा पर रोक और पहाड़ की धार्मिक पहचान को लेकर दोनों पक्षों में लंबे समय से मतभेद हैं।

विश्व जैन संगठन के अध्यक्ष संजय जैन ने पारसनाथ पहाड़ पर अपना दावा पेश किया है। इसके साथ ही अल्पसंख्यक आयोग से केंद्र व राज्य सरकार से आदेश का पालन और संरक्षण की मांग की है। इसका मारांग बुरू बचाओ संघर्ष मोर्चा ने विरोध किया है।

सोमवार को गिरिडीह के नया परिसदन में प्रेसवार्ता आयोजित कर मारांग बुरू बचाओ संघर्ष मोर्चा के पदाधिकारियों ने विश्व जैन संगठन के दावे को खारिज किया। मारांग बुरू बचाओ संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष महावीर मुर्मू, सचिव विष्णु किस्कु, प्रवक्ता सुधीर बास्के ने कहा कि आदिवासी समुदाय जैन समुदाय के संपूर्ण मारांग बुरू पारसनाथ पहाड़ पर दावे को खारिज करते हुए इसका

विरोध करता है।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि पारसनाथ पहाड़ संथाल आदिवासियों का मारांग बुरू है और संपूर्ण मारांग बुरू की पूजा-अर्चना की जाती है, जो उनका पवित्र व सर्वश्रेष्ठ धार्मिक स्थल है। संपूर्ण मारांग बुरू पारसनाथ में 24 से अधिक टोले हैं, जिसमें मांझी (प्रधान) हैं।

मोर्चा ने कहा कि न्यायालय ने आदिवासी संथालों के प्रथागत पुरखौती अधिकार को मान्यता दी है। केंद्र और राज्य सरकार की ओर से जैन समुदाय के लिए विशेष व्यवस्था हेतु आदेश जारी करना भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 और अनुच्छेद 25 का उल्लंघन है। इतिहास में सम्मेद शिखर के नाम से कहीं भी दर्ज नहीं है, जबकि मारांग बुरू सरकारी दस्तावेज और इतिहास में दर्ज किया गया है। मोर्चा के पदाधिकारियों ने कहा कि पारसनाथ पर्वत मारांग बुरू हम आदिवासियों का है और रहेगा।

दुमका में होगी नारियल की खेती

दुमका। झारखंड की उपराजधानी दुमका के किसान पहली बार नारियल की खेती कर अपनी आय में अतिरिक्त वृद्धि कर सकेंगे। इसके लिए कृषि महकमा पायलट प्रोजेक्ट के तहत ब्लू प्रिंट तैयार कर इसके जरिए 10 हजार नारियल के पौधे सभी 10 प्रखंडों में लगाने की तैयारी में जुटी है। दरअसल नारियल की मांग, खपत और इसके केवल तटीय राज्यों की फसल मानने की बदलती धारणा को ध्यान में रखकर दुमका के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने कृषि विभाग दुमका में नारियल की खेती को बढ़ावा देने का निर्देश दिया है।

उपायुक्त अभिजीत सिन्हा के मुताबिक केंद्र सरकार नारियल विकास बोर्ड का गठन कर कई अनुदानित योजनाएं चला रही है। नारियल विकास बोर्ड किसानों के लिए उन्नत किस्म के पौधों के अलावा विज्ञानी तकनीक भी उपलब्ध कराती है।

अभिजीत कहते हैं कि दुमका में नारियल की खेती को पायलट प्रोजेक्ट के तहत शुरू करने की योजना है। इसके साथ मिश्रित खेती को भी बढ़ावा मिले इसके लिए ब्लू प्रिंट तैयार किया जा रहा है।

सोन-गंगा एवं गंडक सहित कई नदियां खतरे के निशान से उपर

बिहार में बाढ़ से हुई भारी तबाही: शिवजी सिंह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डिहरी ऑन-सोन (रोहतास)। बिहार प्रदेश लोक समिति के प्रांतीय महासचिव शिवजी सिंह ने बिहार के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का दौरा कर एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि आज तीन दिनों से लगातार मूसलाधार बारिश होने से पूरा जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। गंगा-गंडक, कोशी के बाद अब सोन नद में उफान से दक्षिण बिहार में बाढ़ का खतरा बढ गया है। श्री सिंह ने कहा कि इन दिनों पूरा बिहार में भीषण बाढ़ से तबाही मच गई है। उन्होंने कहा कि एक तरफ गंगा के लोंगो की परेशानी बढ़ गयी है, तो दूसरी तरफ नेपाल और भारत के सीमावर्ती क्षेत्र बिहार के बेतिया, मोतिहारी ,गोपालगंज, सिवान, सहरसा ,सुपौल, मधुबनी, सीतामढ़ी एवं शिवहर इलाकों में घाघरा , गंडक, बागमती, कमला, तथा कोशी सहित कई छोटी नदियाँ भी खतरें के निशान से उपर बह रहीं है। गरीब लोंग अपने बाल - बच्चें, परिवार तथा गाय, बैल,भैस ,और भेड़- बकरियों वगैरह के साथ सुरक्षित वो उच्चें स्थानों पर जाकर शरण ले रहें है।

श्री सिंह ने कहा कि कई स्थानों पर रेलवे-लाइन तक बाढ़ का पानी पहुँच गया है। नेपाल में आई बाढ़ के कारण गंडक नदी भारी मात्रा में गाद और मालवा आ रही है। जिससे बिहार का नुकसान हो रहा है। इस भीषण बाढ़ से किसानों खरीफ फसल धान, मक्का , ज्वार-बाजरा, मडुवा, तथा सब्जियां भी बर्बाद हो गए।

श्री सिंह ने बताया कि दक्षिण बिहार में सोन नद में काफी पानी आ गई है। जिससे इन्द्रपुरी बराज में साढ़े पांच लाख क्यूसेक पानी पहुंच गया। खतरा को देखते हुए इन्द्रपुरी बराज के 55 गेट को खोल दिया गया है।

सिविल सर्जन ने किया स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण

पाकुड़। सिविल सर्जन प्रवीण संथालिया ने सदर प्रखंड के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, जिगरहट्टी और आयुष्मान आरोग्य मंदिर, जिगरहट्टी का औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं, साफ-सफाई, दवाओं की उपलब्धता और दूसरी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए।सिविल सर्जन ने अपने कार्यालय में यक्ष्मा (टीबी) कार्यक्रम की भी विस्तार से समीक्षा की। इस बैठक में टीबी कार्यक्रम की रैंकिंग, मरीजों की जांच, लाभार्थियों को भुगतान और पोषण किट बांटने जैसे विषयों पर चर्चा हुई।साथ ही, काम में लापरवाही बरतने और तय प्रगति न करने वाले कर्मचारियों का वेतन अगले आदेश तक रोकने का निर्देश दिया गया। बैठक में कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करने और तय लक्ष्य हासिल करने के लिए भी जरूरी निर्देश दिए गए।

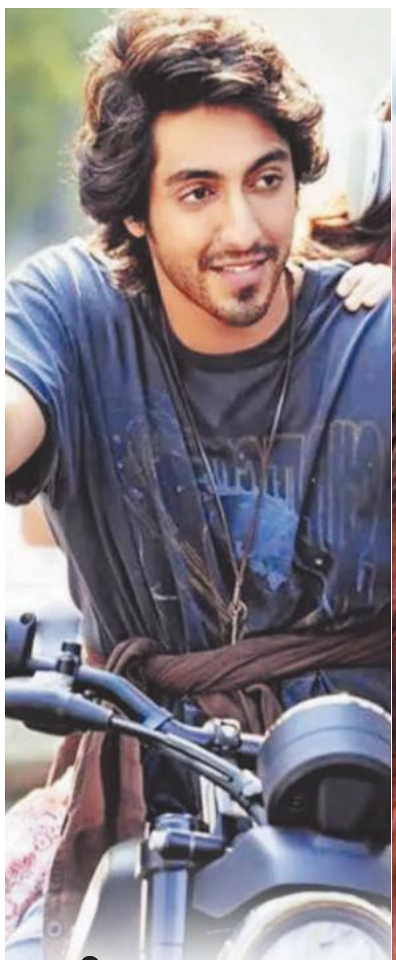

अली अब्बास जफर की फिल्म में गैंगस्टर बनेंगे अहान पांडे

यशराज बैनर की फिल्म 'सैयारा' से चर्चा में आए अभिनेता अहान पांडे अब अपने दूसरे बड़े प्रोजेक्ट के अंतिम चरण की शूटिंग में पहुंच गए हैं। इंडस्ट्री सूत्रों के अनुसार, निर्देशक अली अब्बास जफर की अनाम रोमांटिक-एक्शन फिल्म का करीब दो महीने लंबा यूनाइटेड किंगडम (यूके) शेड्यूल पूरा हो चुका है। इस दौरान फिल्म के कई अहम ड्रामेटिक सीक्वेंस और तीन बड़े गानों की शूटिंग की गई। फिल्म में अहान के साथ शरवरी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

तीन बड़े गानों पर रहा खास फोकस

सूत्रों के अनुसार...'यूके शेड्यूल में फिल्म के तीन बड़े गानों की शूटिंग की गई। इनमें एक सोलो गीत पूरी तरह अहान पांडे के किरदार पर आधारित है, जिसे बर्मिंघम के टाउन हॉल इलाके में फेस्टिवल जैसे माहौल के बीच फिल्माया गया। इस गाने में बड़ी संख्या में डांसर्स और स्थानीय कलाकार शामिल हुए। वहीं, अहान और शरवरी पर दो रोमांटिक गानों की शूटिंग बर्मिंघम, कोवेंट्री, पेनरिथ और कार्लाइल की खूबसूरत लोकेशनों पर हुई।

गैंगस्टर बनने की यात्रा पर आधारित कहानी

फिल्म की कहानी को लेकर अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इंडस्ट्री सूत्रों के मुताबिक यह सिर्फ एक गैंगस्टर फिल्म नहीं होगी। कहानी एक ऐसे युवा की यात्रा दिखाएगी, जो परिस्थितियों के चलते अपराध की दुनिया में कदम रखता है।

फिल्म में मेंटॉर की भूमिका निभाएंगे बॉबी देओल

फिल्म में बॉबी देओल का किरदार कहानी का अहम आधार होगा। बताया जा रहा है कि उनका पात्र अहान पांडे के किरदार को अपने संरक्षण में लेकर अपराध की दुनिया में आगे बढ़ाता है। यानी वह एक प्रभावशाली मेंटॉर के रूप में नजर आएंगे, जो कहानी की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वहीं, ऐश्वर्य ठाकरे फिल्म के मुख्य विलेन की भूमिका में दिखाई देंगे।

कार्तिक की 'डोरोथी' में लीड रोल प्ले करेंगी कीर्ति सुरेश

निर्देशक कार्तिक सुब्बाराज ने अपनी फिल्म 'डोरोथी' का ऐलान कर दिया है। इस फिल्म में कीर्ति सुरेश मुख्य भूमिका निभाएंगी। फिल्म 25 सितंबर को दुनियाभर के थिएटर्स में रिलीज होगी। कार्तिक ने सोशल मीडिया पर फिल्म की घोषणा करते हुए बताया कि 'डोरोथी' उनके दिल के बेहद करीब है और वह इसे कई वर्षों से बनाना चाहते थे। उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म का म्यूजिक इलैयाराजा तैयार कर रहे हैं। वह इसके गाने और बैकग्राउंड स्कोर दोनों की जिम्मेदारी संभालेंगे। फिल्म में कीर्ति के अलावा सनंत और ऋषिकांत भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। हालांकि, मेकर्स ने अभी फिल्म की कहानी और बाकी स्टार कास्ट से जुड़ी जानकारी साझा नहीं की है। कार्तिक की पिछली फिल्म 'रेट्रो' थी, जिसमें सूर्या और पूजा हेगड़े मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। फिल्म में जयराम, जोजू जॉर्ज और नासर ने भी अहम किरदार निभाए थे। यह फिल्म फिलहाल नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। अब यह फिल्म कार्तिक के निर्देशन में बनने वाली 10वीं फिल्म होगी। इसके जरिए कीर्ति सुरेश एक नई कहानी के साथ दर्शकों के सामने नजर आएंगी।

विजय देवरकोंडा संग नजर आएंगी कीर्ति

कीर्ति सुरेश हाल ही में फिल्म 'रिवॉल्वर रीटा' में नजर आई थीं। अब वह विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म 'राउडी जनार्धना' में दिखाई देंगी, जो दिसंबर में रिलीज होगी।

फाउंड फुटेज फॉर्मेट में होगी वीर की 'बारा नंबर' की कहानी

कॉमेडियन और एक्टर वीर दास ने अपनी दूसरी डायरेक्टोरियल फिल्म 'बारा नंबर' की शूटिंग पूरी कर ली है। यह एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर है, जिसे फाउंड फुटेज फॉर्मेट में बनाया गया है। इस फॉर्मेट में कहानी कैमरे से मिले फुटेज के जरिए आगे बढ़ती है। फिल्म में वीर डायरेक्टर और प्रोड्यूसर के साथ-साथ एक्टर के तौर पर भी नजर आएंगे। फिल्म को नरेश मलिक, जेफ लाजरस और कौशिक श्रीनिवासन की थर्ड फ्रेम स्टूडियो, कविता गुप्ता और विर की जाजू प्रोडक्शंस ने को-प्रोड्यूस किया है। कवी शास्त्री क्रिएटिव प्रोड्यूसर हैं। फिल्म में शीबा चड्ढा, सुहैल नय्यर, अरुणोदय सिंह, अहसास चन्ना, अतुल कुलकर्णी, निहारिका लायरा दत्त, श्रिया पिलगांवकर, पूजा सरूप और नवीन कौशिक समेत कई कलाकार हैं। फिल्म की कहानी फाउंड फुटेज के जरिए आगे बढ़ेगी। इसमें कैमरे से रिकॉर्ड हुए फुटेज को कहानी का हिस्सा बनाया गया है। फिल्म का फोकस किरदारों की मनोवैज्ञानिक स्थिति और उनके आसपास होने वाली घटनाओं पर रहेगा। इस फॉर्मेट के चलते फिल्म में पारंपरिक शूटिंग स्टाइल के बजाय कैमरा खुद कहानी का हिस्सा नजर आएगा। वीर ने बताया कि इस फिल्म को बनाना उनके लिए अलग अनुभव रहा। उनके मुताबिक, फाउंड फुटेज फॉर्मेट में कलाकारों को भी अपने अभिनय में स्वाभाविकता बनाए रखने पर काम करना पड़ा। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म में सभी कलाकारों ने इस अलग तरह की कहानी पर काम करने के लिए प्रयोग किए। शूटिंग पूरी होने के बाद अब फिल्म एडिटिंग और पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में जाएगी। बता दें कि वीर को पिछली बार फिल्म 'हैप्पी पटेल...' में देखा गया था। इस फिल्म को भी उन्होंने डायरेक्ट किया था।

रोशन मैथ्यू के साथ एक रोमांटिक कॉमेडी में दिखेंगी सिमर भाटिया

श्रीराम राघवन की 'इक्कीस' से बॉलीवुड डेब्यू करने वालीं सिमर भाटिया अब अपने दूसरे प्रोजेक्ट के साथ फिर बड़े परदे पर दिखेंगी। बता दें कि सिमर, अक्षय कुमार की बहन अलका भाटिया की बेटी हैं। जानकारी के मुताबिक, सिमर इस बार मलयालम एक्टर रोशन मैथ्यू के साथ एक अनटाइटल्ड रोमांटिक कॉमेडी में नजर आएंगी। यह फिल्म एक इमोशनल और कैरेक्टर-ड्रिवन लव स्टोरी होगी। फिल्म का डायरेक्शन अधिराज बोस संभालेंगे, जो इस फिल्म से अपना फीचर डायरेक्शन डेब्यू कर रहे हैं। इन्होने 'एक थी डायन' और 'तलवार' जैसी फिल्मों में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया हैं। इस रोमांटिक ड्रामा को आयुष माहेश्वरी अपने बैनर बीएलएम पिक्चर्स के तहत प्रोड्यूस करेंगे, जो पहले 'धक धक', 'लूप लपेटा' और 'यारियां 2' जैसी फिल्मों को प्रोड्यूस कर चुका है। फिल्म की शूटिंग नवंबर में शुरू होगी और मेकर्स की प्लानिंग है कि अगले साल के मध्य में इसे थिएटर्स में रिलीज किया जाए। दूसरी ओर, रोशन जल्द ही 'ट्रायल बाय फायर' के डायरेक्टर प्रशांत नायर की नई स्कैम-थ्रिलर सीरीज 'जॉब ट्रैफिकिंग' में भी दिखेंगे, जो अमेजन प्राइम वीडियो पर अगले साल की शुरुआत में रिलीज होने की उम्मीद है। इससे पहले रोशन मलयालम सिनेमा में 'सी यू सून', 'मूथोन' और हाल ही में आई 'उयिर' जैसी फिल्मों से अपनी पहचान बना चुके हैं।

हिट देने के प्रेशर को पॉजिटिव रूप से देखता हूं

दिग्गज निर्देशक राजकुमार हिरानी इस साल अपनी पहली वेब सीरीज 'प्रीतम एंड पेड्रो' लेकर आए। इसकी सफलता, ओटीटी के बदलते मिजाज आदि पर उन्होंने खास बातचीत की...

क्या सोचा था कि पहला ओटीटी प्रोजेक्ट इतना सफल रहेगा?

ओटीटी को लेकर सालों से माना जाता रहा है कि यहां गंभीर और क्राइम जैसी कहानियां ज्यादा चलती हैं। इसलिए जब हम इसे लिख रहे थे तो शुरुआत में लगा कि फिल्म की तरह जल्दी जल्दी कहानी कह रहे हैं। मन में इसे लेकर शंका थी, लेकिन जब सीरीज को अच्छे नंबर मिलने लगे तो तसल्ली हुई कि हमारा रास्ता सही है। हमारा मानना है कि अगर कहानी दिल से लिखी जाए तो वह दर्शकों को जरूर पसंद आती है।

सीरीज बनने के लिए आपने इसी विषय को क्यों चुना?

जब कोई कहानी नई लगती है तो उसे कहने की इच्छा होती है। साइबर क्राइम पर कई फिल्में देखी थीं, लेकिन उनमें सिर्फ ऊपरी बातें दिखाई गई थीं। पहली बार पता चला कि किसी क्राइम को तकनीकी तरीके से कैसे सुलझाया जाता है। जैसे सीरीज में एटीएम चोरी के मामले को साइबर तकनीक की मदद से ट्रैक करने की पूरी प्रक्रिया दिखाई गई है। यही बात मुझे रोचक लगी और लगा कि फ्रॉड पकड़ने की ऐसी कहानी ओटीटी के लिए ज्यादा सही है, सिनेमा के लिए नहीं।

'प्रीतम एंड पेड्रो' को कॉमेडी के साथ जोड़ने का विचार कैसे आया?

कहानी कहने के कई तरीके होते हैं और उनमें कॉमेडी सबसे दिलचस्प तरीका है। साइबर क्राइम जैसे गंभीर विषय पर पहले से काफी कंटेंट बन रहा था, इसलिए मैंने इसे थोड़ा हल्का और मजेदार रखना चाहा। इसमें एक तरफ साइबर क्राइम की कहानी है, तो दूसरी तरफ दो दोस्तों की भी, जिनमें एक कंप्यूटर नहीं जानता और दूसरा क्राइम ब्रांच। मुझे वैसे भी हंसाने वाली कहानियां ज्यादा पसंद हैं।

क्या आप हमेशा एक हिट फिल्म देने का प्रेशर महसूस करते हैं?

जब भी कोई फिल्म बनती है, हम चाहते तो यही हैं कि ज्यादा से ज्यादा लोग उसे पसंद करें। लिखने के दौरान वो विचार तो बना ही रहता है और इसी वजह से स्क्रिप्ट के साथ अधिक से अधिक समय बिताते हैं और यह कोई निगेटिव प्रेशर नहीं है, इसको मैं पॉजिटिव रूप से देखता हूं और आजकल हर तरह की चीज लोग देख चुके हैं तो बतौर फिल्ममेकर हमारी कोशिश दर्शकों को कुछ अलग तरह का कंटेंट देने की रहती है।

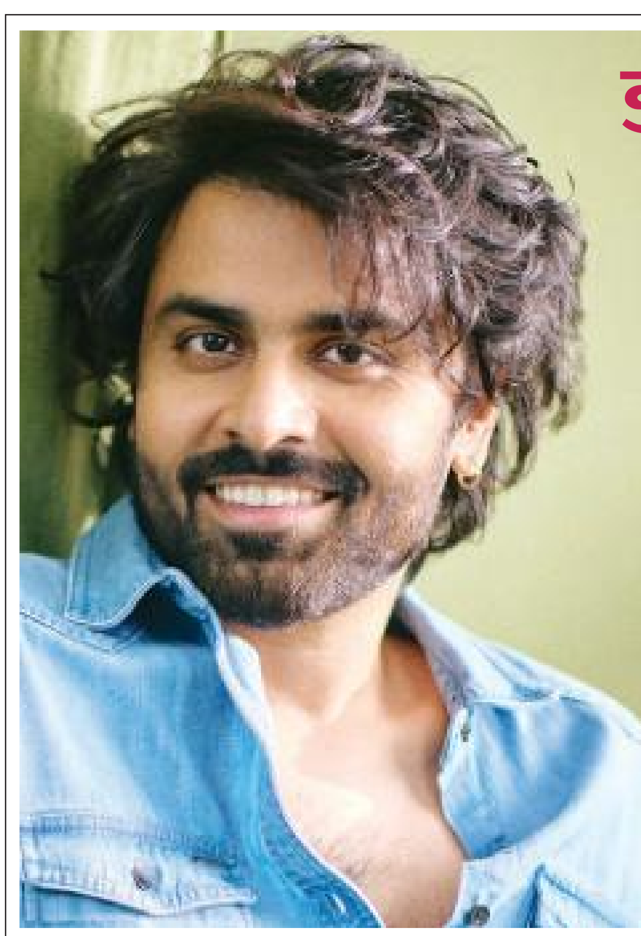

डालिंब में जितेंद्र कुमार का रहस्यमयी अवतार

कहानी में दिखेगा मनोविज्ञान और आस्था का खेल

'पंचायत' फेम जितेंद्र कुमार का एक नया प्रोजेक्ट ओटीटी पर दस्तक देने की तैयारी में है। यह साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म 'डालिंब' है, जो सीधे'श्वश्वर पर रिलीज होगी। मराठी में 'डालिंब' का अर्थ अनार होता है, हालांकि यह एक हिंदी भाषी फिल्म है। इसमें जितेंद्र के साथ प्रिया बापट भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी मुंबई की एक बहुमंजिला इमारत में सेट है, जहां एक बच्चे के अचानक गायब होने के बाद रहस्य की परतें खुलनी शुरू होती हैं।

जितेंद्र-बुल्लू का नहीं होगा 'पंचायत' जैसा टकराव

फिल्म में जितेंद्र के साथ उनके 'पंचायत' के साथी कलाकार बुल्लू कुमार भी हैं। सूत्रों के मुताबिक, बुल्लू और जितेंद्र इसमें एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं बल्कि दोनों अपने-अपने किरदार और कहानी के हिस्से के मुताबिक आगे बढ़ते हैं। यहां दोनों के बीच 'पंचायत' जैसी नोक-झोंक नहीं होगी।

'डालिंब' की कहानी का मुख्य बैकड्रॉप मुंबई की एक हाई-राइज बिल्डिंग है। टीजर में भी बच्चे के गायब होने और उसके बाद पैदा होने वाले तनाव की झलक दिखाई गई है। मेकर्स ने कहानी के बड़े हिस्से को अभी छिपाकर रखा है। इसे सिर्फ बच्चे की तलाश वाली कहानी मानना सही नहीं होगा। इसे साइकोलॉजिकल थ्रिलर के तौर पर पेश किया जा रहा है। इस कहानी में कई ऐसे प्लॉट और सस्पेंस हैं जो चौंकाएंगे।

सूत्रों से हुई बातचीत में फिल्म के बारे में एक और दिलचस्प संकेत मिला। 'डालिंब' में आस्था का पहलू भी देखने को मिल सकता है। सूत्र ये भी कहते हैं कि आस्था और मनोविज्ञान का यह मेल 'डालिंब' को पारंपरिक क्राइम थ्रिलर से अलग बनाता है।

कहानी में रहस्य तो है, लेकिन इसके साथ इंसानी सोच और विश्वास को भी जगह दी गई है। यही कारण है कि फिल्म को 'रमन राघव 2.0' या 'असुर' जैसी पारंपरिक मर्डर मिस्ट्री के साथ सीधे जोड़ना ठीक नहीं होगा। 'डालिंब' का ट्रीटमेंट इससे अलग बताया जा रहा है।

'पंचायत' के सचिव जी के तौर पर जबरदस्त लोकप्रियता हासिल करने वाले जितेंद्र के लिए 'डालिंब' एक अलग तरह का प्रयोग है। उनका किरदार फिल्म में काफी लेयर्ड है और इसे उनकी स्थापित कॉमिक इमेज से अलग रखने की कोशिश की गई है। 'डालिंब' उन्हें एक ज्यादा गंभीर और रहस्यमयी दुनिया में ले जाती है। साथ ही हाई-राइज बिल्डिंग का सेटअप इस कहानी की अहम जरूरत है। प्रिया और जितेंद्र पहली बार इस तरह की साइकोलॉजिकल थ्रिलर में साथ दिखाई देंगे। 'डालिंब' में जितेंद्र और बुल्लू की मौजूदगी 'पंचायत' के दर्शकों के लिए जरूर एक कनेक्शन बनाएगी। सूत्रों ने बताया कि 'डालिंब' में बुल्लू एक सिक्योरिटी गार्ड की भूमिका निभा रहे हैं। उनका किरदार उत्तर भारत से आया हुआ है और मुंबई की उस बिल्डिंग में सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ा है, जहां फिल्म की पूरी कहानी घटती है। यह किरदार इसलिए भी अहम हो जाता है क्योंकि कहानी का बड़ा हिस्सा इसी बिल्डिंग के भीतर है।

प्रिया एवेन करेंगी निर्देशन में डेब्यू, अधिकतर शूट मुंबई में ही हुआ है

'डालिंब' के जरिए प्रिया एवेन फीचर फिल्म निर्देशन में कदम रख रही हैं। उन्होंने कहानी को एक सीमित लोकेशन के भीतर रखते हुए किरदारों और उनके मनोविज्ञान पर फोकस किया है। बच्चे के गायब होने के साथ शुरू होने वाला यह रहस्य धीरे-धीरे वहां रहने वाले हर किरदार की जिंदगी को अपनी चपेट में लेता चला जाता है। फिल्म की शूटिंग का ज्यादातर हिस्सा मुंबई में ही शूट किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

एसआईआर में लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई शोकॉज और वेतन निकासी स्थगित

गढ़वा, नवबिहार टाइम्स, ब्यूरो। गढ़वा जिला प्रशासन ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में पाई गई लापरवाही को अत्यंत गंभीरता से लिया है। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा इस पूरे मामले का कड़ा संज्ञान लेते हुए संबंधित कर्मचारियों और अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। इसके साथ ही जबतक संतोषजनक जवाब नहीं मिलता, तबतक उनके वेतन निकासी को स्थगित करने की सख्त अनुशंसा की गई है। प्रशासन की ओर से यह साफ संदेश दिया गया है कि निर्वाचन जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मतदाता सूची को पारदर्शी और त्रुटिहीन बनाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस फैसले से चुनावी कार्यों से जुड़े अन्य कर्मचारियों में भी हड़कंप मच गया है और उन्हें अपने दायित्वों का सही ढंग से पालन करने की सख्त हिदायत दी गई है।

विद्यालय में कर्मियों ने मनाया पेंशन पुनर्बहाली दिवस

गढ़वा, नवबिहार टाइम्स, ब्यूरो। झारखंड के शिक्षकों और विभिन्न सरकारी कर्मचारियों ने एकजुट होकर पेंशन पुनर्बहाली दिवस का आयोजन किया। यह विशेष कार्यक्रम राज्य में पुरानी पेंशन योजना की सफल बहाली की ऐतिहासिक उपलब्धि को याद करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान जिलाध्यक्ष सुशील ने उपस्थित सभी कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि पुरानी पेंशन योजना का लाभ मिलना एक बड़ी जीत है, लेकिन कर्मचारियों के अन्य लंबित अधिकारों की प्राप्ति के लिए संघर्ष अभी समाप्त नहीं हुआ है। उन्होंने सभी कर्मियों से अपने हक और अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट रहने और भविष्य में भी निरंतर संघर्ष जारी रखने का संकल्प दिलाया। इस दौरान पुरानी पेंशन योजना लागू करने के ऐतिहासिक फैसले के प्रति आभार व्यक्त किया गया और संगठन को और अधिक मजबूत बनाने पर बल दिया गया।

गढ़वा और पलामू में ग्रामीण सड़कों को मिलेगी रफ्तार

गढ़वा, नवबिहार टाइम्स, ब्यूरो। गढ़वा और पलामू प्रमंडल क्षेत्र में ग्रामीण आवागमन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से सड़कों का नेटवर्क मजबूत किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे चरण के तहत कई महत्वपूर्ण ग्रामीण सड़कों के निर्माण और चौड़ीकरण को शामिल किया गया है। क्षेत्रीय सांसद की पहल पर संबंधित मंत्रालय ने इन प्रस्तावित योजनाओं की अद्यतन स्थिति से अवगत कराया है। इन सड़कों के बनने से सुदूर ग्रामीण इलाकों का जिला मुख्यालय और प्रमुख बाजारों से सीधा संपर्क स्थापित हो सकेगा। इससे न केवल आम नागरिकों को झंझटमुक्त आवागमन की सुविधा मिलेगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई गति प्राप्त होगी। कृषि उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने में आसानी होगी और आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं तक लोगों की पहुंच बेहतर बनेगी। निर्माण कार्य की प्रगति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है ताकि समय पर कार्य पूर्ण हो सके।

सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को समारोह आयोजित कर दी गई विदाई

गढ़वा, नवबिहार टाइम्स, ब्यूरो। शहर में एक गरिमापूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें पुलिस अवर निरीक्षक शंभु कुमार राय और हवलदार रामलगन राम को उनकी सेवानिवृत्ति पर विदाई दी गई। समारोह की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने किया। कार्यक्रम के दौरान एसपी ने दोनों सेवानिवृत्त कर्मियों के लंबे सेवाकाल की सराहना करते हुए कहा कि इन्होंने निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का पालन किया है। एसपी और अन्य पुलिस अधिकारियों ने दोनों कर्मियों को मोमेंटो, अंगवस्त्र और उपहार देकर सम्मानित किया। साथ ही उनके सुखी व स्वस्थ जीवन की कामना की। इस मौके पर जिले के कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और जवान शामिल हुए, जिन्होंने दोनों कर्मियों के साथ बिताए पलों को याद किया और उनके सेवा योगदान की सराहना की।

बारिश ने छीना आशियाना, पीड़ित परिवार पंचायत भवन में शिफ्ट

गढ़वा, नवबिहार टाइम्स, ब्यूरो। जिले में हुई भारी बारिश के कारण एक असहाय परिवार का कच्चा आशियाना पूरी तरह ध्वस्त हो गया, जिससे वे बेघर हो गए। सिर से छत छीन जाने के बाद स्थानीय प्रशासन और प्रतिनिधियों ने तुरंत कदम उठाते हुए पीड़ित परिवार को सुरक्षित रूप से समीप के पंचायत भवन में शिफ्ट कराया है। हैरानी की बात यह है कि पीड़ित परिवार अत्यंत गरीब है, लेकिन उसके पास अब तक राशन कार्ड भी उपलब्ध नहीं है। इसके अलावा उन्हें केंद्र या राज्य सरकार की किसी भी सरकारी आवास योजना का लाभ अब तक नहीं मिल सका था। बारिश के कारण घर का सारा सामान नष्ट हो गया है, जिससे परिवार के सामने जीवन यापन का गहरा संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को अविलंब सरकारी सहायता, राशन और पक्का मकान मुहैया कराने की मांग की है।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कुमुद झा का चयन

गढ़वा, नवबिहार टाइम्स, संवाददाता। जिले के होनहार शोधकर्ता कुमुद झा का चयन एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के लिए हुआ है, जहां वे अपना शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे। उनका यह शोध पत्र मुख्य रूप से युवाओं के लोकतांत्रिक सशक्तीकरण और मतदाता पंजीकरण प्रक्रिया को अधिक सुलभ व आसान बनाने के व्यावहारिक उपायों पर केंद्रित है। कुमुद झा का मानना है कि लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए युवाओं की सक्रिय भागीदारी बेहद जरूरी है और इसके लिए मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया को पूरी तरह से पारदर्शी और सरल बनाया जाना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गढ़वा का प्रतिनिधित्व करने की इस उपलब्धि से स्थानीय लोगों और शैक्षणिक जगत में खुशी की लहर है। यह शोध पत्र न केवल युवाओं को लोकतंत्र से जोड़ने में मददगार साबित होगा, बल्कि चुनावी प्रक्रियाओं में सुधार के लिए नए दृष्टिकोण भी प्रदान करेगा।

नाली का निर्माण नहीं होने के कारण जलजमाव, आक्रोश

गढ़वा,नवबिहार टाइम्स, ब्यूरो। जिले के मेराल क्षेत्र में जल निकासी के लिए उचित नाली का निर्माण नहीं होने के कारण जलजमाव की विकराल समस्या उत्पन्न हो गई है। सड़कों और रिहायशी इलाकों में पानी भर जाने से स्थानीय लोगों और राहगीरों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नाली निर्माण में हो रही अत्यधिक विलंब से आक्रोशित ग्रामीणों ने अपनी नाराजगी व्यक्त की है और स्थानीय प्रशासन के खिलाफ विरोध दर्ज कराया है। जलजमाव के कारण क्षेत्र में गंदगी फैल रही है और मच्छर जनित बीमारियों के फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। ग्रामीणों का कहना है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद अधिकारी इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द से जल्द नाली का निर्माण कर जल निकासी की व्यवस्था नहीं की गई तो वे उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

सोन नदी के जलस्तर में तेजी से हो रही बढ़ोतरी से किसान चिंतित

गढ़वा, नवबिहार टाइम्स, ब्यूरो। केतार क्षेत्र में रिहंद और ओबरा डैम का जलस्तर लगातार बढ़ने के कारण सोन नदी के जलस्तर में तेजी से वृद्धि हो रही है। पिछले तीन दिनों से हो रही बारिश और डैमों से छोड़े जा रहे पानी के कारण नदी उफान पर है। सोन नदी के बढ़ते जलस्तर ने तटीय इलाकों में खेती करने वाले किसानों की चिंताएं अत्यधिक बढ़ा दी हैं। नदी किनारे स्थित खेतों में पानी घुसने से फसलों के डूबने का गंभीर खतरा पैदा हो गया है, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान का डर सता रहा है। जलस्तर में हो रही इस बढ़ोतरी को देखते हुए स्थानीय प्रशासन ने तटीय गांवों में अलर्ट जारी किया है और लोगों को नदी के पास न जाने की सलाह दी है। किसान अपनी मेहनत की फसल को बचाने के लिए बेहद चिंतित हैं।

कार्ड होने के बाद भी तीन महीने से राशन नहीं मिलने की शिकायत

गढ़वा, नवबिहार टाइम्स, संवाददाता। जिले में जन वितरण प्रणाली की एक गंभीर लापरवाही सामने आई है, जहां राशन कार्ड धारक होने के बावजूद पीड़ित परिवार को पिछले तीन महीनों से राशन नहीं मिल पा रहा है। पीड़ित कार्डधारियों का कहना है कि वे हर महीने डीलर के पास चक्कर काटते हैं, लेकिन उन्हें कोई न कोई बहाना बनाकर खाली हाथ लौटा दिया जाता है। इस कारण गरीब परिवारों के सामने भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गई है। राशन न मिलने से नाराज ग्रामीणों ने संबंधित विभाग के खिलाफ अपनी शिकायत दर्ज कराई है और मामले की जांच की मांग की है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि राशन की कालाबाजारी की जा रही है और गरीबों के हक का अनाज उन तक नहीं पहुंच रहा है। उन्होंने आपूर्ति पदाधिकारी से दोषी डीलर के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने और बकाया राशन तुरंत वितरित कराने की गुहार लगाई है।

डीडीसी ने पीवीटीजी व एसटी परिवारों के सर्वेक्षण कार्य का लिया जायजा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल ने बुधवार को प्रोजेक्ट समर्थ के तहत मांडू प्रखंड के मुरपा गांव में पीवीटीजी एवं एसटी परिवारों के लिए किए जा रहे सर्वेक्षण कार्य का स्थल निरीक्षण कर जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सर्वेक्षण टीम द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली और सर्वेक्षण प्रपत्रों के संधारण एवं भरने की प्रक्रिया का निरीक्षण किया।
उप विकास आयुक्त ने सर्वेक्षण टीम के सदस्यों को निर्देश दिया कि प्रत्येक परिवार से संबंधित आवश्यक जानकारी का सही एवं पूर्ण रूप से संकलन करते हुए प्रपत्रों को सावधानीपूर्वक भरा जाए। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण से प्राप्त जानकारी के आधार पर संबंधित परिवारों की वास्तविक आवश्यकताओं की पहचान कर उन्हें सरकार की कल्याणकारी योजनाओं एवं सुविधाओं से जोड़ा जा सकेगा। निरीक्षण के दौरान डीडीसी ने परिवारों से सीधे संवाद कर उनकी वर्तमान स्थिति, मूलभूत जरूरतों तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने परिवारों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट समर्थ के उद्देश्यों के अनुरूप सर्वेक्षण कार्य पूरी संवेदनशीलता, पारदर्शिता और गंभीरता के साथ पूरा किया जाए, ताकि चिन्हित परिवारों तक आवश्यक सरकारी योजनाओं एवं कल्याणकारी सुविधाओं का प्रभावी लाभ पहुंचाया जा सके।

जेएसएलपीएस के कर्मियों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

गढ़वा, नवबिहार टाइम्स, संवाददाता। झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी के कर्मियों ने अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा है।
ज्ञापन सौंपने आए कर्मियों ने बताया कि वे लंबे समय से अपनी जायज मांगों के समर्थन में आवाज उठा रहे हैं परंतु शासन द्वारा उनकी अनदेखी की जा रही है। सौंपे गए ज्ञापन में मानदेय में वृद्धि, सेवा स्थायीकरण और बेहतर कार्य परिस्थितियां उपलब्ध कराने जैसी प्रमुख मांगें शामिल हैं।
कर्मियों का कहना है कि वे ग्रामीण विकास और महिला सशक्तीकरण की योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए दिन रात काम करते हैं, फिर भी उन्हें उचित पारिश्रमिक नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक विचार नहीं किया गया तो वे अपने आंदोलन को और अधिक तीव्र करने के लिए विवश होंगे।

मोहम्मदगंज स्टेशन पर फुट ओवरब्रिज का होगा विस्तार

7 सितंबर को खुलेगा टेंडर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मोहम्मदगंज,पलामू। पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम के प्रयास से मोहम्मदगंज रेलवे स्टेशन पर निमार्णाधीन फुट ओवरब्रिज (एफओबी) के विस्तार का रास्ता साफ होता दिख रहा है।
यात्रियों की सुविधा और सुरक्षित आवागमन को लेकर सांसद द्वारा रेलवे के समक्ष उठाई गई मांग पर रेलवे ने आवश्यक प्रक्रिया शुरू कर दी है।
सांसद ने 19 अगस्त को पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल के मंडल रेल प्रबंधक को पत्र लिखकर फुट ओवरब्रिज के विस्तार का अनुरोध किया था।
इसके जवाब में मंडल रेल प्रबंधक उदय सिंह मीना ने 25 अगस्त को पत्र भेजकर बताया कि एफओबी के विस्तार के लिए जीएडी (जनरल अरेंजमेंट ड्रॉइंग) को मंजूरी देने की प्रक्रिया चल रही है।रेलवे के अनुसार यह कार्य अमृत भारत स्टेशन परियोजना के प्रथम चरण के अंतर्गत अतिरिक्त कार्य के रूप में प्रस्तावित है। इसके लिए 7 सितंबर 2026 को टेंडर खोला जाएगा।
सांसद ने कहा कि मोहम्मदगंज स्टेशन क्षेत्र का महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन है। एफओबी के विस्तार से यात्रियों को प्लेटफॉर्म के बीच सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। इससे खासकर बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों और दिव्यांग यात्रियों को काफी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि पलामू संसदीय क्षेत्र के रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण, यात्री सुविधाओं का विस्तार और यात्रियों की सुरक्षा उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है।

एफओबी के विस्तार से यात्रियों को प्लेटफॉर्म के बीच सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी

सीसीएलकर्मी की ड्यूटी के दौरान मौत

छोटे पुत्र को मिला प्रोविजनल ज्वाइनिंग लेटर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। सीसीएल की बिरसा परियोजना में मंगलवार को ड्यूटी के दौरान ड्रिलर सुरेंद्र यादव की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। मृतक सेंट्रल सौंदा क्लब घर कॉलोनी में रहते थे। जानकारी के अनुसार सुरेंद्र यादव मंगलवार को दूसरी पाली की ड्यूटी पर थे।
इसी दौरान अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई। सहकर्मियों ने आनन-फानन में उन्हें सीसीएल अस्पताल भुरकुंडा पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक तौर पर हृदयाघात से मौत की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे। सुरेंद्र यादव की मौत की खबर से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था।
वहीं विभिन्न श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने अस्पताल पहुंचकर शोकाकुल परिजनों से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया।इधर, बुधवार को सीसीएल प्रबंधन की ओर से मृतक के छोटे पुत्र रिंटू कुमार यादव को प्रोविजनल ज्वाइनिंग लेटर सौंपा गया।
इसके बाद मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए रामगढ़ सदर अस्पताल भेजा गया। सुरेंद्र यादव अपने पीछे पत्नी, दो पुत्र और एक पुत्री छोड़ गए हैं। घटना के बाद कॉलोनी में शोक का माहौल है। मौके पर बिरसा परियोजना के मैनेजर पर्सनल विकास रंजन, विंध्याचल बेदिया, वासुदेव साव, अशोक शर्मा, शंभू प्रसाद सिंह, हरिनाथ महतो, संजय मिश्रा, अशोक गुप्ता, रामाकांत दूबे, संजय वर्मा, बैजनाथ राय, केदार राम, गुलजार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

बच्चों और अभिभावकों को प्रायोजन योजना की दी गई जानकारी

रामगढ़, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रामगढ़ मो. तौफीकुल हसन के मार्गदर्शन तथा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनिल कुमार के तत्वावधान में बुधवार को छावनी उत्क्रमित उच्च विद्यालय, नईसराय में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों एवं अभिभावकों को प्रायोजन योजना (स्पॉन्सरशिप योजना) के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं अभिभावकों को प्रायोजन योजना के उद्देश्य एवं पात्रता की जानकारी दी गई। बताया गया कि योजना का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद एवं कठिन परिस्थितियों में जीवन-यापन कर रहे बच्चों को आवश्यक आर्थिक एवं सामाजिक सहायता उपलब्ध कराकर उनके संरक्षण, शिक्षा एवं समुचित विकास को सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर बच्चों को उनके कानूनी अधिकार, बाल संरक्षण, शिक्षा के अधिकार तथा बाल श्रम एवं बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों से बचाव के संबंध में भी जागरूक किया गया। स्थानीय लोगों को बताया गया कि जरूरतमंद बच्चों एवं उनके परिवारों को सरकारी योजनाओं तथा निःशुल्क विधिक सहायता का लाभ दिलाने में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यक्रम के दौरान पारा लीगल वॉलेंटियर्स ने प्रतिभागियों की समस्याओं एवं जिज्ञासाओं का समाधान किया। साथ ही जरूरत पड़ने पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से संपर्क कर निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया। छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों से अपील की गई कि वे बाल अधिकारों के प्रति जागरूक रहें तथा किसी भी बच्चे को उसके अधिकारों से वंचित किए जाने की स्थिति में संबंधित प्राधिकार को इसकी सूचना दें।

छात्रों पर दर्ज एफआईआर रद्द करने की मांग को लेकर भाजपा ने मुख्य सचिव को सौंपा ज्ञापन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में कथित धांधली की सीबीआई जांच और छात्र आंदोलन के दौरान दर्ज एफआईआर रद्द करने की मांग को लेकर भाजपा ने बुधवार को राज्य सरकार पर दबाव बढ़ाया। पार्टी नेताओं ने मुख्य सचिव को ज्ञापन सौंपकर दोषी अधिकारियों और आयोग के जिम्मेदार सदस्यों पर कार्रवाई की भी मांग की।
भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य प्रसाद साहू और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में पार्टी के कई सांसद-विधायक और प्रदेश कमेटी के पदाधिकारी मुख्य सचिव को ज्ञापन सौंपने प्रोजेक्ट भवन पहुंचे। भाजपा नेताओं ने कहा कि जेपीएससी और जेएसएससी की विभिन्न परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर छात्रों में लगातार आक्रोश है और सरकार को उनकी मांगों पर तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। ज्ञापन में भाजपा ने आरोप लगाया कि झारखंड लोक सेवा आयोग और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की विभिन्न परीक्षाओं में व्यापक स्तर पर अनियमितताएं हुई हैं। इन मामलों को लेकर छात्रों ने करीब एक महीने तक शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन किया। पार्टी का आरोप है कि छात्र आंदोलन की आवाज को दबाने के लिए आंदोलन के दौरान और उसके बाद राज्य के विभिन्न थानों में छात्रों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। भाजपा ने छात्र आंदोलन के दौरान और उसके बाद छात्रों के खिलाफ दर्ज सभी प्राथमिकी तत्काल रद्द करने की मांग की है। ज्ञापन में पार्टी ने छात्र आंदोलनों से जुड़ी प्राथमिकी को लेकर सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का भी हवाला दिया है। भाजपा ने उन जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं की सीबीआई जांच की अनुशंसा करने की मांग की है, जिन्हें कथित धांधली के कारण रद्द या स्थगित किया गया है। पार्टी का कहना है कि परीक्षा प्रक्रिया में हुई कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच जरूरी है, ताकि दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सके।
ज्ञापन में भाजपा ने आयोग के अध्यक्ष की गिरफ्तारी का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि मामले में समान रूप से जिम्मेदार आयोग के अन्य सदस्यों की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए। पार्टी ने जांच में दोषी पाए जाने वाले सदस्यों की गिरफ्तारी की मांग की है। पार्टी ने उन वरिष्ठ पदाधिकारियों की भूमिका की जांच की भी मांग की है, जिनके अधीन काम करने वाले कनिष्ठ कर्मचारियों को कथित परीक्षा धांधली के मामले में गिरफ्तार किया गया है।
पार्टी ने कहा है कि जांच में दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जानी चाहिए। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी और प्रदेश भाजपा अध् क्ष आदित्य साहू ने चेतावनी दी कि यदि राज्य सरकार छात्रों से जुड़ी इन मांगों पर तत्काल कार्रवाई नहीं करती है, तो पार्टी आंदोलन करेगी। पार्टी ने कहा कि ऐसी स्थिति के लिए राज्य सरकार जिम्मेदार होगी। मुख्य सचिव को ज्ञापन सौंपने पहुंचे नेताओं में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, राष्ट्रीय मंत्री सह सांसद प्रदीप वर्मा, सांसद बीडी राम, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद और भानु प्रताप शाही, प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी तथा विधायक नवीन जायसवाल, सीपी सिंह, मंजू देवी, शशि भूषण मेहता, आलोक चौरसिया, रोशन लाल चौधरी, सत्येंद्र नाथ तिवारी, नीरा यादव, नागेंद्र महतो और राज सिन्हा शामिल रहे।

उज्जैन में साहू महासंगठन का राष्ट्रीय अधिवेशन 6 को

हुसैनाबाद, पलामू/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन दिल्ली का राष्ट्रीय अधिवेशन एवं वार्षिक समारोह 6 सितंबर को उज्जैन में आयोजित होगा। संगठन के अपर महामंत्री डॉ. अजय प्रसाद गुप्ता, हुसैनाबाद (झारखंड) ने बताया कि अधिवेशन में देशभर से संगठन के पदाधिकारी एवं स्वजातीय बंधु शामिल होंगे। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए डॉ. गुप्ता ने धनबाद के सांसद दुल्लू महतो के आवास पर जाकर उन्हें आमंत्रित किया। सांसद ने समारोह में शामिल होने की सहमति दी है। डॉ. गुप्ता ने बताया कि अधिवेशन का उद्देश्य समाज को एकजुट करना और सामाजिक हित के मुद्दों पर मंथन करना है। समारोह माधव सेवा न्यास, श्री महाकालेश्वर भक्त निवास, उज्जैन में होगा।

बस की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। खूंटी थाना क्षेत्र अंतर्गत तजना पुल के पास बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार बस ने बाइक सवार युवक को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान शाहिद अंसारी के 18 वर्षीय पुत्र सलमान अंसारी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सलमान अंसारी आजाद रोड स्थित पासा कॉलोनी खूंटी का रहने वाला था। वह अपनी बाइक से रांची जा रहा था, तभी तजना पुल के समीप सामने से आ रही तेज रफ्तार बस ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई।
घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई और खूंटी थाना पुलिस को इसकी जानकारी दी। जानकारी के अनुसार, जैसे ही इस हृदयविदारक हादसे की खबर मृतक के परिजनों को मिली, पूरे परिवार में कोहराम मच गया। परिजन रोते-बिलखते घटनास्थल पर पहुंचे, जहां सभी का रो-रो कर बुरा हाल था। सूचना पर पहुंची खूंटी थाना पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा किया और पोस्टमार्टम के लिए खूंटी सदर अस्पताल भेज दिया है। पुलिस ने बस को जब्त कर लिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है। इस घटना के बाद इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है।

परिवार में मचा कोहराम

सोनालीका ने 12581 ट्रैक्टरों की बिक्री दर्ज की

पटना, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सोनालीका ट्रैक्टर्स ने अगस्त की अपनी अब तक की सर्वाधिक 12581 कुल ट्रैक्टरों की बिक्री दर्ज करते हुए वित्त वर्ष 2027 में अपनी जबरदस्त रफ़्तार बनाए रखी है। यह उपलब्धि उद्योग की वृद्धि के मुकाबले शानदार 1.9 एक्स वृद्धि से प्रेरित है, जो दुनिया के सबसे बड़े ट्रैक्टर बाजार भारत में प्रमुख कंपनियों के बीच सोनालीका की मजबूत स्थिति को भी दशार्ता है। रमन मित्तल, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड ने कहा कि हम अगस्त में अब तक की सर्वाधिक 12581 कुल ट्रैक्टरों की बिक्री कर-के बहुत उत्साहित हैं, जिससे हमने उद्योग की वृद्धि को शानदार 1.9 एक्स वृद्धि से पीछे छोड़ दिया है। साथ ही, हमने 18067 ट्रैक्टरों के उत्पादन का अब तक का सबसे बड़ा मासिक रिकॉर्ड भी बनाया है, जो हमारी पूरी वैल्यू चेन में बने मजबूत तालमेल को दशार्ता है।

छपरा सदर अस्पताल में पहली बार हुआ हिप रिप्लेसमेंट

65 वर्षीय मरीज का सफल ऑपरेशन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

छपरा (सारण)। सारण जिले के सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। सदर अस्पताल छपरा में पहली बार फ्रैक्चर नेक ऑफ फीमर से पीड़ित 65 वर्षीय मरीज का सफल हिप रिप्लेसमेंट किया गया है। ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञों की टीम ने बाइपोलर हेमीआर्थ्रोप्लास्टी तकनीक से मरीज का सफल ऑपरेशन किया। खास बात यह रही कि पूरी सर्जरी आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत की गई, जिससे मरीज को इस जटिल ऑपरेशन के लिए निजी अस्पताल का रुख नहीं करना पड़ा।

अमनौर के रहने वाले हैं मरीज

सर्जरी अमनौर निवासी 65 वर्षीय भारत राम की की गई। उन्हें कूल्हे की हड्डी में फ्रैक्चर होने के बाद इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया था। चिकित्सकीय जांच और आवश्यक परीक्षण के बाद चिकित्सकों ने पाया कि मरीज फ्रैक्चर नेक ऑफ फीमर से पीड़ित हैं। उम्र और फ्रैक्चर की स्थिति को देखते हुए उनके लिए हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी का निर्णय लिया गया।
ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. रवि अमृत ने मरीज की बाइपोलर हेमीआर्थ्रोप्लास्टी सफलतापूर्वक की। वहीं ऑपरेशन के दौरान एनेस्थीसिया और मरीज की लगातार चिकित्सकीय निगरानी की जिम्मेदारी एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. अमरेश कुमार ने संभाली। चिकित्सकीय टीम की निगरानी में पूरी प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

क्या है फ्रैक्चर नेक ऑफ फीमर?

नेक ऑफ फीमर जांघ की हड्डी (फीमर) का वह हिस्सा है जो कूल्हे के जोड़ के पास स्थित होता है। बुजुर्गों में गिरने या अन्य कारणों से इस हिस्से में फ्रैक्चर होना आम है, लेकिन यह गंभीर चोट मानी जाती है। उम्रदराज मरीजों में इस तरह के फ्रैक्चर के बाद लंबे समय तक बिस्तर पर रहना कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं का कारण बन सकता है। ऐसे मामलों में मरीज की स्थिति, उम्र, फ्रैक्चर के प्रकार और अन्य चिकित्सकीय परिस्थितियों का आकलन करने के बाद हेमीआर्थ्रोप्लास्टी जैसी सर्जरी का विकल्प चुना जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

एमएमडीआर संशोधन कानून के खिलाफ महाधरना को लेकर जनजागरण पदयात्रा

बाघमारा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। एमएमडीआर संशोधन कानून 2026 के विरोध में 07 सितंबर को जिला, प्रखंड एवं अंचल मुख्यालयों पर होने वाले महाधरना को सफल बनाने के लिए जनजागरण पदयात्रा निकाली गई। झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन , बीसीसीएल के जोनल उपाध्यक्ष रतिलाल टुडू के नेतृत्व में यह पदयात्रा बाघमारा प्रखंड के महेशपुर और दलूडीह पंचायत के गंगापुर, गरीबडीह, महतो टांड़, मिचो कोचा, उपरबानधा, पियरशाला, रंगटांड़, टांडालगा, चुंगी सरायदहा और पदुमचंद गांव में निकाली गई। इस दौरान ग्रामीणों को खान एवं खनिज संशोधन अधिनियम के संभावित प्रभावों और झारखंड के हितों पर पड़ने वाले असर के बारे में बताया गया और 07 सितंबर के महाधरना में बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की गई। रतिलाल टुडू ने कहा कि झारखंड की पहचान और अर्थव्यवस्था खनिज संपदा पर टिकी है। खनिज संसाधनों से जुड़े कानून का असर यहां के मजदूर, किसान, रैयत, विस्थापित और आम नागरिकों पर पड़ेगा, इसलिए सभी को जागरूक होना जरूरी है। उन्होंने लोगों से शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से महाधरना में शामिल होने की अपील की। मौके पर जिला संगठन सचिव मनोज रवानी, टुंडी विधायक प्रतिनिधि बिरजू सोरेन, प्रखंड सचिव मनसा राम मुर्मू, प्रखंड उपाध्यक्ष बासुकीनाथ त्रिगुणायत, बैजनाथ रवानी, लखन लाल टुडू, पारस ठाकुर, सोनू कुमार, भगीरथ महतो समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

निवारक सतर्कता अभियान के तहत बीएसएल में जेम के माध्यम से सेवा अनुबंध पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट में चल रहे तीन माह के निवारक सतर्कता अभियान के अंतर्गत जेम के माध्यम से सेवा अनुबंध विषय पर आज एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बीएसएल के सतर्कता विभाग द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन सीजीएम (सर्विसेज), बीएसएल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में कॉन्ट्रैक्ट सेल एवं वर्क्स डिवीजन के इंडेंटिंग विभागों से संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को जेम के माध्यम से सेवा अनुबंध से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस क्रम में सेवा अनुबंध की प्रक्रिया, जेम पर उपलब्ध प्रावधानों तथा अनुबंध से जुड़े विभिन्न प्रक्रियात्मक एवं अनुपालन संबंधी बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों को जेम के माध्यम से सेवा अनुबंध की प्रक्रिया एवं उससे संबंधित प्रावधानों के प्रति अधिक जागरूक एवं सक्षम बनाना तथा खरीद एवं अनुबंध प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, निष्पक्षता, दक्षता एवं सतर्कता को और सुदृढ़ करना था। निवारक सतर्कता अभियान के तहत आयोजित इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम बीएसएल में प्रक्रियाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा कार्यप्रणाली में पारदर्शिता एवं सुशासन को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

भवन प्रमंडल में टेंडर को लेकर मारपीट, दो हिरासत में

ढाई करोड़ के ऑनलाइन टेंडर के बाद एग्रीमेंट कराने पहुंचे थे जमशेदपुर के संवेदक

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कम्पइंड बिल्डिंग स्थित भवन प्रमंडल विभाग में टेंडर को लेकर जमकर मारपीट हो गई। बताया जा रहा है कि भवन प्रमंडल की ओर से करीब ढाई करोड़ रुपये का ऑनलाइन टेंडर निकाला गया था। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद जमशेदपुर से पहुंचे संवेदक एग्रीमेंट कराने के लिए भवन प्रमंडल कार्यालय पहुंचे थे। इसी दौरान स्थानीय संवेदकों ने बाहरी संवेदकों के पहुंचने का विरोध किया, जिसके बाद विवाद बढ़ गया और देखते ही देखते मारपीट शुरू हो गई। घटना की सूचना मिलते ही धनबाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दो लोगों को हिरासत में लिया है। फिलहाल मामला पुलिस तक पहुंच गया है और पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है। दरअसल, भवन प्रमंडल विभाग की ओर से करीब ढाई करोड़ रुपये का ऑनलाइन टेंडर जारी किया गया था। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद जमशेदपुर से कुछ संवेदक एग्रीमेंट कराने के लिए भवन प्रमंडल कार्यालय पहुंचे थे।

इसी दौरान स्थानीय संवेदकों ने इसका विरोध शुरू कर दिया। स्थानीय संवेदकों का आरोप है कि धनबाद के स्थानीय लोगों को ही पर्याप्त काम नहीं मिल रहा है। ऐसे में बाहरी संवेदकों को टेंडर देकर काम दिलाना उचित नहीं है। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ा और मामला मारपीट तक पहुंच गया। हंगामे और मारपीट की सूचना मिलने के बाद धनबाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। पुलिस अब पूरे मामले की जांच कर रही है। वहीं, भवन प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता चंदन कुमार ने घटना की जानकारी मिलने की बात कही है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच के लिए टीम गठित की गई है। जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि भवन प्रमंडल कार्यालय परिसर में आखिर किन परिस्थितियों में यह घटना हुई। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। वहीं, टेंडर प्रक्रिया और बाहरी संवेदकों की भागीदारी को लेकर स्थानीय संवेदकों में नाराजगी बनी हुई है।

बारिश में सड़कों पर उतरे उपायुक्त, जलजमाव से लेकर जर्जर पानी टंकियों तक का लिया जायजा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। लगातार हो रही बारिश के बीच उपायुक्त अजय नाथ झा बुधवार को बोकारो स्टील सिटी की सड़कों पर उतरे और विभिन्न क्षेत्रों में नागरिक सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने जलजमाव, जल निकासी, साफ-सफाई, जर्जर सड़कों और अन्य समस्याओं का जायजा लेते हुए बीएसएल के नगर सेवा प्रशासन को त्वरित एवं स्थाई समाधान के निर्देश दिए। उपायुक्त ने सबसे पहले सेक्टर-12ए स्थित जर्जर पानी टंकियों वाले आवासीय ब्लॉकों का निरीक्षण किया। नगर सेवा प्रशासन के चीफ जनरल मैनेजर कुंदन कुमार ने बताया कि 42 ब्लॉकों को चिह्नित किया गया है, जहां पानी की टंकियों और सीढ़ियों पर अत्यधिक दबाव है। जर्जर बड़ी

टंकियों के स्थान पर प्रत्येक फ्लोर के लिए अलग-अलग कम क्षमता की टंकियां लगाने की योजना बनाई गई है। उपायुक्त ने इस कार्य को दस दिनों के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही पानी की बबार्दी रोकने के लिए टंकियों में फ्लोट लगाने को कहा। इसके बाद उपायुक्त ने सिटी सेंटर और लक्ष्मी मार्केट का निरीक्षण किया। जलजमाव, नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई और क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। जिन सड़कों की तत्काल मरम्मत संभव नहीं है, वहां अस्थायी रूप से फ्लाई ऐश डालकर आवागमन सुचारु रखने को कहा गया। सिटी सेंटर में दुकानों के सामने कॉरिडोर और पाथवे पर रखे सामान को हटाने का भी निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि सार्वजनिक रास्ते और कॉरिडोर हर स्थिति में खुले रहने चाहिए, ताकि आपदा के समय राहत एवं बचाव कार्य में बाधा न आए। उपायुक्त ने बीएसएल प्रबंधन को नागरिक सुविधाओं से संबंधित शिकायतों के लिए कंट्रोल नंबर जारी करने, कमेटी गठित करने तथा सफाई, जल निकासी और कचरा प्रबंधन के लिए शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म योजना बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रशासन, बीएसएल प्रबंधन, व्यवसायियों और नागरिकों के सामूहिक सहयोग से ही बोकारो को स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाया जा सकता है।

निरीक्षण के दौरान छात्रा ऋषिका ने उपायुक्त के साथ ली सेल्फी

नागरिक समस्याओं के समाधान को लेकर उपायुक्त की तत्परता से प्रभावित हुई छात्रा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बारिश के बीच बोकारो शहरी क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी अजय नाथ झा ने विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर नागरिकों की समस्याओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसी क्रम में सेक्टर-12ए निवासी कक्षा 11 की छात्रा ऋषिका ने उपायुक्त के साथ सेल्फी ली। छात्रा ने क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान नागरिकों की समस्याओं को सुनने तथा उनके समाधान को लेकर उपायुक्त द्वारा दिखाई जा रही तत्परता की सराहना की। ऋषिका ने कहा कि बारिश के बीच उपायुक्त को स्वयं क्षेत्र में पहुंचकर लोगों की समस्याओं को समझते और अधिकारियों को समाधान के लिए निर्देश देते देखना अच्छा लगा। उन्होंने उपायुक्त के साथ सेल्फी लेकर इस खास पल को यादगार बनाया। उपायुक्त अजय नाथ झा ने भी छात्रा से सहज संवाद किया और उसकी पढ़ाई एवं भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने छात्रा को मन लगाकर पढ़ाई करने तथा अपने लक्ष्य की दिशा में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

सरस्वती विद्या मंदिर में विज्ञान-गणित मेला, 150 विद्यार्थियों ने दिखाया नवाचार

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सरस्वती विद्या मंदिर, सेक्टर-3सी में बुधवार को विद्यालय स्तरीय विज्ञान-गणित मेला-2026 का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। मेले में लगभग 150 विद्यार्थियों ने भाग लेकर विज्ञान एवं गणित से जुड़े कार्यशील मॉडल, प्रयोगात्मक प्रदर्श और नवाचारी प्रकल्प प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय के प्रधानाचार्य संजीव कुमार एवं मुख्य संयोजक भौतिकी आचार्य दिलीप कुमार ने संयुक्त रूप से किया। प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि विज्ञान और गणित केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं हैं, बल्कि दैनिक जीवन की समस्याओं को समझने और उनका समाधान खोजने के महत्वपूर्ण माध्यम हैं। मेले में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मॉडलों में वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता, प्रयोगशीलता के साथ समाज और पर्यावरण के प्रति जागरूकता की झलक देखने को मिली। मूल्यांकन के बाद उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का चयन प्रांतीय स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया। चयनित प्रतिभागियों में आराध्या, अदिति, वैष्णवी, रचित मिश्रा, मौसम रानी, साहिल राज, अक्षत, अनन्या, श्रीकांत, शिवम चक्रपाणि, गोविंद सिंह, समर कुमार और दिव्या पांडेय शामिल हैं। विद्यालय स्तरीय मेले में चयनित विद्यार्थी अब 5 और 6 सितंबर को हजारीबाग के कुम्हार टोली में आयोजित प्रांतीय स्तरीय विज्ञान-गणित मेला-2026 में विद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रांतीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को आगे क्षेत्र स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य संजीव कुमार, मुख्य संयोजक दिलीप कुमार और विद्यालय के आचार्य परिवार ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। विद्यालय परिवार ने विश्वास जताया कि चयनित विद्यार्थी प्रांतीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर विद्यालय का गौरव बढ़ाएंगे।

नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म का आरोपित 24 घंटे में गिरफ्तार

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कसमार थाना क्षेत्र के एक गांव में 10 वर्षीय स्कूली छात्रा के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान गांव के ही 32 वर्षीय इजराइल अंसारी के रूप में हुई है। पीड़िता की मां के अनुसार, घटना सोमवार दोपहर की है। बच्ची स्कूल से घर लौटने के बाद नाश्ता कर पास के खेत की ओर गई थी। करीब 10-15 मिनट तक उसके वापस नहीं लौटने पर परिजन चिंतित हो गए। इसी दौरान खेत की दिशा से बच्ची के रोने और चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। आवाज सुनकर मां मौके की ओर पहुंची। आरोप है कि वहां आरोपी बच्ची के साथ दुष्कर्म कर रहा था। महिला को आते देख आरोपी मौके से भाग निकला। इसके बाद बच्ची को लेकर परिजन घर पहुंचे और घटना की सूचना पुलिस को दी गई।

जैनामोड़ में श्रद्धा और उत्साह से मनाई गई भगवान बलराम की जयंती

जैनामोड़/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। किसानों के आराध्य देवता भगवान बलराम की जन्म जयंती बुधवार को जैनामोड़ स्थित किसान मोर्चा कार्यालय में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा के पदाधिकारियों, कार्यकताओं और स्थानीय किसानों ने भगवान बलराम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री अर्जुन सिंह ने कहा कि भगवान बलराम शक्ति, परिश्रम, कृषि और किसान जीवन के प्रतीक हैं। उनका जीवन धरती और अन्नदाता किसानों के प्रति सम्मान का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि भगवान बलराम की जयंती किसानों के सम्मान और गौरव का पर्व है। अर्जुन सिंह ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था और विकास में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

किसानों के हित, सम्मान और समृद्धि के लिए समाज के सभी वर्गों को सदैव उनके साथ खड़ा रहना चाहिए। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने भगवान बलराम से किसानों की खुशहाली, समृद्धि और अच्छी फसल की कामना की। साथ ही अन्नदाता किसानों के सम्मान, अधिकार और स्वाभिमान की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में भाजपा जरीडीह प्रखंड अध्यक्ष विक्रम गोस्वामी, सुनील सिंह, टूना सिंह, मोहन महतो, टिंकू सिंह, विकास कुमार सिंह, युवा मोर्चा प्रखंड महामंत्री कृष्णा सिंह, प्रेम कुमार, राजेश सिंह सहित भाजपा किसान मोर्चा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय किसान उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन इस संकल्प के साथ किया गया कि किसान मजबूत होगा तो देश मजबूत होगा और खेत-खलिहान समृद्ध होंगे तो भारत आत्मनिर्भर बनेगा।

तीन साल बाद घर लौटेगी परिवार से बिछड़ 12 वर्षीय रजनी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। तीन वर्षों से अपने परिवार से बिछड़ी 12 वर्षीय रजनी कुमारी (परिवर्तित नाम) के घर लौटने का रास्ता आखिरकार साफ हो गया है। बाल कल्याण समिति बोकारो, जिला बाल संरक्षण इकाई और ओडिशा पुलिस की

'ऑपरेशन अन्वेषण' टीम के संयुक्त प्रयासों से बच्ची के परिवार का पता लगाया गया है। अब उसे उसके गृह राज्य ओडिशा के रायगढ़ा स्थित परिवार के पास भेजने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। रजनी वर्ष 2023 से बालिका गृह धनबाद में रह रही थी। वह एक लापता बालिका थी, जो बोकारो में मिली थी। परिवार से बिछड़ने के बाद बाल संरक्षण व्यवस्था के तहत उसे बालिका गृह में रखा गया था। बच्ची के परिजनों और घर का पता लगाने के लिए जिला बाल संरक्षण इकाई (डीसीपीयू) बोकारो और बाल कल्याण समिति द्वारा लगातार प्रयास किए गए, लेकिन लंबे समय तक सफलता नहीं मिली। अंततः ओडिशा सरकार की 'ऑपरेशन अन्वेषण' पहल के तहत ओडिशा पुलिस की टीम झारखंड पहुंची। अंतरराज्यीय समन्वय के माध्यम से बच्ची की पहचान, दस्तावेजों और उसके गृह क्षेत्र का सत्यापन किया गया। इसके बाद उसके परिवार तक पहुंचने का रास्ता साफ हुआ। बाल कल्याण समिति बोकारो की अध्यक्ष लीला देवी ने कहा कि बच्ची की घर वापसी के लिए पहले भी लगातार प्रयास किए गए थे। सभी संबंधित संस्थाओं और 'ऑपरेशन अन्वेषण' टीम के सामूहिक प्रयास से आखिरकार रजनी को उसके परिवार से मिलाने में सफलता मिली है। यह मामला परिवार आधारित देखभाल और विभिन्न राज्यों के बीच बेहतर समन्वय का महत्वपूर्ण उदाहरण है। यूनिसेफ-सीसीआर-एनयूएसआरएल द्वारा बाल कल्याण समिति, जिला बाल संरक्षण इकाई और बाल देखरेख संस्थाओं को तकनीकी सहयोग देकर परिवार से बिछड़े बच्चों की पहचान और पुनर्मिलन के प्रयासों को भी मजबूत किया जा रहा है। तीन साल के लंबे इंतजार के बाद अब रजनी को अपने परिवार के बीच लौटने का अवसर मिलेगा।

रांगामाटी में चला बाल विवाह मुक्त भारत जागरूकता अभियान

कसमार/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कसमार प्रखंड के दुगार्पुर पंचायत मे स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय, रांगामाटी में सहयोगिनी के तत्वावधान में बाल विवाह को लेकरजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्कूली बच्चों, शिक्षकों और ग्रामीणों को बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना और इसे पूरी तरह समाप्त करने का संकल्प दिलाना था। इस अवसर पर प्रभारी प्रधानाध्यापक देवशरण महतो ने जानकारी देते हुए बताया कि सहयोगिनी संस्था द्वारा आयोजित यह पहल समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह न केवल बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास को रोकता है, बल्कि उनके शिक्षा और बेहतर भविष्य के अधिकार को भी छीन लेता है।

बीएसएल ने अतिक्रमण एवं अनधिकृत निर्माण हटाने हेतु पुनः दिया सात दिनों का समय

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट के नगर प्रशासन विभाग द्वारा बोकारो स्टील सिटी में आवंटित लीजहोल्ड प्लॉटों के लीजधारकों/प्लॉटधारकों द्वारा प्लॉटों के सामने एवं पीछे स्थित कॉमन बरामदा तथा अन्य सार्वजनिक क्षेत्रों में किए गए अतिक्रमण एवं अनधिकृत निर्माण/ संरचनाओं को हटाने हेतु 07 (सात) दिनों का समय दिया गया है। बीएसएल ने स्पष्ट किया है कि लीज पर आवंटित प्लॉटों के सामने एवं पीछे स्थित कॉमन बरामदा, सार्वजनिक मार्ग, तथा अन्य निर्धारित सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी प्रकार का शेड, स्थायी अथवा अस्थायी निर्माण, संरचना, अतिक्रमण या अन्य अनधिकृत स्थापना तथा निर्धारित लीज क्षेत्र से बाहर किसी भी प्रकार का निर्माण लीज की शर्तों एवं लागू नियमों का उल्लंघन है। ऐसे अतिक्रमण एवं अनधिकृत निर्माण/ संरचनाओं से न केवल सार्वजनिक क्षेत्रों के सुचारु उपयोग में बाधा उत्पन्न होती है। बीएसएल द्वारा संबंधित लीजधारकों/ प्लॉटधारकों को पुनः निर्देशित किया गया है कि वे 07 (सात) दिनों के भीतर अपने द्वारा किए गए सभी प्रकार के अतिक्रमण एवं अनधिकृत निर्माण/संरचनाओं को स्वयं हटा लें।

धनबाद स्टेशन पर ट्रेन से 130 लीटर शराब और बीयर बरामद

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रेलवे स्टेशन पर अवैध शराब के खिलाफ आरपीएफ को बड़ी सफलता मिली है। आरपीएफ की स्पेशल टास्क टीम ने ट्रेन संख्या 13051 के जनरल कोच से करीब 130 लीटर केन बीयर और अंग्रेजी शराब बरामद की है। शराब की कुल अंकित कीमत करीब 38 हजार 160 रुपए बताई गई है। खास बात यह है कि बरामद शराब की बोतलों और बीयर केन पर 'ke' लिखा हुआ है। फिलहाल आरपीएफ ने शराब को जब्त कर लिया है और आगे की कार्रवाई के लिए उत्पाद विभाग को सौंपने की तैयारी की जा रही है। वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त, धनबाद के निर्देशन में आरपीएफ की स्पेशल टास्क टीम बुधवार को धनबाद रेलवे स्टेशन पर गश्त और निगरानी कर रही थी। इसी दौरान ट्रेन संख्या 13051 प्लेटफॉर्म संख्या-3 पर पहुंची। ट्रेन के पीछे वाले जनरल कोच की जांच के दौरान आरपीएफ जवानों को छह बैग और दो थैले संदिग्ध अवस्था में पड़े मिले। टीम ने कोच में मौजूद यात्रियों से बैग और थैलों के मालिकाना हक को लेकर पूछताछ की, लेकिन किसी भी यात्री ने सामान पर अपना दावा नहीं किया। इसके बाद आरपीएफ जवानों ने सभी बैग और थैलों को खोलकर जांच की। जांच में बड़ी मात्रा में केन बीयर और अंग्रेजी शराब बरामद हुई। ट्रेन के कम ठहराव को देखते हुए सामान को प्लेटफॉर्म संख्या-3 के हावड़ा छोर पर उतारकर गवाहों की मौजूदगी में इसकी जांच की गई। जांच में करीब 130 लीटर शराब और बीयर बरामद हुई, जिसकी कुल अंकित कीमत 38 हजार 160 रुपये बताई गई है। बरामद शराब और बीयर की बोतलों व केन पर केवल पश्चिम बंगाल में बेचने के लिए लिखा हुआ था। आरपीएफ ने इसे प्रतिबंधित सामग्री मानते हुए गवाहों के समक्ष जब्त कर लिया और सभी सामान को आरपीएफ पोस्ट धनबाद लाया गया। मामले में उप निरीक्षक प्रवीण कुमार की ओर से लिखित शिकायत तैयार की गई है। अब जब्त शराब को अग्रिम कार्रवाई के लिए धनबाद उत्पाद विभाग को सुपुर्द किया जाएगा।

बीजीएच में 'जुग-जुग जियो' अभियान के तहत अंग एवं नेत्रदान जागरूकता रैली

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो जनरल अस्पताल द्वारा अंग एवं नेत्रदान के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने तथा अधिक से अधिक लोगों को इस पहल से जोड़ने के उद्देश्य से ह्यजुग जुग जियोह्ल अभियान के तहत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। भारत सरकार की राष्ट्रव्यापी अंगदान जागरूकता पहल के अंतर्गत आयोजित यह अभियान राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा (25 अगस्त से 8 सितंबर 2026) का हिस्सा है। अभियान के माध्यम से लोगों को अंग एवं नेत्रदान के महत्व की जानकारी देने के साथ-साथ इससे जुड़ी विभिन्न सामाजिक भ्रांतियों और गलत धारणाओं को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके तहत नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता एवं क्विज प्रतियोगिता जैसी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। विशेष रूप से कॉर्निया दान के

महत्व पर जोर देते हुए लोगों को नेत्रदान का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। नेत्रदान के माध्यम से कॉर्नियल अंधत्व से जूझ रहे जरूरतमंद लोगों के जीवन में नई रोशनी लाई जा सकती है। इसी क्रम में 2 सितंबर को बीजीएच परिसर से अंग एवं नेत्रदान जागरूकता रैली निकाली गई। रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इसमें बीजीएच के चिकित्सकों, कर्मचारियों एवं अन्य सहयोगियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली के माध्यम से लोगों को अंग एवं नेत्रदान के महत्व के प्रति जागरूक करने, इससे जुड़ी सामाजिक भ्रांतियों को दूर करने तथा नागरिकों को दानदाता के रूप में पंजीकरण के लिए प्रेरित करने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर बीजीएच की ओर से कहा गया कि अंगदान महज एक दान नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद व्यक्ति को जीवन का एक नया अवसर प्रदान करने का माध्यम है। इसी प्रकार, नेत्रदान किसी व्यक्ति के जीवन में दृष्टि का उजाला वापस लाने का एक अनमोल मानवीय प्रयास है। एक व्यक्ति के अंगदान से कई जरूरतमंद लोगों को नया जीवन मिल सकता है, जबकि नेत्रदान के माध्यम से दृष्टिहीन व्यक्ति की दुनिया रोशन हो सकती है। बीजीएच का 'जुग जुग जियो' अभियान अंग एवं नेत्रदान के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने तथा समाज में मानवीय संवेदना एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। बीजीएच ने नागरिकों से अपील की कि वे अंग एवं नेत्रदान से संबंधित सही जानकारी प्राप्त करें, इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करें तथा इस महान मानवीय कार्य के लिए आगे आकर समाज में सकारात्मक बदलाव के सहभागी बनें।

विज्ञान ज्योति के तहत 115 छात्राओं ने किया आईआईटी, आईएसएम का विजिट

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के विज्ञान ज्योति प्रोग्राम के तहत आईआईटी ,आईएसएम ने नॉलेज पार्टनर के रूप में बुधवार को जवाहर नवोदय विद्यालय बर्दवान और जामताड़ा की 115 छात्राओं की मेजबानी की। संस्थान के जीजेएलटी में आयोजित इस प्रोग्राम का मकसद छात्राओं को साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथेमेटिक्स के फील्ड से रूबरू कराना और इन क्षेत्रों में मौजूद अवसरों के बारे में जानकारी देना था। प्रोग्राम की शुरूआत वेलकम नोट के साथ हुई, जिसके बाद कई कीनोट सेशंस आयोजित किए गए। इस दौरान प्रो. मधुलिका गुप्ता, नोडल कोऑर्डिनेटर, विज्ञान ज्योति प्रोग्राम ने छात्राओं के साथ स्पेशल इंटरैक्शन सेशन किया। इसके बाद छात्राओं के साथ ग्रुप फोटोग्राफ भी लिया गया। प्रोग्राम के एकेडमिक और नॉलेज-शेयरिंग सेगमेंट में आईआईटी,आईएसएम के फैकल्टी मेंबर्स ने अलग-अलग विषयों पर कीनोट टॉक्स दिए। प्रो. सिंधिया लक्ष्मी, डिपार्टमेंट ऑफ मैथेमेटिक्स एंड कंप्यूटिंग ने कीनोट टॉक दिया। इसके बाद प्रो. सुरेश पी. एलुमलाई, डिपार्टमेंट ऑफ एनवायरनमेंट साइंस इंजीनियरिंग ने छात्राओं को संबोधित किया। प्रो. सुनील पुलेटिकुरती, डिपार्टमेंट ऑफ केमिस्ट्री एंड केमिकल बायोलॉजी ने भी एक कीनोट सेशन लिया। इन सेशंस के दौरान छात्राओं को अलग-अलग एकेडमिक डिसिप्लिन से जुड़े फैकल्टी मेंबर्स से बातचीत करने और एसटीईएम से जुड़े क्षेत्रों को बेहतर तरीके से समझने का मौका मिला। इसके बाद जीजेएलटी डोम में लंच का आयोजन किया गया। प्रोग्राम के अंतिम चरण में छात्राओं ने आई2एच का विजिट किया, जहां उन्हें आईआईटी ,आईएसएम धनबाद के इनोवेशन इकोसिस्टम और टेक्नोलॉजी से जुड़े कामों को करीब से जानने का अवसर मिला। यह विजिट विज्ञान ज्योति प्रोग्राम के व्यापक उद्देश्य के तहत आयोजित किया गया, जिसका लक्ष्य छात्राओं को एसटीईएम एजुकेशन और करियर के लिए प्रेरित करना तथा साइंस और टेक्नोलॉजी के क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा नवबिहार टाइम्स प्रिंटिंग प्रेस बियाडा परिसर, जसोइया, औरंगाबाद से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 7295863300
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com